ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com • रांची • वैशाख कृष्ण पक्ष 14 • विक्रम संवत 2080 • बुधवार, 19 अप्रैल 2023 • वर्ष-24 • अंक-77 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 2.00

बिना शादी के मां बनेगी इलियाना ... पेज 12 पर

NEWS इन ब्रीफ

सीआईएसएफ के दो कांस्टेबल को वाहन ने रौंदा, मौत

रामगढ़। रामगढ़ शहर के पतरातू थाना क्षेत्र में सोमवार रात सड़क पर पैदल जा रहे सीआईएसएफ के दो कांस्टेबल को एक वाहन ने रौंद दिया। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर सिपाहियों के साथ पहुंचे पतरातू थाना प्रभारी ने दोनों को पीवीयूएनएल अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया।

सीएम आवास में 19 को दावत-ए-इफ्तार

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से 19 अप्रैल को मुख्यमंत्री आवास पर दावत-ए-इफ्तार का आयोजन किया गया है। इसमें राज्य सरकार के मंत्री-विधायकों के अलावा मुस्लिम समाज के प्रमुख लोगों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है।

झारखंड का माओवादी केरल में गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम। झारखंड के एक शीर्ष माओवादी नेता को मंगलवार को केरल और झारखंड पुलिस के संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया गया। वह कोझीकोड में एक प्रवासी श्रमिक शिविर में रह रहा था। केरल पुलिस के अनुसार, उन्हें झारखंड में अपने समकक्ष से एक गुप्त सूचना मिली और उन्होंने अजय ओजा को कोझिकोड में एक प्रवासी श्रमिक शिविर में ट्रैक किया। सुबह दोनों राज्यों के पुलिस अधिकारियों की एक टीम ने ओजा को हिरासत में ले लिया, जिसे झारखंड में एक शीर्ष माओवादी नेता माना जाता है और वह पहले भी जेल में रह चुका है।

स्कूल की टाइमिंग बदली

रांची। झारखंड सरकार, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने स्कूल के समय में परिवर्तन किया है। केजी से पांच तक के बच्चों के लिए सुबह 7:00 से 11:00 तक कक्षाएं चलेंगी। वहीं कक्षा 6 से ऊपर वाले विद्यार्थियों की कक्षा 7:00 से 12:00 तक चलेगी। भीषण गर्मी को देखते हुए धूप में खेलकूद, प्रार्थना सभा और माध्यमिक भोजन का संचालन नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। यह आदेश 19 से 25 अप्रैल तक लागू रहेगा।

देश को मिला पहला एप्पल स्टोर

मुंबई। भारत का पहला एप्पल स्टोर आज मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में खुल गया है। स्टोर का उद्घाटन एप्पल के सीईओ टिम कुक ने किया। स्टोर का दरवाजा खोलकर टिम कुक ने औपचारिक उद्घाटन किया। बाहर आकर टिम कुक ने हाथ हिलाकर इंतजार कर रहे लोगों का अभिवादन किया और बाद में नमस्ते भी किया।

हाई कोर्ट ने त्रिकुट रोप-वे हादसा मामले में 16 तक मांगा जवाब

रांची। झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में मंगलवार को त्रिकुट रोप-वे हादसे पर लिये गये स्वतः संज्ञान से जनहित याचिका में तब्दील मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए समय देने का आग्रह किया गया। कोर्ट ने सरकार को 16 मई तक शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 16 मई को होगी। **(संवाददाता/एजेंसियां)**

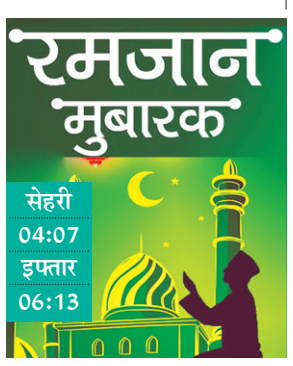

शाइस्ता परवीन ने जताई थी अतीक और देवर अशरफ की हत्या की आशंका

एजेंसी। प्रयागराज

माफिया अतीक और अशरफ के हत्याकांड के बाद हर रोज नए खुलासे हो रहे हैं। अब शाइस्ता की चिट्ठी भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इस चिट्ठी में अतीक और अशरफ की हत्या की जाने की आशंका जताई गई थी। इस कथित पत्र में शाइस्ता के दस्तखत हर पेज पर हैं। इस पत्र में उसने लिखा था कि उमेश पाल मर्डर केस में उनके और उनके पति अतीक अहमद, देवर अशरफ और बेटे असद के खिलाफ साजिश रचने का आरोप निराधार है।

शाइस्ता के खत के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बेटे अली को शूटर बताने का आरोप भी बेबुनियाद है। चिट्ठी में शाइस्ता ने इसे राजनीतिक रंजिश का मामला बताते हुए कहा था कि

बसपा ने जब से उन्हें प्रयागराज के मेयर का प्रत्याशी घोषित किया है, तबसे यहां के एक स्थानीय नेता और सरकार में काबीना मंत्री ने साजिश रचना शुरू कर दिया था और उसी साजिश में उमेश पाल की हत्या हुई।

उन्होंने लिखा है कि उमेश पाल विधायक राजू पाल की हत्या में गवाह नहीं थे। उमेश पाल अपने अपहरण के मामले में वादी थे जिसमें उनकी गवाही 16-17 अगस्त 2016 को दर्ज हो चुकी है। मेरे पति अतीक और देवर अशरफ के पास उमेश पाल की हत्या का कोई मकसद नहीं था। ये एक गंभीर राजनीतिक साजिश है। पत्र में आरोप लगाया कि पुलिस उसके पति अतीक अहमद और देवर अशरफ को अहमदाबाद और बरेली जेल से लाकर हत्या की साजिश रच रही है।

अतीक-अशरफ की हत्या की सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट सहमत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या की जांच की मांग वाली याचिका पर मंगलवार को सुनवाई के लिए तैयार हो गया। याचिका में हत्याओं की जांच के लिए शीर्ष अदालत के एक पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। मामले को 24 अप्रैल को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। अधिवक्ता विशाल तिवारी ने एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति की मांग करते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया और 2017 के बाद से उत्तर प्रदेश में हुई 183 मुठभेड़ों की जांच की भी मांग की। अहमद और उनके भाई को तीन हमलावरों ने पत्रकारों के रूप में गोली मार दी थी, जब पुलिस कर्मियों द्वारा उन्हें उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक मेडिकल कॉलेज में शनिवार की रात जांच के लिए ले जाया जा रहा था। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति का गठन कर-के कानून के शासन की रक्षा के लिए दिशा-निर्देश मांगा गया था और 2017 के बाद से हुई 183 मुठभेड़ों की जांच के लिए भी कहा गया था, जैसा कि उत्तर प्रदेश के विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून) ने कहा था। याचिकाकर्ता ने पुलिस हिरासत में अहमद और उसके भाई की हत्या की जांच की भी मांग की और जोर देकर कहा कि पुलिस द्वारा इस तरह की हरकतें लोकतंत्र और कानून के शासन के लिए ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

अतीक की चिट्ठी कौन भेज रहा सीएम और चीफ जस्टिस के पास?

लखनऊ। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की प्रयागराज में मेडिकल के लिए ले जाते वक्त गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड से पूरे यूपी में सनसनी फैल गई थी। वहीं माफिया ब्रदर्स की हत्या के बाद अशरफ का वो बयान भी वायरल होने लगा जिसमें उसने दावा किया था कि एक अफसर ने धमकी दी है कि 15 दिनों में किसी बहाने से जेल से उसे निकाला जाएगा और मार दिया जाएगा। इस बीच, अतीक अहमद की एक चिट्ठी को लेकर कई तरह की चर्चाएं जारी हैं। दरअसल, अतीक अहमद के वकील विजय मिश्रा ने इस बात की पुष्टि की है कि माफिया अतीक अहमद की सील बंद चिट्ठी सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश और यूपी के मुख्यमंत्री के पास भेजी जा रही है। विजय मिश्रा ने कहा, अतीक अहमद ने कहा था कि यदि उनके साथ कोई दुर्घटना होती है या उनकी हत्या होती है तो बंद लिफाफे में एक चिट्ठी सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश और प्रदेश के मुख्यमंत्री के पास जाएगी। यह चिट्ठी किसके पास है? पूछे जाने पर विजय मिश्रा ने कहा, वह चिट्ठी न तो मेरे पास है और न ही मेरे द्वारा भेजी जा रही है। वह चिट्ठी कहीं और रखी गई थी और किसी और व्यक्ति द्वारा भेजी जा रही है। इस चिट्ठी में क्या लिखा है, इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं है। वहीं अतीक की चिट्ठी को लेकर लगाई जा रही अटकलों ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

बिलकिस के दोषियों की माफी मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसीटर जनरल से कहा

डरने की बात नहीं

एजेंसियां। नई दिल्ली

केंद्र और गुजरात सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दावा किया कि बिलकिस बानो मामले में 11 दोषियों को छूट देने के संबंध में फाइलों पर विशेषाधिकार है और कहा कि वे अदालत के फैसले की समीक्षा की मांग कर सकते हैं। हालांकि, शीर्ष अदालत ने जोर देकर कहा कि विचाराधीन अपराध 'भयावह' था और गुजरात सरकार के लिए यह अनिवार्य था कि वह 11 दोषियों की समय से पहले रिहाई की अनुमति देने के लिए दिमाग का इस्तेमाल करती।

पीठ में शामिल न्यायमूर्ति के.एम. जोसेफ और बी.वी. नागरत्ना ने कहा कि अदालत यह देखने में रुचि रखती है कि कानूनी रूप से किन शक्तियों का प्रयोग किया गया था और अदालत निष्कर्ष निकालने के लिए स्वतंत्र है। केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने कहा कि फाइलें उनके पास मंगलवार को ही आईं। उन्होंने कहा, मुझे फाइल देखने दीजिए और मैं इस मामले पर अगले हफ्ते सुनवाई करूंगा। उन्होंने कहा कि अदालत यह देखने में रुचि रखती है कि कानूनी रूप से किन शक्तियों का प्रयोग किया गया था और यदि आप हमें कारण नहीं बताते हैं, तो अदालत निष्कर्ष निकालने के लिए स्वतंत्र है।

इस पर न्यायमूर्ति जोसेफ ने राजू से कहा : आपने पूरी तरह से कानूनी काम किया है, डरने की कोई बात नहीं है .. सामान्य मामलों में छूट का अनुदान न्यायिक समीक्षा के अधीन नहीं होगा। आज यह महिला (बिलकिस) है। कल, यह आप या मैं हो सकते हैं। फिर आप कौन से मानक लागू करेंगे .. वस्तुनिष्ठ मानक निर्धारित हैं। इसे दिखाने में क्या समस्या है (11 दोषियों की छूट से जुड़ी फाइलें) आज? हमने तो पहले ही कहा था, इस मामले को दूसरे दिन लाना। आपने अवमानना की, फाइलें पेश नहीं कीं, तो आखिर मुश्किल क्या है?

राजू ने कहाः मेरे निर्देश हैं, हम विशेषाधिकार का दावा कर रहे हैं और समीक्षा के लिए कह रहे हैं।

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने तब कहा : यदि आप हमें फाइलें दिखाते हैं तो आप बेहतर स्थिति में होंगे। राजू ने जोर देकर कहा कि उनके निर्देश अलग हैं और इसलिए उन्हें उनका पालन करना होगा। पीठ ने कहा कि उसने सरकार को समीक्षा रिपोर्ट दाखिल करने से नहीं रोका है और पूछा है कि फाइलों के अभाव में क्या वकील बहस कर पाएंगे? राजू ने कहाः शुरूआत में मैंने कहा कि दलीलें पूरी नहीं हुई हैं और समीक्षा याचिका दायर करने के लिए कुछ समय मांगा। जस्टिस नागरत्ना ने पूछा कि फाइलों के अभाव में सरकार के वकील की दलीलों का आधार क्या होगा। बिलकिस बानो का प्रतिनिधित्व करने वाली अधिवक्ता शोभा गुप्ता ने कहा कि गुजरात राज्य ने पहले ही जवाबी हलफनामे में अदालत में अधिकांश दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं।

न्यायमूर्ति जोसेफ ने तब राजू से कहा : हम समीक्षा याचिका दायर करने में आपके रास्ते में खड़े होना नहीं चाहते। पीठ ने कहा, सवाल यह है कि क्या सरकार ने अपना दिमाग लगाया, कौन सी सामग्री उसके फैसले का आधार बनी। सुनवाई के दौरान, पीठ ने मामले के रिकॉर्ड की भी जांच की और कहा कि सजा काटने के दौरान दोषियों को 3 साल की पैरोल दी गई थी। यह नोट किया गया कि उनमें से प्रत्येक को 1,000 दिनों से अधिक की पैरोल दी गई थी।

एक दोषी को 1,500 दिन की पैरोल मिली, और पूछा : आप किस नीति का पालन कर रहे हैं? मामले में एक विस्तृत सुनवाई के बाद शीर्ष अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 2 मई को होनी तय की, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि विचाराधीन अपराध 'भयानक' था और गुजरात सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह 11 दोषियों की समय से पहले रिहाई की अनुमति देने के लिए दिमाग का इस्तेमाल करे।

बिलकिस बानो केस में सुप्रीम कोर्ट की तीखी टिप्पणी

सेब की तुलना कभी भी संतरे से नहीं की जा सकती

एजेंसी। नई दिल्ली

बिलकिस बानो केस के दोषियों की रिहाई के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 2 मई को अंतिम सुनवाई करेगा। कोर्ट में मंगलवार को गुजरात सरकार ने रिहाई से जुड़ी फाइल दिखाने के आदेश

का विरोध किया। राज्य सरकार ने दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आधार पर ही रिहाई हुई है। गौरतलब है कि पीड़िता बिलकिस बानो के अलावा सामाजिक कार्यकर्ता सुभाषिनी अली और टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा ने मामले के 11 दोषियों को रिहा करने के गुजरात सरकार के आदेश को रद्द करने की मांग की है।

कोर्ट की टिप्पणी

इस मामले की सुनवाई कर रही जस्टिस केएम जोसेफ और बीवी नागरत्ना की पीठ ने सरकार के फैसले पर तीखी टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि सेब की तुलना संतरे से नहीं की जा सकती, इसी तरह नरसंहार की तुलना एक हत्या से नहीं की जा सकती। अदालत ने कहा कि जब ऐसे जघन्य अपराध जो कि समाज को बड़े स्तर पर प्रभावित करते हैं, उसमें किसी भी शक्ति का इस्तेमाल करते समय जनता के हित को दिमाग में रखना चाहिए है। कोर्ट ने कहा केंद्र सरकार ने राज्य के फैसले के साथ सहमति व्यक्त की है तो इसका मतलब यह नहीं है कि राज्य सरकार को अपना दिमाग लगाने की आवश्यकता नहीं है। जस्टिस केएम जोसेफ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि आज बिलकिस बानो है। कल आप और मुझमें से कोई भी हो सकता है। ऐसे में तय मानक होने चाहिए हैं। आप हमें कारण नहीं देते हैं तो हम अपना निष्कर्ष निकाल लेंगे। गौरतलब है कि गुजरात के गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस के एक डिब्बे में आगजनी की घटना के बाद दंगे भड़क उठे थे। इस दौरान साल 2002 में बिलकिस के साथ गैंगरेप किया गया था। साथ ही उनके परिवार के 7 लोगों की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में कोर्ट ने 21 जनवरी 2008 को 11 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इसके बाद से सभी 11 दोषी जेल में बंद थे और पिछले साल 15 अगस्त को सभी को रिहा कर दिया गया था। इसी रिहाई को कोर्ट में चुनौती दी गई है।

नक्सलियों ने ग्रामीणों को दी चेतावनी

जंगली इलाकों में न जाएं, बम बिछे हैं

गढ़वा में सर्च ऑपरेशन में विस्फोटक बरामद

नवीन मेल संवाददाता। पश्चिमी सिंहभूम/गढ़वा

मंगलवार को नक्सली गतिविधियों से जुड़ी दो हरकतें हुईं। एक तरफ पश्चिमी सिंहभूम में दक्षिणी जोनल कमेटी भाकपा (माओवादी) ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे लोग गल में प्रवेश न करें क्योंकि पूरे इलाके में आईईडी बम बिछाए गए हैं। दूसरी तरफ गढ़वा में पुलिस और सीआरपीएफ 172 बटालियन की संयुक्त टीम ने भंडरिया थाना क्षेत्र स्थित तुमेरा गांव से विस्फोटक सहित अन्य सामान बरामद किया है। पश्चिमी सिंहभूम में भाकपा (माओवादी) ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि कोल्हान में पुलिस दमन अविराम रूप से अभी भी जारी है। इसलिए जंगल-पहाड़ों और रास्ता घाट में पुलिस को लक्षित करने के उदेश्य से बारूदी सुरंग, बुबी ट्रैप माइन तथा स्पाइक होल लगाए गए हैं। जब पुलिस दमन बन्द कर देगी, तभी हम तमाम विस्फोटक सामग्री को उठा लेंगे। आप लोग पहले जैसी सावधानी बरतते आये हैं, वैसी ही सावधानी बरतते रहें। इस मामले में अनदेखी व लापरवाही बिल्कुल ही नहीं करें। पुलिस के बहकावे या दबाव में आकर गांव से दूर जंगल-पहाड़ में बिल्कुल ही न घुसें और इस पुलिस दमन-अभियान बन्द होने तक मवेशियों को भी पहले से निर्धारित इलाके में ही चराते रहें। अपने बयान में भाकपा (माओवादी) ने कहा कि हमारी आएदिन बारूदी सुरंग, बुबी ट्रैप माइन और स्पाइक होल की चपेट में आने से किसी भी जानमाल के नुकसान के लिए सरकार और पुलिस-प्रशासन एवं खुद भुक्तभोगी जिम्मेदार होंगे। हमारी लड़ाई ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

वीरेंद्र राम की संपत्ति आज जब्त करेगी ईडी

रांची। झारखंड सरकार के ग्रामीण कार्य विकास व ग्रमीण विकास विभाग के पूर्व मुख्य अभियंता वीरेंद्र कुमार राम के खिलाफ ईडी बुधवार को बड़ी कार्रवाई करने जा रही है। ईडी ने वीरेंद्र कुमार राम के पिता गेंदा राम के नाम पर खरीदे गए छतरपुर के फार्म हाउस और दिल्ली की डिफेंस कॉलोनी में खरीदे गए मकान को जब्त करने की कागजी कार्रवाई पूरी कर ली है। मंगलवार को दिल्ली समेत अन्य शहरों में वीरेंद्र राम की बनायी अचल संपत्ति को पीएलएमए प्रावधानों के तहत जब्त किया जाएगा। ईडी दिल्ली मुख्यालय ने मनी लाउंड्रिंग के तहत अर्जित संपत्ति को जब्त करने की फाइल पर अंतिम मुहर लगा दी है।

पैसा वापसः हफ्ते भर में कमेटी बना दी जाएगी

रांची। चिटफंड कंपनियों द्वारा लोगों से ठगी किए जाने को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने राज्य सरकार से जवाब मांगा है। अदालत ने पूछा है कि मामले में कमेटी का गठन हुआ है या नहीं? अगर कमिटी का गठन हुआ है, तो अब तक क्या-क्या कदम उठाया गया है? अदालत ने सरकार से इस मामले में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई के लिए नौ मई की तिथि निर्धारित की गई है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि सरकार ऐसे लोगों की पैसा वापसी के लिए एक कमेटी का गठन कर रही है। एक सप्ताह में कमेटी गठित कर दी जाएगी। कमेटी लोगों को चिह्नित कर उनका पैसा वापस करेगी।

बदलता खूंटी — **कभी अफीम के लिए बदनाम था खूंटी**

अब होती है तरबूज की बंपर खेती

नवीन मेल संवाददाता। खूंटी

एक समय था जब तरबूज की खेती सिर्फ बिहार में ही होती थी। गांव-देहात के लोग जब रांची या अन्य किसी बड़ शहरों में जाते थे, तो तरबूज खरीद कर लाते थे, लेकिन अब खूंटी जिला तरबूज उत्पदान का हब बनता जा रहा है। खूंटी जिला अफीम और गांजा की खेती के लिए बदनाम था, आज वहीं खेतों में तरबूज और खीरा की फसलें लहलहा रही हैं। कुछ साल तक अफीम की खेती कर पैसै कमाने वाले मुरहू प्रखंड के एक किसान बताते हैं कि अफीम की खेती में जितनी कमाई होती है, उतनी कमाई तरबूज और खीरा की खेती से ही हो जाती है। उन्होंने कहा कि अफीम से समाज पर बहूत खराब पड़ता है और पुलिस का लफड़ा अलग रहता है। इसलिए

उसने अफीम की खेती छोड़कर तरबूज की खेती पर हाथ आजमाया है। उन्होंने कहा कि तरबूज के साथ ही वह अपने खेत में परवल की भी खेती कर रहा है। तोरपा प्रखंड के सुदारी गांव में तरबूज की खेती करने वाले हीरालाल साहू बताते हैं कि इस वर्ष खूंटी जिले के तोरपा, खूंटी, कर्रा, रनिया, मुरहू और अड़की प्रखंड में लगभग साढ़े चार हजार एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में तरबूज की खेती की गई है। कर्रा प्रखंड के युवा किसान गणेश महतो बताते हैं कि एक किसान तरबूज की खेती से तीन महीने में औसतन दो लाख रुपये की कमाई कर लेता है। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण के दौरान तरबूज उत्पादक किसानों को बाजार नहीं मिलने के कारण काफी नुकसान हुआ है, लेकिन इस बार खेती भी बंपर हुई है और बाजार भी अच्छा मिला है। मौसम ने भी इस बार तरबूज उत्पादक किसानों का अच्छा साथ दिया है। कर्रा प्रखंड के बिकुवादाग गांव के युवा किसान साकेत कुमार शर्मा बताते हैं कि खूंटी जिले के तरबूज बड़े-बड़े वाहनों से रांची, खूंटी, कोलकाता, राउरकेला, संबलपुर से लेकर नेपाल तक भेजे जाते हैं।

व्यापारी किसानों के खेत में ही आकर तरबूज की खरीदारी कर रहे हैं। इस बार तरबूज की मांग काफी अच्छी है और कीमत भी अच्छी मिल रही है। किसानों को खेत से ही गोल तरबूज की कीमत सात रुपये प्रति किलो और लंबा किरण प्रजाति के तरबूज की कीमत नौ से दस रुपये प्रति किलो मिल रही है। नई किस्म के इंग्लिश खीरा और परवल की खेती आधुनिक मचान तरीके से ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

सीएम 20 को एक्शन प्लान तैयार करने की समीक्षा करेंगे

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 20 अप्रैल को इस वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए एक्शन प्लान तैयार करने के लिए अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। सीएम इसी दिन बीते वित्तीय वर्ष 2022-23 के 31 मार्च तक बजटीय प्रावधान के अनुरूप कितनी राशि व्यय की गयी, इसकी भी जानकारी लेंगे सीएम की समीक्षा को देखते हुए मंत्रिमंडल, सचिवालय एवं निगरानी विभाग ने सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव को निर्देश देते हुए इस वित्तीय वर्ष में संबंधित विभागों के पास उपलब्ध कार्ययोजना की पूरी जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। सीएम प्रोजेक्ट भवन में दिन के 3 बजे से समीक्षा बैठक करेंगे, जिसमें सभी विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। इधर, योजना एवं विकास विभाग ने भी सभी विभागों से पीपीटी मांगा ताकि इसे सीएम के समक्ष रखा जाये।

आज झारखंड बंद

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड सरकार की नियोजन नीति के विरोध में छात्रों का विरोध जारी है। झारखंड स्टेट स्टूडेंट यूनियन की तरफ से बुधवार को झारखंड बंद बुलाया गया है। झारखंड बंद को देखते हुए पूरे राज्य में सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। बंद को देखते हुए पुलिस मुख्यालय ने सभी जिले में अलर्ट जारी किया है। बंद को लेकर रांची, बोकारो और धनबाद में विशेष सतर्कता बरतने की हिदायत जिले के एसपी को दी गई है। बंद समर्थकों से निपटने के लिए 5000 से अधिक जवानों की अतिरिक्त तैनाती की गई। इस बीच झारखंड स्टेट स्टूडेंट यूनियन की तरफ से 72 घंटे के आंदोलन के दूसरे दिन छात्रों ने मशाल जुलूस निकाला। इस दौरान सभी छात्र जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक गए और झारखंड बंद का आह्वान किया। छात्रों ने कहा कि नियोजन नीति का विरोध तबतक नहीं थमेगा, जबतक हमारी मांग पूरी नहीं की जाती है।

गौरतलब है कि सरकार की नियोजन नीति 60-40 के विरोध में छात्र संगठनों का 72 घंटे का आंदोलन सोमवार से ही शुरू हो गया है। सोमवार को बड़ी संख्या में छात्र व छात्राएं सीएम आवास घेरने पहुंचे थे।

ईडी के खुलासे के बाद रांची पुलिस करेगी केस का पुनः अनुसंधान

ईडी ने रांची पुलिस को भेजा पत्र जांच के तथ्यों से कराया अवगत

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची के चेशायर होम स्थित एक एकड़ जमीन को फर्जी कागजातों के जरिए हड़पने के मामले में रांची पुलिस केस का अनुसंधान करेगी। ईडी ने इस मामले में फजीर्वाड़े के साक्ष्य पाए थे, हालांकि छापेमारी के पहले ही पुलिस केस को दीवानी मामला बता अनुसंधान बंद कर चुकी थी। लेकिन ईडी की जांच में आए तथ्यों के बाद इससे जुड़ा पत्र रांची पुलिस को भेजा गया है। जिसमें फजीर्वाड़े के पुनः अनुसंधान के लिए रांची पुलिस को लिखा गया है, ऐसे में ईडी जांच में आए नए तथ्यों के आधार पर रांची पुलिस इस केस को फिर से जांचेगी। गौरतलब है कि रांची के चेशायर होम रोड स्थित एक एकड़ जमीन की डील में फर्जी तरीके से पेपर तैयार करने और इसी कागजात के आधार पर रजिस्ट्री करने की पोल ईडी ने खोली। इसी मामले में रांची के सदन थाना में दर्ज केस 399/22 को पुलिस ने बंद कर दिया। पुलिस के द्वारा केस में क्लोजर रिपोर्ट फाइल किए जाने के बाद न्यायालय ने इस मामले में शिकायतकर्ता उमेश गोप को नोटिस किया था। उमेश गोप को 27 अप्रैल को कोर्ट के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने को कहा गया है।

सीओ की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने माना था टाइटल सूट का मामला : सदन थाने में केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने बड़गाईं अंचल के सीओ से जमीन के बारे में रिपोर्ट मांगी थी। सीओ से रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस ने इस मामले को जमीन विवाद का टाइटल सूट का मामला मानते हुए केस को बंद कर क्लोजर रिपोर्ट दे दिया था। हालांकि पुलिस जमीन हड़पने की जालसाजी के पहलूओं पर जांच नहीं कर पायी थी, जबकि ईडी ने इन्हीं कागजातों की फोरेंसिक जांच कराकर फजीर्वाड़े को उजागर किया।

क्या है मामला : सदर थाने में उमेश गोप के बयान पर नवंबर 2022 में केस दर्ज किया गया था। रांची एसीजीएम की कोर्ट में दाखिल कम्प्लेन केस में आए आदेश पर आईपीसी की धारा 406, 420, 467, 468, 447, 504 , 506, 341 और 323 के साथ 34 के तहत विष्णु अग्रवाल, पुनीत भार्गव, भरत प्रसाद, राजेश राय, लखन सिंह और इम्तियाज अहमद के ऊपर एफआईआर हुई थी। चेशायर होम रोड स्थित डील के बाद इस जमीन के तीन दावेदार सामने आ चुके थे। पहले दावेदार उमेश गोप ने सदर थाने में केस कराया था, खतियान में भी उमेश गोप के पूर्वजों का नाम है। जमीन का दूसरा दावेदार कोलकाता का लखन सिंह हैं, लखन से जुड़े रिकार्ड कोलकाता में हैं। लखन सिंह के नाम पर भी जमीन की रजिस्ट्री हैं। वहीं तीसरा दावेदार राजेश राय है, राजेश राय ने यह जमीन पुनीत भार्गव को बेचा था, जिसके बाद पुनीत ने जमीन की रजिस्ट्री रांची के एक बड़े उद्यमी विष्णु अग्रवाल को कर दी। ईडी ने कोर्ट में सौंपे जांच रिपोर्ट में भी इस बात की जानकारी दी है कि फर्जी कागजातों पर एक एकड़ जमीन की रजिस्ट्री करा ली गई थी।

गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव के भाई सहित 13 पर आज होंगे आरोप तय

रांची। गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव के भाई सहित 13 आरोपितों पर एटीएस के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट ने आरोप गठन के लिए 19 अप्रैल निर्धारित की है। इनमें राजस्थान के बीकानेर निवासी हवाला कारोबारी सुनील कुमार शर्मा, उसका भाई अनिल कुमार शर्मा, बीकानेर का ही अनिल शर्मा, आनंद पारीख, रांची के बर्द्धमान कंपाउंड निवासी सिद्धार्थ साहू, अमन श्रीवास्तव का भाई अभिक श्रीवास्तव, उसका बहनोई चंद्रप्रकाश राणू, चतरा निवासी विनोद कुमार पांडेय, खलारी निवासी जहीर अंसारी, असलम अंसारी, फिरोज खान, अरवल निवासी संदीप प्रसाद और बेगूसराय निवासी कुमार शिवेंद्र उर्फ शिव शर्मा का नाम शामिल है। मामले में अमन श्रीवास्तव के भाई अभिक श्रीवास्तव ने कोर्ट में डिस्चार्ज याचिका दाखिल किया था। उस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने 13 अप्रैल को आदेश सुरक्षित रखते हुए फैसला की तिथि 18 अप्रैल को तय की थी।

राष्ट्रीय जनता दल के झारखंड प्रभारी व पूर्व मंत्री आज रांची में

नवीन मेल संवाददाता, रांची

झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के महासचिव सह प्रवक्ता डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि झारखंड प्रभारी सह पूर्व केंद्रीय मंत्री जयप्रकाश नारायण यादव बुधवार को रांची पहुंचेंगे। सभी सम्मानित नेताओं , कार्यकर्ताओं से आग्रह है कि ससमय दोपहर 12 बजे एयर पोर्ट पहुंचकर प्रभारी जी को स्वागत करें। प्रवक्ता डॉ मनोज ने बताया कि 20/4/2023 को पलामू लोकसभा के विश्रामपुर जायेंगे और पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार विश्रामपुर में भारत रत्न, संविधान निमार्ता और महान विचारक बाबा साहेब डा भीमराव अंबेडकर जी के आदमकद प्रतिमा का अनावरण करेंगे, इसके उपरांत मुख्य अतिथि के रूप में एक सभा को संबोधित करेंगे। प्रभारी के साथ प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव, प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव, पूर्व मंत्री सुरेश पासवान, पूर्व सांसद घुरन राम,युवा राजद के अध्यक्ष रंजन कुमार, मुख्य प्रवक्ता सह महासचिव डॉ. मनोज कुमार सहित प्रदेश एवं जिला स्तर के कई अन्य नेता एवं कार्यकर्ता कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

खलिहान में रखे पुआल में लगी आग

सिल्ली। मुरी ओपी क्षेत्र अंतर्गत कांटाडीह गांव निवासी दशरथ महतो के खलिहान मे रखे पुआल मे मंगलवार की शाम अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटे काफी भयानक रुप ले लिया। आनन फानन में ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना हिंडालको दमकल विभाग को दिया गया। सूचना मिलते ही दमकल गाड़ी घटनास्थल पर पहुंचकर आग को बुझाने का प्रयास किया ।काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। पुआल के मालिक से पुछने पर बताया की काफी नुकसान हुआ है।

हाई कोर्ट में जलाशयों और तालाबों पर अतिक्रमण मामले की हुई सुनवाई

रांची। झारखंड हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार मिश्र और जस्टिस आनंद सेन की खंडपीठ में मंगलवार को रांची के विभिन्न जलाशयों और तालाबों के अतिक्रमण से संबंधित मामले की सुनवाई हुई। सभी पक्षों को सुनने और राज्य सरकार के जवाब के बाद कोर्ट ने यह याचिका निष्पादित कर दी है। साथ ही कोर्ट ने याचिकाकर्ता को यह छूट दी है कि अगर निगम और सरकार हाई कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं करती है तो दोबारा अवमानना याचिका दाखिल कर सकती है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि नदियों और तालाबों के आसपास से अतिक्रमण हटाया गया है और तालाब प्रदूषित न हो इसके लिए भी कई कदम उठाए गए हैं। रांची के बड़ा तालाब और जिला के आसपास के जलस्रोतों को संरक्षित करने और इसमें हो रहे अतिक्रमण को हटाने की मांग को लेकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है।

रेल चालक एवं ट्रेन मैनेजर दूषित पानी पीने को विवश

नवीन मेल संवाददाता। मुरी

भारत सरकार की स्वच्छता अभियान खोखला साबित हो रही है एक तरफ सरकार स्वच्छ भारत अभियान के तहत काफी राशि को खर्च कर रही है वही बिचौलिए लोग राशि को दुरुपयोग कर स्वच्छ भारत अभियान को खोखला साबित करने में लगे हुए हैं। सरकार द्वारा जितने भी दावा की जाए परंतु सारा प्रयास बेकार साबित हो रहा है। इसी क्रम में मुरी जंक्शन पर स्थित आर आर आई बिल्डिंग में स्थित संयुक्त क्रु प्रतिक्षालय कक्ष में रेलवे प्रशासन द्वारा एक्वागार्ड का फिल्टर लगाया गया है ताकि ड्यूटी के दौरान आने

वाले रेल चालक तथा ट्रेन मैनेजर को पीने के लिए स्वच्छ पानी प्राप्त हो सके। परंतु उन्हें स्वच्छ पानी नसीब नहीं हो रहा है मजबूरन वे लोग पैसे देकर बाजार से पानी खरीद कर पी रहे हैं। वही आर ओ की सफाई चार्ट में बिना सफाई किए खानापूर्ति कर दिया जाता है। रेल चालक तथा ट्रेन मैनेजरों ने बताया कि हमें कभी भी स्वच्छ पानी नहीं मिलता है यहां पर लगा एक्वागार्ड फिल्टर मशीन केवल दिखावा के लिए है। भीषण गर्मी होने के बावजूद यहां पर लगा एयर कंडीशन भी सही रूप से कार्य नहीं कर रहा है परंतु हम लोगों का दुख सुनने वाला कोई नहीं है। इस संबंध में मुख्य क्रू नियंत्रक आर सी प्रसाद से पूछने पर उन्होंने कुछ भी बताने से इंकार कर दिया। ज्ञात हो कि मुरी जंक्शन रांची मंडल का एक बहुत ही महत्वपूर्ण जंक्शन है जहां टाटानगर आदित्यपुर बरकाकाना पतरातु, सिनी, हटिया, रांची और चक्रधरपुर से रेल चालक तथा ट्रेन मैनेजर ड्यूटी के दौरान यहां पर आते हैं।

लठेया टोली में पीसीसी सड़क निर्माण का हुआ भूमि पूजन

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के नेहालु पंचायत अंतर्गत लठेया टोली में मंगलवार को पी.सी.सी. सड़क निर्माण का गांव के मुखिया और पहान ने भूमि-पुजन किया गया। जहां मुखिया विरेन्द्र भगत ने कहा कि उक्त स्थल पर ग्रामीणों द्वारा काफी दिनों से सड़क निर्माण की मांग की जा रही थी। सड़क खराब होने के कारण लोगों को आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। बीमार लोगों को इलाज के लिए ले जाने हेतु गांव तक गाड़ी नहीं पहुंच पाने के कारण मरीज को आधा किलोमीटर ढोकर लाया जाता था। इस पथ के बन जाने से लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। इस कार्य से सभी ग्रामीण उत्साहित हैं। इस अवसर पर उपमुखिया जीतीया उरांव, वार्ड सदस्य मंजूषा तिर्की, बबलू लोहरा, सनि उरांव, पारसनाथ तिर्की, बिरसा उरांव, बिजला महली, विनोद उरांव, गौतम उरांव, मंगरा उरांव समेत कई ग्रामीण उपस्थित थे।

खूंटी के सभी प्रखंडों में करोड़ों की लागत से बनेंगे पार्क

नवीन मेल संवाददाता। खूंटी

लोगों के बेहतर स्वास्थ्य और मनोरंजन के लिए खूंटी जिले के सभी छह प्रखंडों खूंटी, तोरपा, कर्रा, रनिया, मुरहू और अड़की में दो-दो एकड़ में पार्क बनाए जाएंगे। एक पार्क बनाने में ढाई लाख रुपये की लागत आएगी। इस संबंध में उपायुक्त शशि रंजन ने बताया कि सभी प्रखंडों में पार्क बनाने की प्रशासनिक स्वीकृति दे दी गई है। बहुत जल्द इसके लिए निविदा प्रकाशित की जाएगी। सभी पार्क में जिम, ओपर बैडमिंटन कोट, पुस्तकालय और सामुदायिक केंद्र बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पार्क बनाने के लिए सभी प्रखंडों में जमीन चिह्नित कर ली गई है। ईश्वर ने खूंटी जिले को प्राकृतिक सुंदरता से खूब सजाया है। यहां पेरवांघाघ, रांनी फॉल, रिमिक्स फॉल, पंचघाघ, पाड़ी पुड़िंग, उलूंग सहित कई खूबसूरत पर्यटन स्थल हैं, जहां सालों भर सैलानियों की भीड़ उमड़ती रहती है। इसके अलावा लतरातू, लटरजंग डैम सहित कई मानव निर्मित पर्यटन स्थल हैं, जो सैलानियों को हमेशा अपनी ओर आकर्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि खूंटी जिले में पर्यटन विकास की असीम संभावनाएं हैं और जिला प्रशासन इन सभी पर्यटन स्थलों के विकास के लिए लगातार काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यटन के विकास से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा और जिले को राजस्व भी मिलेगा। डीसी ने कहा कि फिलहाल खूंटी के पर्यटन स्थलों पर ठहरने की सुविधाओं की कमी है, जिसे दूर करने के लिए जिला प्रशासन काम कर रहा है। खूंटी के तमाड़ रोड स्थित पुराने बस स्टैंड में पर्यटकों की सुविधा के लिए होटल का निर्माण कराया जाएगा।

सांसद संजय सेठ ने शुरू किया पक्षियों को पानी अभियान

अरगोड़ा चौक पर मिट्टी के बर्तन बांटकर लोगों को किया जागरूक

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भीषण गर्मी को देखते हुए रांची के सांसद श्री संजय सेठ ने आज 'पक्षियों को पानी' अभियान की शुरूआत की। आज पहले दिन सांसद ने अरगोड़ा चौक पर स्थानीय फल सब्जी विक्रेताओं, टेंपो चालकों व अन्य राहगीरों के बीच मिट्टी के बर्तनों का वितरण किया। श्री सेठ ने सबसे आग्रह किया कि अपने घरों व दुकानों में पक्षियों के लिए पानी भरकर रखें।

गर्मी में इन पक्षियों का ख्याल रखना भी हमारा ही कर्तव्य है। सांसद श्री सेठ ने कहा कि आज से आरंभ हुआ यह अभियान पूरे रांची लोकसभा क्षेत्र में चलाया जायेगा। उन्होंने कार्यकताओं व नागरिकों से अनुरोध किया कि इस अभियान में अधिक से अधिक लोग आगे आएं। पक्षियों की घटती संख्या हमारे लिए चिंता का विषय है और इसपर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। बढ़ती भीषण गर्मी को देखते हुए, हम पक्षियों को पानी उपलब्ध कराएं, यह सबसे आवश्यक है। उन्होंने आग्रह कि हर व्यक्ति अपने घरों और प्रतिष्ठानों के छत पर, अन्य स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी अवश्य रखें। सांसद ने कहा कि इस अभियान में कार्यकर्ताओं के साथ साथ नागरिकों को भरपूर सहयोग मिलेगा। उन्होंने युवाओं और विद्यार्थियों से आगे आने की अपील की। आज के अभियान के दौरान प्रमुख रूप से मुनेश्वर साहू, सुनील साहू, सूरज साहू सहित कई अन्य कार्यकर्ता व नागरिक मौजूद रहे।

रातू हुरहुरी पंचायत भवन में दावते इफ्तार का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। रातू

प्रखंड के हुरहुरी पंचायत भवन में मंगलवार को पाक महीना रमजान के मौके पर दावते इफ्तार का आयोजन किया गया। हुरहुरी मुखिया कमल खलखो व पंचायत समिति सदस्य संजू देवी की ओर से आयोजित इफ्तार में बड़ी संख्या में रोजेदारों के साथ अन्य धर्म के लोगो ने भी हिस्सा लिया। दावते इफ्तार में रातू थाना प्रभारी सपन कुमार महता भी शामिल हुये। उन्होंने कहा कि ऐसे सामाजिक कार्यक्रम हिन्दू मुस्लिम एकता औ? भाईचारे की मिसाल होते है। सामूहिक इफ्तार से हिन्दू मुस्लिम एकता व आपसी प्रेम बढ़ता है। इफ्तार के बाद नमाज अदा कर देश की अमन चैन के लिए दुआ मांगी गई। कार्यक्रम में मुखिया कमल खलखो, रजब अली, गणेश महतो,मियांजान अंसारी, महेश महतो, इमरान खान, बिनोद उरांव, जाबिर अंसारी, सिद्दीक अंसारी, सहदुल अंसारी, हाजी मंसूर आलम, अख्तर अंसारी, अफताब आलम के अलावा सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

बालक-बालिका चयन ट्रायल 22 व 23 को एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में

नवीन मेल संवाददाता। रांची

हॉकी झारखण्ड सब जूनियर बालक एवं बालिका स्टेट चैंपियनशिप 2023 के लिए हॉकी रांची के लिए सब जूनियर बालक एवं बालिका टीम तैयार करना है। इसके लिए टूर्नामेंट सह चयन ट्रायल 22 अप्रैल 2023 सुबह 08 बजे से बालिकाओं एवं 23 अप्रैल 2023 को सुबह 08 बजे से बरियातू एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम रांची में होना तय है इस टूर्नामेंट सह चयन ट्रायल में वही खिलाड़ी भाग ले सकते है जिनकी जन्म तिथि 01/01/2007 है। खिलाडियों को आधार कार्ड लाना अतिआवश्यकता है। इसके अलावा, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि आने-जाने, रहने और खाने आदि के खर्च की व्यवस्था टीम द्वारा ही की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक टीम (सचिव, हॉकी रांची) फोन नंबर 8709090813 या 9835975173 पर संपर्क कर सकते हैं।

बैठक बीआईटी मेसरा व केंद्रीय विवि की समस्याओं को लेकर बैठक

डीसी ने शीघ्र कार्य करने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता। रांची

उपायुक्त रांची, राहुल कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को आई.आई.एम. रांची, बी.आई.टी. मेसरा रांची एवं केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड में आ रही कठिनाइयों से संबंधित मामलों पर समाधान के संबंध में विचार-विमर्श के लिए महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर समाहर्ता रांची, राजेश बरवार, उप समाहर्ता (सदर) भूमि सुधार रांची, राजीव कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) रांची, दीपक कुमार दुबे, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी रांची, अंजना दास, जिला कौशल विकास पदाधिकारी रांची, डीपीएम रांची, अंचल अधिकारी कांके, नगड़ी, निबंधक बी.आई.टी. मेसरा रांची, निबंधक आई.आई.एम. रांची, निबंधक

केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड, एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी मौजूद थे। उपायुक्त रांची ने आई.आई.एम. रांची में जिस पुराने रास्ते जिस पर सहमति बनी थी उस पर ही कार्य करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने पूर्व में जिन बिंदुओं पर सहमति बनी थी, उसके अनुसार कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रैक्टिकल सॉल्यूशन निकालने का निर्देश दिया। उपायुक्त रांची, राहुल कुमार सिन्हा ने बी.आई.टी. मेसरा रांची, में आ रही कठिनाइयों से संबंधित मामलों पर समाधान के संबंध में निम्न निर्देश दिये। उपायुक्त ने बी.आई.टी. मेसरा राँची के मामले में उप समाहर्त्ता (सदर) भूमि सुधार को दोहरा जमाबंदी रद्द कराने का निर्देश दिया। उन्होंने गैर विवादित जमीन पर चहारदीवारी निर्माण कराने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया। उपायुक्त ने अंचल अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि गैर विवादित/विवादित जमीन चिन्हित करें। उपायुक्त राँची, राहुल कुमार सिन्हा ने केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड में आ रही कठिनाइयों से संबंधित मामलों पर समाधान के संबंध में निम्न निर्देश दिए। उपायुक्त ने केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड के 15 एकड़ भूमि की प्राक्कलित राशि की मांग जो विभाग से की गई है, उसके उपलब्ध होते ही मुआवजा का भुगतान रैयतों को कराने के लिए जिला भू-अर्जन पदाधिकारी को निर्देश दिया। उपायुक्त ने केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड के 15 एकड़ भूमि पर स्ट्रक्चर मूल्यांकन कराने के लिए भवन निर्माण, भू-अर्जन विभाग और केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड के साथ बैठक कर उसकी प्राक्कलित राशि का मूल्यांकन कर विभाग को अवगत कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड के अतरिक्त 70.71 एकड़ गैर मजूरुआ भूमि का दाखिल खारिज कार्य पूर्ण कर लिया गया। जिसमें शेष 10 एकड़ भूमि पर 4(एच) की कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड के पहुँच पथ हेतु 6.82 एकड़ भूमि अधिग्रहण करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, एन०आर०ई०पी०– ।।, राँची

निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 03/2023–24

1. विज्ञापन दाता का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, एन0आर0ई0पी0– ।।,राँची।
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि :– दिनांक 02.05.2023 से 10.05.2023 को अपराह्न 03:00 बजे तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि, समय एवं स्थान :– दिनांक 11.05.2023 के अपराह्न 03:00 बजे तक, जिला नियंत्रण कक्ष, राँची।
4. निविदा खोलने की तिथि, समय एवं स्थान :– दिनांक 11.05.2023, 03:30 बजे अपराह्न में, जिला नियंत्रण कक्ष, राँची।
5. परिमाण विपत्र की ब्रिकी का स्थान :– (1) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय एन0आर0ई0पी0– ।।,राँची। (2) परियोजना निदेशक, समेकित जनजाति विकास अभिकरण, राँची।
6. निविदा का मद :– अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग।
7. कार्य की विस्तृत विवरणी निम्नवत् है :–

क0	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू में)	परिमाण विपत्र का मुल्य(रू में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	ग्राम देवता से चुन्दा उराँव के घर तक (लंबाई 1000 फीट) पी0सी0सी0 पथ का निर्माण।	17,15,000.00	34,300.00	5,000	3 Months
2	वर चौक से लेकर रामदेव महतो के घर तक (लंबाई 1500 फीट) पी0सी0सी0 पथ का निर्माण।	22,29,500.00	44,600.00	5,000	3 Months
3	पुराना बाजार टांड से फुल टोंगरी तक (लंबाई 1000 फीट) पी0सी0सी0 पथ का निर्माण।	17,15,000.00	34,300.00	5,000	3 Months
4	बड़ा अखड़ा से रामदेनी भगत के घर तक (लंबाई 1000 फीट) पी0सी0सी0 पथ का निर्माण।	17,15,000.00	34,300.00	5,000	3 Months
5	ग्राम सिलागाई में शमशान शेड का निर्माण।	6,03,500.00	12,100.00	1,250	3 Months
6	ग्राम सिलागाई के गुडगुड टोली में शमशान घाट शेड का निर्माण।	6,03,500.00	12,100.00	1,250	3 Months
7	ग्राम सिलागाई के उपर टोली में शमशान घाट शेड का निर्माण।	6,03,500.00	12,100.00	1,250	3 Months
8	ग्राम सिलागाई के उपर टोली कटहल मोड के नजदीक यात्री शेड का निर्माण।	6,03,500.00	12,100.00	1,250	3 Months
9	ग्राम सिलागाई में स्कूल मोड़ के नजदीक यात्री शेड का निर्माण।	6,03,500.00	12,100.00	1,250	3 Months
10	स्मारक स्थल में एक शिलापट्ट का निर्माण किया जाए, जिसमें शहीद का जीवन वृतांत रहेगा।	1,62,000.00	3,300.00	500	3 Months
11	चान्हों प्रखंड के सिलागाई पाँच पड़हा में धुमकुड़िया भवन चाहरदिवारी का घेराबन्दी (1200 फीट)	35,96,700.00	72,000.00	5,000	3 Months

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट **Jharkhandtenders.gov.in** एवं कार्यालय की सूचना पटट् पर देखा जा सकता हे।

कार्यपालक अभियंता,
एन0आर0ई0पी0– ।।, राँची।

PR.NO.295396 NREP(23-24):D

वनवासी कल्याण केंद्र रांची ने खूंटी के कर्रा में लगाया हेल्थ चेकअप कैंप

250 से ज्यादा मरीजों को दी गई दवाएं

नवीन मेल संवाददाता। रांची
वनवासी कल्याण केंद्र रांची महानगर समिति ने खूंटी के कर्रा प्रखंड के राजकीय प्राथमिक विद्यालय मानपुर में 2924 वां हेल्थ चेकअप कैंप लगाया। इस कैंप में 7 डॉक्टरों की टीम ने गांव के करीब 250 मरीजों की जांच की और उन्हें मुफ्त में दवा भी उपलब्ध कराया। कैंप में 30 मरीजों के शुगर की भी जांच की गई, जिसमें 20 लोगों में शुगर पाया गया। उन्हें दवा भी दी गई। महानगर समिति के अध्यक्ष सज्जन सर्राफ ने कहा कि वनवासी कल्याण केंद्र द्वारा जनजाति समाज के लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पिछले 25 वर्षों से निरंतर प्रत्येक माह सुदूर गांवों में जांच शिविर लगाया जा रहा है। ताकि जनजाति समुदाय के लोग स्वस्थ रह सकें। इन डॉक्टरों ने की मरीजों की जांच हेल्थ चेकअप कैंप में रांची से गए 7 डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की। जिसमें डॉ। ज्योत्सना सिन्हा, डॉ। अर्पणा शरण, डॉ। पुष्पाल प्रसून, डॉ। निखिल रंजन, डॉ। शिवशंकर लाल, डॉ। चन्द्रशेखर वैश्य, डॉ। ओमप्रकाश अग्रवाल शामिल हैं। इससे पहले शिविर का उद्घाटन भगवान राम, बिरसा मुंडा एवं भारत माता की चित्र पर पुष्प अर्पण एवं दीप जलाकर किया गया। इस शिविर में स्वास्थ्य सेवा के अलावा 50 साड़ी तथा 10 धोती गांव के वृद्ध महिला-पुरुषों के बीच बांटा गया। इस शिविर के लिए आर्थिक सहयोग स्व। राधेश्यामजी गुप्ता के पुण्य स्मृति में उनके पुत्र संजय गुप्ता एवं श्रेया गुप्ता (कोलकाता) ने दिया। इस शिविर में रांची महानगर समिति के अध्यक्ष सज्जन सर्राफ, ओम प्रकाश अग्रवाल, निरंजन सर्राफ, बेनी प्रसाद अग्रवाल, किशोरी लाल चौधरी, रमेश अग्रवाल, कैलाश चंद्र अग्रवाल, सुरेश कुमार चौधरी जयंत झा, पुरुषोत्तम लोहिया, ललित निमानी, ओम प्रकाश विदसार, नवीन लाल, डॉ। हरिहरन, ओपी प्रणव, विजय केशरी, योगेश मिश्रा, घनश्याम शर्मा, रामचंद्र शर्मा, गौरा देवी, प्रदीप साहु, टेम्बा उरांव, संगीता दत्ता, किरण बांडो, संजय कुमार, देवकी मुंडा तथा स्थानीय कार्यकर्ता में मधु तिर्की, जनेश्वरी उरांव, बिरसा उरांव, करमा उरांव, भीमसेन तिर्की, कृष्णा महतो का विशेष योगदान रहा।

बिजली की आंखमिचौली से लोग परेशान, नींद उड़ी

नवीन मेल संवाददाता। रांची
इस भीषण गर्मी में रांची की एक लाख से अधिक आबादी बिना बिजली के 18 घंटे बिलबिलाती रही। हालात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि लोड शेडिंग के तहत बिजली देने का दावा करने के बावजूद 18 घंटे में 18 मिनट भी बिजली नहीं रही। पावर कट से न केवल बिजली संकट उत्पन्न हो गया है, बल्कि पानी की समस्या से भी लोगों को जूझना पड़ रहा है। न्यू कैपिटल डिविजन के इंजीनियर दिन से ही बिजली सामान्य होने का दावा करते रहे। मगर सामान्य नहीं हो पायी। देर शाम बिजली सामान्य होने का दावा किया जा रहा है। राजभवन सबस्टेशन अंतगर्त रातू रोड फीडर, आर्यपुरी, इंद्रपुरी, रेडियो स्टेशन इलाका, मेट्रो गली, न्यू मधुकम फीडर, सर्किट हाउस फीडर, पहाड़ी फीडर पूरी तरह से प्रभावित रही है। इससे आपूर्ति होने वाले क्षेत्र रातू रोड, कांके रोड, गांधी नगर, पहाड़ी मंदिर एरिया, सर्किट हाउस एरिया, मधुकम, न्यू मधुकम, जयप्रकाश नगर, कुम्हार टोली, केशव नगर, गोपाल मंदिर रोड, खादगढ़ा व आसपास के इलाके में 18 घंटे से बिजली नहीं है। बीती रात 12 बजे के करीब कांके-राजभवन 33 केवी लाइन अंडरग्राउंड लाइन ब्रेक डाउन हो गया। इसे रात में ठीक नहीं किया जा सका। सुबह होने के बाद पेट्रोलिंग शुरू हुई। इसके बाद फॉल्ट की जगह को चिन्हित किया जा सका। फिर मरम्मत का काम शुरू हुआ, जो मंगलवार तक जारी थी। इसके अतिरिक्त मंगलवार को शहर के अन्य क्षेत्र हरमू, अशोक नगर, कडरू, पुन्दाग, पिस्का मोड़, केतारी बगान, मेन रोड, कोकर, बहू बाजार सहित कई क्षेत्रों में बिजली का आना-जाना जारी रहा।

डीएसपीएमयू में हेल्थ अवेयरनेस पर सेमिनार, शामिल हुए मंत्री बन्ना गुप्ता

महिलाओं के मासिक धर्म को लेकर अवेयरनेस की जरूरत

नवीन मेल संवाददाता। रांची
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) में मंगलवार को हेल्थ अवेयरनेस पर सेमिनार हुआ। डीएसपीएमयू, एनएसएस और एमएसएफ रांची की ओर से आयोजित सेमिनार में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता और खिजरी विधायक राजेश कच्छप भी शामिल हुए। सेमिनार में मुक्ति मिशन की रश्मि शाहा ने महिलाओं के मासिक धर्म के बारे में बताया। कहा कि हमारा समाज मासिक धर्म के बारे में प्रचार प्रसार नहीं कर रहा है। मासिक धर्म से महिलाओं में होने वाली परेशानियों के बारे में खुल कर अवेयरनेस की जरूरत है। इसे लेकर कई प्रकार की अफवाह भी फैलायी गई है। इन अफवाहों की सच्चाई को समझना होगा। जब मैंने महिलाओं में मासिक धर्म के बारे में प्रचार करने का काम शुरू किया था, तब मेरे साथ केवल 20 महिलाएं थीं। आज हमारे साथ बहुत सारे लोग हैं। स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि आज का विषय बहुत ही गंभीर है। इस बात को हमें समझने की जरूरत है। आज यहां बैठे जितने लोग हैं, चाहे आप हो या मैं हूं, मासिक धर्म के करण ही इस दुनिया में आए हैं। जब हमारी माताओं- बहनों का मासिक धर्म रुक जाता है, तब हमारा जन्म होता है। हम पुरुष प्रधान लोगों का बाहर कोई जोर नहीं चलता। पर जब हम घर में जाते हैं तो घर की महिलाओं से ऊंची आवाज में बात करते हैं। वहीं जब घर के पास जब कोई पुलिस वाला आ जाता है, तो घर की महिलाएं ही उसके सामने डट कर खड़ी होती है। एक महत्वपूर्ण बात है कि मासिक धर्म से ही सर्वाइकल कैंसर का लक्षण आता है, हमें इस पर ध्यान रखने की जरूरत है। कभी इस प्रकार का कोई लक्षण समझ में आए, तो तुरंत जांच करवाएं। खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि हमें अपनी बहन- बेटी से इस विषय के बारे में खुल कर बात करने की जरूरत है।

कॉलेज की छात्राओं ने मशरूम उत्पादन की ली जानकारी

रांची। रांची वीमेंस कॉलेज के बॉटनी विभाग की ओर से बीएससी सेमेस्टर-4 व सेमेस्टर-6 की छात्राओं को मंगलवार को शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाया गया। इस दौरान छात्राओं को प्लांडू स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिसर के कृषि प्रणाली के पहाड़ी एवं पठारी अनुसंधान केंद्र ले जाया गया। वहां 77 छात्राओं को केंद्र के निदेशक डॉ वीरेंद्र कुमार यादव व डॉ जयपाल सिंह चौधरी ने केंद्र के कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। नई तकनीकी पद्धति से विकसित की गई उन्नत किस्म की फसलों की जानकारी के साथ नई आधुनिक सिंचाई पद्धति व मशरूम उत्पादन विधि की बारीकियों को समझाया गया। विस्तृत क्षेत्र में फैले हुए आधुनिक तरीके से उपजाए विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों के पौधों को देखकर छात्राएं उत्साहित थीं।

रिम्स में पानी की किल्लत, मरीज खरीदकर पी रहे हैं पानी

नवीन मेल संवाददाता। रांची
झारखंड से सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में पीने के पानी की घोर कमी है। इस भीषण गर्मी में मरीजों को बाहर से पीने का पानी खरीदना पड़ता है। हालत यह है कि पांच रुपए की पर्ची पर रिम्स में मरीज को चिकित्सीय सलाह तो मिल जाता है, लेकिन उसी मरीज को प्यास बुझाने के लिए 50 से 100 रुपए खर्च करने पड़ते हैं। दरअसल, रिम्स के पुराने बिल्डिंग में मरीजों को पीने का पानी मिल सके, इसके लिए वाटर कूलर तो जरूर लगा दिया गया। लेकिन मेंटेनेंस के अभाव में वाटर कूलर शोभा बनकर रह गया है। इधर, ओल्ड इमरजेंसी (बरियातू टीओपी) के पास पांच रुपए प्रति लीटर की दर से पानी बेचा जाता है। वहीं रिम्स के पार्किंग स्थल के पास भी पांच रुपए लीटर पानी बेचा जा रहा है, जहां लोग पानी खरीदने के लिए लाइन में लगे रहते हैं। इस चिलचिलाती धूप में मरीजों को वार्ड से बाहर पानी खरीदने के लिए आना पड़ता है, तब जाकर प्यास बुझती है। यहां ओपीडी के पास तीन वाटर कूलर जरूर नजर आया, लेकिन इनमें से दो मशीनें बंद थीं। जबकि तीसरी मशीन के दो नल से पानी नहीं आता है। एक नल से बूंद-बूंद पानी निकल रहा था। 1 लीटर पानी भरने के लिए कम से कम 10 मिनट इंतजार करना पड़ता है। वहीं ओपीडी में इलाज कराने वाले मरीजों की संख्या सैकड़ों में होती है और उन्हें चिकित्सीय सलाह लेने में करीब 2 से 3 घंटे का वक्त लगता है। ऐसे में इस भीषण गर्मी में मरीजों को प्यास बुझाने के लिए बाजार से पीने का पानी खरीदने की मजबूरी हो जाती है।

संविदा के आधार पर सैप में 771 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू

नवीन मेल संवाददाता। रांची
राज्य में भूतपूर्व सैनिकों के लिए संविदा के आधार पर स्पेशल आक्जिलरी पुलिस (सैप) के लिये 771 पदों पर नियुक्ति करने की प्रतिक्रिया शुरू कर दी है। सरकार ने इन नियुक्तियों के आवेदन मांगने का विज्ञापन निकाल दिया है। सरकार ने विधि व्यवस्था और नक्सल विरोधी अभियान को गति देने के लिये विभिन्न पदों पर 771 पूर्व सैनिकों की नियुक्ति की जानी है। इनमें सात सूबेदार मेजर, आठ सूबेदार (सामान्य), 46 नायब सूबेदार (सामान्य), 17 नायब सूबेदार (तकनीकी), एक सूबेदार (वितंतु), 26 नायब सूबेदार (वितंतु), दो नायब सूबेदार (आशुलिपिक), दो लिपिक, 130 हवलदार सामान्य, सात हवलदार चालक, 492 सिपाही सामान्य, रसोइया के नौ पद और 24 सिपाही चालक शामिल हैं। दरअसल, वर्ष 2008 में पुलिस आउट पोस्ट, टीओपी में पर्याप्त सशस्त्र बल उपलब्ध कराने आदि के उद्देश्य से सेना से सेवानिवृत्त सैनिकों से अनुबंध के आधार पर स्पेशल आक्जिलरी पुलिस के दोनों बटालियन सैप एक वाहिनी टाटीसिलवे रांची और सैप दो वाहिनी हलुदबनी जमशेदपुर का गठन किया गया था। इस बटालियन में सिर्फ झारखंड राज्य के ही निवासी ही आवेदन कर सकते हैं, सैनिक उपलब्ध नहीं होने पर दूसरे राज्य के पूर्व सैनिकों की भर्ती की जायेगी। सिपाही से हवलदार के लिये 35-55 वर्ष जबकि पदाधिकारी का उम्र 58-62 वर्ष के बीच उम्र सीमा होगी। उम्मीदवार की नियुक्ति के लिये 15 और 16 मई को साक्षात्कार की तिथि निर्धारित की गई है।

रांची विश्वविद्यालय में दो सब्सिडियरी पेपर की मांग को लेकर छात्रों का हंगामा

रांची। रांची विश्वविद्यालय से सत्र 2017- 20 और 2018- 21 में स्नातक कर चुके विद्यार्थियों ने मंगलवार को दो सब्सिडियरी पेपर की मांग को लेकर विवि मुख्यालय में हंगामा किया। अलग-अलग कॉलेजों के छात्रों ने विश्वविद्यालय कैंपस में जमकर नारेबाजी की। इनका कहना था कि कुलपति उनकी समस्या का समाधान नहीं कर रहे हैं। हंगामे के बीच कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने छात्रों को समझाया। एक घंटे में परीक्षा लेने का नोटिस जारी करने का आश्वासन दिया। जिसके बाद छात्र शांत हुए। हालांकि नोटिस जारी होने के इंतजार में विद्यार्थी देर तक वहीं जमे रहे। रांची विश्वविद्यालय से सत्र 2017- 20 और 2018- 21 में ग्रेजुएशन करने वाले विद्यार्थियों को सब्सिडियरी के तौर पर एक ही पेपर दिया गया था। इन दोनों सत्रों में पास करनेवाले जिन विद्यार्थियों ने बीएड की पढ़ाई की है।

मूलवासी सदान मोर्चा ने बन्द को दिया समर्थन

छात्रों के ऊपर से मुकदमा तुरंत वापस करवाएं मुख्यमंत्री : राजेन्द्र प्रसाद

नवीन मेल संवाददाता। रांची
झारखण्ड आंदोलनकारी सह मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने कोर कमेटी सदस्यों से विचार विमर्श करने के बाद झारखंड बंद का समर्थन करने की घोषणा की। खतियान आधारित नियोजन नीति बनाने व 60-40 की नीति को रद्द करने को लेकर 19 अप्रैल को छात्रों के द्वारा झारखण्ड बंद का मूलवासी सदान मोर्चा ने नैतिक समर्थन देने की घोषणा की है। प्रसाद ने कहा कि सरकार 60-40 के नाम पर नियोजन नीति को ना उलझाए। प्रसाद ने कहा कि खतियान आधारित नियोजन नीति व स्थानीय नीति को लेकर मूलवासी सदान मोर्चा लंबे समय से आंदोलन करते रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार अपनी स्थानीय नीति और नियोजन नीति नहीं बना लेती है, तब तक झारखंड में होने वाले नियुक्ति का आधार संयुक्त बिहार में बने नियोजन नीति 3 मार्च 1982 को ही लागू करे, जो खतियान आधारित है। प्रसाद ने कहा कि संयुक्त बिहार में बने नियम कानून से झारखंड में बहुत सारे काम हो रहे हैं लेकिन दुर्भाग्य से नियोजन नीति के मामले में ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि जो झारखंड के हित में होता है वह काम झारखंड के अधिकारी करना नहीं चाहते हैं। प्रसाद ने यह भी कहा कि हमारे राजनेताओं की इच्छा शक्ति की कमी के कारण आज झारखंडी विरोधी मानसिकता के लोग हावी हो रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा हम कोई बाहरी भीतरी की बात नहीं करते हैं जो लोग अपने मूल राज्य छोड़कर सिर्फ झारखंड के होकर रह गए हैं उन्हें स्थानीय नीति का लाभ कैसे मिले इस पर सरकार को जरूर देखना चाहिए। लेकिन स्थानीय नीति का लाभ कुछ लोग अपने मूल राज्य में भी लेना चाहते हैं और झारखंड में भी लेना चाहते हैं, असली समस्या यह है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया वे नियोजन नीति को लेकर समाजिक संगठनों के साथ तुरंत बैठक करें। प्रसाद ने कहा कि झारखंड सरकार जन भावना का आदर करे। प्रसाद ने यह भी कहा कि झारखंड के झारखण्डियों के शहादत से बना है इसका मान सरकार को रखना चाहिए। प्रसाद ने यह अभी कहा कि यदि सरकार झारखण्डियों का अधिकार के साथ खिलवाड़ करती है तो आने वाले चुनाव में परिणाम घातक होंगें।

तकनीकी | बीएयू में विभागवार रिसर्च एंड बजट कमिटी की हुई बैठक

किसानों की तकनीकी विकास पर दिया जोर

नवीन मेल संवाददाता। रांची
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) अधीनस्थ कृषि, वानिकी एवं पशुचिकित्सा क्षेत्र के खरीफ अनुसंधान कार्यक्रमों का विभागवार रिसर्च एंड बजट कमिटी की बैठक मंगलवार को शुरू हुआ। बीएयू के निदेशालय अनुसंधान के निर्देश एवं मार्गदर्शन में विवि अधीन कार्यरत तीनों संकायों के विभिन्न विभागों एवं तीन क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों में इस बैठक का आयोजन होगा। इसकी शुरूआत कृषि संकाय अधीन कार्यरत मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग से हुई। बैठक की अध्यक्षता निदेशक अनुसंधान डॉ. पीके सिंह ने की। संबोधन में डॉ. पीके सिंह ने गुणवत्ता युक्त एवं स्थानीय कृषि पारिस्थितिकी तथा स्थानीय किसानों की मांग आधारित तकनीकी विकास पर जोर दिया। उन्होंने वैज्ञानिकों को जनजातीय उपपरियोजना के शोध कार्यक्रम में पारदर्शिता रखने, विस्तृत प्रतिवेदन एवं सफल कहानी को संकलित करने का निर्देश दिया। बैठक में अध्यक्ष (मृदा विज्ञान) एवं डीन एग्रीकल्चर डॉ डीके शाही ने मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग में चलाये जा रहे अनुसंधान कार्यक्रमों, उपलब्धियों एवं नये शोध कार्यक्रमों का सार प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि आगामी खरीफ, 2023 में इफको के सौजन्य से सुपर नैनो यूरिया पर शोध कार्यक्रम शुरू होगा। आगामी खरीफ मौसम के लिए विभाग गुणवत्तायुक्त जैव उर्वरकों का उत्पादन शुरू करने जा रहा है। सरकारी एवं गैर सरकारी संगठन के अग्रिम मांग पत्र के अनुरूप जैव उर्वरकों का उत्पादन किया जायेगा। ईच्छुक किसान भी विभाग से जैव उर्वरकों का क्रय कर सकते है। उन्होंने विभाग में स्वतंत्र सिंचाई जल जाँच यूनिट के स्थापना की आवश्यकता जताया। बैठक में विभाग के वैज्ञानिकों ने राज्य योजना अधीन स्थाई खाद प्रयोग (1956 से), साइल माइक्रोबायोलॉजी, मृदा एवं जल जाँच तथा जैव उर्वरक उत्पादन एवं शोध, आईसीएआर योजना के अधीन दीर्घकालीन उर्वरक प्रयोग (1971 से), एसटीसीआर एवं माइक्रो एवं सेकेंडरी न्यूट्रीएन्ट प्रयोग, एडहोक योजना अधीन नैनो डीएपी प्रयोग के परिणाम एवं योजनाधीन आगामी खरीफ, 2023 के भाव ी शोध कार्यक्रमों का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। बैठक के दौरान निदेशक अनुसंधान डॉ पीके सिंह, निदेशक (बीज एवं प्रक्षेत्र) डॉ एस कमार्कार एवं एक्सपर्ट डॉ एसबी पांडे, पूर्व प्राध्यापक (मृदा विज्ञान), आरएयू, पूसा, समस्तीपुर ने मृदा वैज्ञानिकों द्वारा प्रस्तुत शोध पर अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिये। तदनुरूप तकनीकी कार्यक्रम में सुधार कर आगामी खरीफ रिसर्च कौंसिल की बैठक में रखने का सुझाव दिया। मौके पर डॉ. बीके अग्रवाल, डॉ. पीबी साहा, डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. प्रभाकर महापात्रा, डॉ. एसबी कुमार, डॉ. आशा सिन्हा, डॉ. एनसी गुप्ता, भूपेन्द्र कुमार, अरुण पुरण एवं रिसर्च एसोसिएट/रिसर्च फेलो आदि मौजूद थे।

विश्वविद्यालयों में शोधार्थियों को नहीं मिलता स्कॉलरशिप

नवीन मेल संवाददाता। रांची
झारखंड के किसी भी विश्वविद्यालय में पीएचडी के लिए शोध करनेवाले विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप नहीं दिया जाता है। जिन शोधार्थियों का यूजीसी नेट जेआरएफ है, केवल उन्हें ही केंद्र सरकार द्वारा स्कॉलरशिप दिया जाता है।, नेट या किसी अन्य परीक्षा द्वारा पीएचडी कर रहे शोधार्थियों को स्कॉलरशिप नहीं मिलता है। रांची विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू डॉ सुदेश कुमार साहु ने बताया कि रांची विश्वविद्यालय में मौलाना अब्दुल कलाम आजाद स्कॉलरशिप केवल अल्पसंख्यकों के लिए है। इसके तहत शोधार्थियों को प्रतिमाह 35000 हजार रुपए दिये जाते हैं। वहीं नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ. दीप नारायण यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय के पास उतना फंड ही नहीं कि स्कॉलरशिप दिया जाए। पीएचडी के जानकारों का कहना है कि पड़ोसी राज्यों के बड़े विश्वविद्यालयों में पीएचडी कर रहे शोधार्थियों को स्कॉलरशिप के नाम पर कुछ न कुछ जरूर दिया जाता है।, हालांकि सभी विश्वविद्यालयों में यह सुविधा नहीं है। जबकि झारखंड के एक भी विश्वविद्यालय में पीएचडी शोध के लिए स्कॉलरशिप नहीं दिया जाता है। नेट या विश्वविद्यालय स्तर की परीक्षा क्वालिफाई करने के बाद पीएचडी में रजिस्ट्रेशन करवाने वाले शोधार्थियों को किसी प्रकार का स्कॉलरशिप नहीं मिलने के कारण शोधार्थी विश्वविद्यालय या शहर के बाहर शोध कार्य के लिए नहीं जा पाते हैं। इससे शोध का दायरा सिमट कर रह जाता है। झारखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों से पीएचडी कर रहे शोधार्थियों ने कहा कि अन्य राज्यों की तरह हमें भी स्कॉलरशिप दिया जाना चाहिए, ताकि हमें शोध कार्य में सुविधा हो। हमें विश्वविद्यालय की ओर से कोई आर्थिक सहायता नहीं मिलती है।

NEWS इन ब्रीफ

झारखंड में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 43 नए मरीज

रांची। राज्य में कोरोना धीरे-धीरे पांव पसार रहा है। पिछले 24 घंटे में 43 नए मरीज सामने आए हैं। इसके बाद संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 197 पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार कोरोना के नए मामलों में रांची और गुमला में नौ-नौ, देवघर में आठ, पश्चिमी सिंहभूम(चाईबासा) में चार, पलामू और रामगढ़ में तीन - तीन, पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर)लोहरदगा और पाकुड़ में दो -दो और हजारीबाग में एक मरीज शामिल है। जबकि राज्य में कोरोना के 28 मरीज ठीक हुए हैं। राज्य में सबसे अधिक 63 केस रांची में एक्टिव है।

विस में विशेषाधिकार समिति में चार मामलों की हुई सुनवाई

रांची। झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रवीन्द्रनाथ महतो की अध्यक्षता में मंगलवार को विशेषाधिकार समिति की बैठक हुई। इस बैठक में विशेषाधिकार हनन के मामलों पर चर्चा हुई और उस पर कार्रवाई की रिपोर्ट पदाधिकारियों से ली गई। बैठक में विधायक अमित मंडल ने बताया कि विशेषाधिकार के चार पुराने मामलों की सुनवाई हुई। इनमें विधायक बिरंची नारायण, सुदिव्य कुमार सोनू, नीरा यादव और अमित मंडल का एक-एक मामला शामिल था। उन्होंने बताया कि कुछ पदाधिकारी बैठक में नहीं पहुंचे थे। उन्हें शो-कॉज किया गया है और अगली बैठक में बुलाया गया है।

झारखंड हाई कोर्ट ने उपायुक्त के आदेश को रद्द करने का आदेश बरकरार रखा

रांची। झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र और जस्टिस आनंद सेन की डबल बेंच ने 17 नवंबर 2022 को झारखंड हाई कोर्ट की एकल पीठ के आदेश को बरकरार रखा है। 17 नवंबर 2022 को झारखंड हाईकोर्ट की एकल पीठ ने हेहल अंचल के बजरा मौजा की खाता 140 की जमीन के जमाबंदी रद्द करने का आदेश दिया था, जिसके विरुद्ध श्याम सिंह की ओर से लेटेस्ट पेटेंट अपील (एलपीए) दाखिल की गई थी। इससे पहले खुद को खाता 140 की भूमि का दावेदार बताने वाले चंदन कुमार ने वर्ष 2021 में हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। रांची के तत्कालीन डीसी छवि रंजन ने सात एकड़ जमीन का 83 साल का लगान रसीद एक ही दिन काटने का आदेश दे दिया था, जिस जमीन के संबंध में हाई कोर्ट ने आदेश पारित किया है।

पुलिस का मानवीय चेहरा देख भर आई लालमोहन की आंखें

खूंटी। पुलिस शब्द का नाम सुनते ही आम लोगों के मन में पुलिस की लगभग नकारात्मक छवि आती है, पर पुलिस की भूमिका वैसी नहीं है, जो आम लोगों की धारणा है। कभी-कभी पुलिस अपने मानवीय पहलु का परिचय दे देती है, जिसे लोग पुलिस की कार्यशैली की सराहना करते नहीं थकते कुछ ऐसा ही वाक्या मंगलवार को देखने को मिला, जब अड़की थाना की पुलिस जरंगा सोसोकुटी गांव के लालमोहन मुंडा पिता घासीराय मुंडा बैसाखी का सहारा लेते हुए अड़की थाना पहुंचे और अड़की के थाना प्रभारी इकबाल हुसैन के पास पहुंचा आया और अपना दुखड़ा सुनाया। उसने थाना प्रभारी को बताया कि दो दो वर्ष पूर्व एक दुर्घटना में उसका पैर खराब हो गया। इसके कारण वह बैसाखी का सहारा लेकर चल रहा है। गरीबी के कारण न वह अपना इलाज करा पा रहा है और न ही कहीं से उसे आर्थिक मदद मिल पा रही है। उसकी माली हालत को देखेते हुए थाना प्रभारी मो इकबाल हुसैन ने तुरंत एक हजार रुपये पॉकिट से निकाल कर उसे मदद दी। साथ ही धोती, साड़ी और लुगी भी उसे दिए गएं।

रांची में कस्टम की रेड-गांजा बरामद

नवीन मेल संवाददाता। रांची

नशे के तस्करों के खिलाफ राजधानी में पहली बार कस्टम विभाग की तरफ से भी कार्रवाई की गई है। कस्टम की तरफ से की गई कार्रवाई अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है क्योंकि इस कार्रवाई में 100 बोरा से ज्यादा गांजा बरामद किया गया है।

गुप्त सूचना पर हुई करवाई : रांची कस्टम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि उनके डिपार्टमेंट को यह सूचना मिली थी कि उड़ीसा से बिहार के मोहनिया के लिए गांजे की एक बड़ी खेप निकली है। मामले की जानकारी मिलने के बाद डिपार्टमेंट की विजिलेंस टीम सक्रिय हो गई। इसी दौरान कस्टम के द्वारा वाहन चेकिंग अभियान भी चलाया जा रहा था खासकर बड़े ट्रकों को विशेष रूप से चेक किया जा रहा था। इसी दौरान एक भूसा लदे वाहन को देखकर कस्टम के अधिकारियों को शक हुआ तो उन्होंने उसे रोककर ट्रक की तलाशी शुरू की। ट्रक की तलाशी के दौरान अधिकारी उस समय चौक गए जब भूसे के अंदर 100 बोरी से अधिक गाजा छिपाकर रखा गांजा बरामद हुआ।

ड्राइवर को हिरासत में लिया गया : कस्टम के द्वारा ट्रक के ड्राइवर को हिरासत में लिया गया है पूछताछ के दौरान ड्राइवर ने बरामद नशे के खेप को लेकर अपनी किसी भी तरह की संलिप्तता से इंकार किया है। ड्राइवर के अनुसार उसे उड़ीसा से कुछ लोगों ने मोहनिया जाने के लिए कहा था। ट्रक में भूसा है यह कहकर उन्हें बिहार जाने को कहा गया था। हालांकि कस्टम के अधिकारियों को ड्राइवर के बातों पर भरोसा नहीं है फिलहाल मामले की जानकारी पुलिस को भी दी जा रही है ताकि ड्राइवर से पूछताछ की जा सके।

अब तक को सबसे बड़ी खेप : कस्टम अधिकारियों के अनुसार हाल के दिनों में गांजे की इतनी बड़ी खेप झारखंड में नहीं पकड़ी गई थी बरामद गांजे की कीमत लाखों में है। फिलहाल कस्टम की टीम उड़ीसा में सक्रिय नशे के तस्करों को लेकर उड़ीसा पुलिस के संपर्क में है ताकि उन्हें भी गिरफ्तार किया जा सके।

दो साइबर ठगों को गिरफ्तारकर छत्तीसगढ़ ले गए पुलिस

रांची। रांची के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के धुर्वा सेक्टर वन से दो साइबर ठगों को गिरफ्तार कर छत्तीसगढ़ पुलिस की टीम अपने साथ ले गयी। पकड़े गए साइबर ठगों में पकंज कुमार और मुकेश कुमार सिंह शामिल है। दोनों साइबर ठग धुर्वा सेक्टर वन स्थित एक क्वाटर में रह रहे थे। छतीसगढ़ के अम्बीकापुर के रहने वाले अमित कुमार तिवारी से एक लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी कर ली गई थी। इस संबंध में अम्बीकापुर थाने में अमित ने मार्च महीने में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। छत्तीसगढ़ पुलिस ने जब मामले की तफ्दीश की तो साइबर ठगों का लोकेशन रांची के धुर्वा इलाके में मिला। पुलिस की टीम दो दिन पहले रांची पहुंची। जगन्नाथपुर थाने की पुलिस की सहयोग से छत्तीसगढ़ पुलिस धुर्वा सेक्टर वन में छापेमारी की। इस दौरान दोनों ठगों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में ठगों ने पुलिस के समक्ष राशि खाते में ट्रांसफर करने की बात स्वीकार की।

राष्ट्रीय कृमि दिवस पर सेविकाओं एवं शिक्षकों को मिला प्रशिक्षण

नवीन मेल संवाददाता। खूंटी

राष्ट्रीय कृमि दिवस की तैयारी को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कर्रा में आंगनबाड़ी सेविकाओं और सरकारी विद्यालय के शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान एविडेंस संस्था के प्रशिक्षक नीरज कुमार सिंह और प्रखंड चिकित्सा प्रभारी डॉ शकील अहमद ने उन्हें प्रशिक्षण दिया। कृमि दिवस के मौके पर 19 वर्ष तक के बच्चों और किशोरो को आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों में कृमि मुक्ति दवा एल्बेंडाजोल खिलाने को लेकर आंगनबाड़ी सेविकाओं और शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। कृमि मुक्ति दिवस 20 अप्रैल को मनाया जाएगा। इसके साथ ही अगले पांच दिनों तक बच्चों और किशोरों को कृमि निरोधी दवा एल्बेंडाजोल खिलाई जाएगी। इस कार्यक्रम के तहत अधिक से अधिक बच्चों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रशिक्षण में कर्रा प्रखंड की 210 आंगनबाड़ी सेविका और 176 शिक्षकों ने भाग लिया।

ब्राउन शुगर की कर रहा था तस्करी, धरा गया अपराधी

रांची। वरीय संवाददाता

रांची के डोरंडा इलाके में बड़े पैमाने पर ब्राउन शूगर की तस्करी करने वाले एक तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके पास से पुलिस ने 218 पुड़िया ब्राउन शूगर बरामद किया है। जिसकी बाजार मूल्य करीब एक लाख रुपए बतायी जा रही है। साथ ही ब्राउन शूगर की बिक्री से प्राप्त करीब 71 हजार रुपए नगदी भी पुलिस ने आरोपी के पास से जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम सुशील किस्पोट्टा है और वह डोरंडा थाना क्षेत्र के बंधुनगर का रहने वाला है। वह शातिर अपराधी भी है। मामले का खुलासा करते हुए थाना प्रभारी लक्ष्मीकांत ने बताया कि बिरसा चौक इलाके में बड़े पैमाने पर ब्राउन शूगर का अवैध धंधा चल रहा था। इसकी सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम ने बिरसा चौक बंधुनगर स्थित एक मकान में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने वहां से भारी मात्रा में ब्राउन शूगर बरामद किया।

नियोजन नीति के खिलाफ छात्र संगठनों का मुख्यमंत्री आवास घेराव का मामला

23 नामजद और पांच सौ अज्ञात छात्रों के विरूद्ध हुई प्राथमिकी

रांची। वरीय संवाददाता

नियोजन नीति के खिलाफ छात्र संगठनों का मुख्यमंत्री का घेराव कार्यक्रम के दौरान धक्का-मुक्की और धारा 144 का उलंघन किए जाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। बेड़ो अंचलाधिकारी सुमंत तिर्की की ओर से गोंदा थाने में दर्ज की गई प्राथमिकी में 23 को नामजद और पांच सौ अज्ञात को आरोपी बनाया गया है। दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि मुख्यमंत्री आवास एवं सचिवालय के चारो ओर दो मीटर की परिधि में धारा 144 लगा हुआ था। इसके बावजूद झारखंड स्टेट यूनियन के बैनर तले छात्रों ने कांके रोड राम मंदिर चौराहा को जाम कर दिया गया। साथ ही बैरिकेडिंग तोड़कर सीएम आवास की ओर जाने लगे। उन्हें रोक कर मोरहाबादी मैदान में प्रदर्शन करने की बात पुलिसकर्मियों ने उन्हें कही। लेकिन छात्रों ने सड़क जाम कर दिया। जिससे सड़क में आवागणन पूरी तरह से ठप हो गया। इसमें स्कूली बसें और एम्बलेंस भी एक घंटे फंसी रही। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने कुछ छात्रों को हिरासत में लिया और उसे बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम कैंप जेल में रखा गया। उन्हें शाम में पीआर बांड में छोड़ा गया। बाकी छात्रों को हटाया गया तो उन्होंने पुलिस के साथ धक्का मुक्की कर दी। जिसमें कुछ छात्रों को चोटे आयीं है। आंदोलन कर रहे छात्रों ने धारा 144 का उलंघन किया। साथ ही पुलिस के साथ धक्का मुक्की और सड़क को अवरूद्ध किया है।

इन पर दर्ज हुई प्राथमिकी : देवेंद्रनाथ महतो, बेबी महतो, मोतीलाल महतो, मनोज यादव, पंकज कुमार, उदय मेहता, धर्मपाल महतो, सोमनाथ महतो, सुभाष महतो, शैलेंद्र महतो, सुधीर कुमार राम, फुलचंद महतो, सोमती उरांव, मनोज उरांव, अमनदीप मुंडा, योगेंद्र चंद्र भारती, नाशपती महतो, बिंदेश्वर महतो, सावना महतो, योगेश महतो शामिल है।

ईडी ने रांची में जमीनखोरों की जांच के लिए किया विशेष टीम का गठन

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में जमीनखोरों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिकंजा कसना शुरू कर दी है। ईडी ने भू-माफिया और जमीन घोटालों के खिलाफ जांच के लिए विशेष टीम का गठन किया है। ईडी की जांच का सबसे अहम बिंदु सेना की जमीन का घोटाला है। यह जानकारी ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आज दी। इस टीम के अफसरों के नामों का खुलासा फिलहाल नहीं किया गया है। इस अधिकारी कहना है कि पिछले दिनों ईडी को रांची के जमीनखोरों से संबंधित करीब 12 शिकायत मिली हैं। सैकड़ों एकड़ जमीन हथिया ली गई हैं। इन शिकायतों में हेराफेरी करने वाले कुछ अफसरों, नेताओं और बिल्डर्स पर गंभीर आरोप हैं। सनद रहे सुर्खियों में आए सेना जमीन घोटाला मामले में ईडी ने रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को समन भेजकर 21 अप्रैल को पूछताछ के लिए बुलाया है।

इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर 28 से

15 राज्यों के प्रोडक्ट का होगा प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांचीवासियों की मांग पर 28 अप्रैल से आठ मई तक मोरहाबादी मैदान में इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर का आयोजन जायेगा। फेयर का आयोजन झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स और जीएस मार्केटिंग एसोसियेट्स के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। शहरवासी दोपहर एक बजे से रात्रि नौ बजे तक फेयर का आनंद ले सकते हैं। इंट्री फीस के तौर पर न्यूनतम शुल्क 20 रुपया रखा गया है। मंगलवार को चैंबर भवन में प्रेस वार्ता में चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि वर्ष 2019 में अंतिम बार इस फेयर का आयोजन किया गया था। कोविड महामारी के कारण तीन वर्षो तक इस फेयर का आयोजन संभव नहीं हो सका है। इस बार वृहद् स्तर पर इस ट्रेड फेयर का आयोजन किया जायेगा। इसमें राज्य के सभी जिलों के व्यापारियों एवं उद्यमियों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। फेयर में स्टॉल लगाने और स्पॉसरशीप के ईच्छुक व्यापारी व उद्यमी ट्रेड

फेयर कमिटी से संपर्क कर सकते हैं। चैंबर सदस्यों को स्टॉल लगाने में आकर्षक छूट भी दी जायेगी। जीएस मार्केटिंग एसोसियेट्स के अमिताभ घोष ने बताया कि फेयर में कुल 350 स्टॉल, आठ बिजनेस हैंगर, एक फूड कोर्ट रहेगा। 3७2 के स्टॉल की कीमत 60 हजार तथा 3७3 स्टॉल की कीमत 90 हजार रुपये निर्धारित की गई है। फेयर में लोगों के इंटरटेनमेंट के साथ ही बच्चों के लिए फन एक्टिविटी जैसे कार्यक्रमों पर भी विचार किया जा रहा है। फेयर में होम एंड डेकोर, फाइनेंस, फर्नीचर एण्ड इंटिरियर, लाइफस्टाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, हेल्थकेयर, हैंडीक्राफ्ट्स एण्ड हैंडलूम के एक लाख से अधिक यूनिक प्रोडक्ट प्रदर्शित किये जायेंगे।

गर्मी बढ़ते ही देसी फ्रीजों की मांगें बढ़ी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

वक्त के साथ बहुत कुछ बदला लेकिन कुछ चीजें ऐसी हैं, जो आज भी नहीं बदले हैं। गर्मी के दस्तक देने के साथ ही मिट्टी के घडा की मांग बढ गयी है। इस बार अन्य वर्षों की अपेक्षा गर्मी ज्यादा परेशान कर रही है। अप्रैल के महीने में ही लोग परेशान हैं। गर्मी से राहत पाने के लिए तरह तरह के इंतजाम किए जा रहे हैं लेकिन पानी के लिए अभी भी लोगों की पहली पसंद मिट्टी के घडे ही हैं। पिछले कुछ दिनों से अचानक बढ़ी गर्मी तथा चिलचिलाती धूप से क्या आम और क्या खास सभी लोग परेशान हैं। सुबह नौ बजे से लेकर शाम चार बजे तक चिलचिलाती धूप और गर्मी का आलम यह है कि सड़कों पर लोगों का आवागमन न के बराबर देखा जा रहा है। गर्मी से राहत पाने के लिए लोग ठंडे पानी की जुगाड़ करते दिख रहे हैं। एक ओर सम्पन्न लोग फ्रिज का इस्तेमाल कर रहें हैं तो वहीं दूसरी ओर सामान्य वर्ग के लोगों के लिए मिट्टी के बने घड़े की मांग अधिक है। बाजारों में मिट्टी के घड़े की बिक्री में तेजी आई है। बाजारों में घड़ा और सुराही की मांग बढ गई है। कुम्हार छोटे बड़े साइज का घड़ा और सुराही बनाने में जुट गए हैं। बाजार में 50 से लेकर डेढ़ सौ रुपए में घडा की बिक्री की जा रही है। हरिओम प्रजापति ने बताया कि एक घड़ा 50 से डेढ़ सौ रुपये में बिक्री की जाती है। फ्रिज एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की बाजार में अत्यधिक मांग के कारण घड़ों की मांग कम हुई है,लेकिन अभी भी लोगों की पहली पसंद मिट्टी का घडा ही है। बाजारों में दिन भर में कुम्हारों द्वारा 05 से लेकर 10 घड़ा की बिक्री कर पाते हैं। वहीं कुम्हारों को घड़ा निर्माण में भी काफी मेहनत करनी पड़ती है। 05 घड़ा बनाने में दो दिन का समय लगता है। जबकी एक घड़ा निर्माण करने में 45 से 50 रुपए की लागत होती है।घड़ा बनाने में काफी मेहनत करनी पड़ती है। कुम्हारों के पास दूसरा कोई विकल्प नहीं होने के कारण कुम्हार अपना पुश्तैनी धंधा नहीं छोड़ पा रहे हैं एवं कार्य में लगे हुए हैं।

विरोध — जब तक भगत सिंह की प्रतिमा स्थापित नहीं होती है

जारी रहेगा राष्ट्रीय युवा शक्ति : प्रधान महासचिव

नवीन मेल संवाददाता। रांची

शहीद ए आजम भगत सिंह की 28 फीट की प्रतिमा को स्थापित होने से पहले ही जिला प्रशासन द्वारा हटा दिए जाने के विरोध में राष्ट्रीय युवा शक्ति ने जयपाल सिंह स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक विरोध मार्च निकाला। राष्ट्रीय युवा शक्ति का कहना है कि 1931 में भगत सिंह को ब्रिटिश सेना द्वारा फांसी पर चढ़ाया गया था, लेकिन आजाद भारत में दूसरी बार भगत सिंह को क्रेन में लटकाया गया है, जो प्रशासन की तानाशाही को दशार्ता है। राष्ट्रीय युवा शक्ति के अध्यक्ष उत्तम यादव और संरक्षक पंकज पांडे ने कहा कि प्रशासन जब तक पूरे सम्मान के साथ भगत सिंह की प्रतिमा को स्थापित नहीं करता, तब तक उनका आंदोलन

चलता रहेगा। इसकी शुरूआत इस विरोध मार्च से हो गयी है। प्रशासन ने पूरे सम्मान के साथ प्रतिमा को नहीं लगवाया, तो उग्र आंदोलन होगा।

मोरहाबादी मैदान में स्थापित होनी थी प्रतिमा : बता दें कि पिछले दिनों सरदार भगत सिंह की प्रतिमा रांची के मोरहाबादी मैदान में स्थापित होनी थी। राष्ट्रीय युवा शक्ति इसके लिए पिछले एक साल से काम कर रही थी और शहीद भगत सिंह के गांव से मिट्टी तक मंगाई गयी थी। कोलकाता से भगत सिंह की 28 फीट की प्रतिमा भी आ गयी थी। बस उसे स्थापित करना बाकी था। लेकिन उसके ठीक पहले प्रशासन ने प्रतिमा को क्रेन से यह कहते हुए हटा दिया कि इसकी अनुमति नहीं मिली है। राष्ट्रीय युवा शक्ति के सभी सदस्यों ने भगत सिंह की तस्वीर को अपने सीने पर लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इसमें मुख्य रूप से प्रधान महासचिव दिलीप गुप्ता, राहुल चौधरी, सावन लिंडा, नितेश वर्मा, संदीप मुखर्जी, सूरज झाडाई, प्रशांत बजाज, राजू तनेजा, प्रीति सिन्हा जयसवाल, आर्यन मेहता, रोहित यादव, रोहित कुमार,सुनील साहू, सरवन साहू, बीजू वर्मा, रंजन माथुर, अभिषेक बंटी यादव, देवानंद गोप, विक्की लिंडा, विजय तिर्की, विनय सिंह, धीरज यादव, मनीष चंदेल, मनु चौधरी, सनी माथुर, विक्की कच्छप, छोटू यादव, विकास साहू, सहित सैकड़ों की संख्या में युवा शामिल हुए।

सरकार छात्र-युवाओं से करें संवाद : विनोद सिंह

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भाकपा माले विधायक विनोद सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास घेरने जा रहे आंदोलनकारी छात्रों पर लाठीचार्ज को किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को छात्र-युवाओं से संवाद कर मामले का समाधान करना चाहिए। भाकपा माले विधायक विनोद सिंह छात्रों पर लाठीचार्ज के बाद मंगलवार को अपनी प्रतिक्रिया जाहिर कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम सभी इस बात से अवगत हैं कि भाजपा की ओर से खतियान आधारित स्थानीयता और आरक्षण के मामले में विश्वासघात से झारखंडी छात्र-युवाओं के हितों को गहरा धक्का लगा है। बिहार में स्थानीयता आधारित नियोजन को देखते हुए हेमंत सरकार को झारखंड राज्य के अंदर ही इसका हल निकालने के लिए पुनः नयी नीति की ओर बिना देर किए बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा एवं अमित शाह के लिए दोहरे खेल की गुंजाइश ना हो। उन्होंने कहा कि झारखंड विधानसभा से पारित सन 1932 खतियान नीति और आरक्षण को झारखंड विधानसभा ने पारित कर केंद्र सरकार से अनुकूल कार्रवाई का आग्रह किया था, लेकिन भाजपा ने दोहरी चाल के जरिए झारखंडियों के साथ धोखाधड़ी की। एक ओर भाजपा ने इसे न्यायिक विवाद में फंसा दिया। दूसरी ओर गृहमंत्री अमित शाह के जरिए खुल्लमखुल्ला दबाव डलवाकर कर राजभवन से पारित आरक्षण नीति को वापस करवा दिया। भाजपा के इस दोहरे खेल को समझें बगैर झारखंडी छात्र-युवा अपने अधिकारों को हासिल नहीं कर सकते हैं।

इस बार के अक्षय तृतीया में बन रहें कई शुभ योग : मिथिलेश

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़
इस बार अक्षय तृतीय 22 अप्रैल 2023 को सुबह 8:04 बजे पड़ रही है जो 23 अप्रैल 2023 को सुबह 8:08 बजे तक रहेगी। 23 अप्रैल 2023 को उदया तिथि होने के कारण अक्षय तृतीया 23 अप्रैल मनायी जाएगी। इस बार की अक्षय तृतीया कई शुभ महायोगों में आ रही है। 22 अप्रैल के दिन बन रहे संयोग इस पवित्र दिन के महत्व को और अधिक बढ़ा रहे हैं। उक्त बातें 18 अप्रैल को बाबा विश्वनाथ ज्योतिष केंद्र के संचालक मिथलेश तिवारी ने कही। उन्होंने कहा कि इस दिन सूर्य और चन्द्रमा दोनों ही अपनी उच्च राशि में होते हैं। ऐसा खास संयोग साल में सिर्फ अक्षय तृतीया पर ही बनता है। इस दिन सूर्य मेष में और चन्द्रमा वृषभ राशि में होते हैं। इन सब संयोगों के साथ कृतिका नक्षत्र तथा हर साल अक्षय तृतीया वैशाख शुक्ल की तृतीया तिथि को मनाई जाती है। इस साल 22 अप्रैल को सुबह 8 बजकर 4 मिनट से तृतीया तिथि की शुरू होगी और 23 अप्रैल की सुबह 08 बजकर 8 मिनट तक रहेगी। इस दिन त्रिपुष्कर योग-सुबह 5 बजकर 49 मिनट से सुबह 7 बजकर 49 मिनट तक रहेगा। आयुष्मान योग-सुबह 8 बजकर 3 मिनट तक रहने वाला है। सौभाग्य योग-सुबह 8 बजकर 3 मिनट से पूरी रात शुभ फलदायी रहेगा। वहीं सर्वार्थ सिद्धि, सर्वाअमृत और रवि योग-रात 11 बजकर 24 मिनट से 23 अप्रैल की सुबह 05 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। वैसे हम लोग पूरे वर्ष भर ही कुछ ना कुछ खरीददारी करते है। लेकिन माना जाता है कि अक्षय तृतीया पर जो खरीदा जाता है उसमें दिन दूनी, रात चैगुनी वृद्धि होती है। इस दिन शुभ वस्तुओं की खरीददारी से मां लक्ष्मी अति प्रसन्न होती हैं। घर में अन्न धन का भण्डार भरा रहता है। इस दिन सोने, चांदी के गहने, बर्तन, सम्पति, जमीन, प्लॉट, मकान अथवा अन्य जगह निवेश से लाभ मिलता है। हर व्यक्ति सामर्थ्य के अनुसार कुछ न कुछ शुभ वस्तुएं इस दिन खरीदता है। अक्षय तृतीया के दिन मां गंगा की पूजा होती है. जैसे सभी देवी-देवताओं की पूजा का विधान है, ठीक वैसे ही मां गंगा की पूजा का विधि-विधान है। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर अगर गंगा में स्नान किया जाए तो मनवांछित फल की प्राप्ति होती है।

उपायुक्त ने सुनीं लोगों की समस्याएं

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़
उपायुक्त माधवी मिश्रा ने मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों से अपनी समस्याओं को लेकर उनसे मिलने आए लोगों से मुलाकात की। इस दौरान लोगों ने भूमि, रोजगार, विकास कार्यों, शिक्षा, विभिन्न योजनाओं के लाभ सहित अपनी विभिन्न समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया। जिसके उपरांत उपायुक्त ने मामलों के निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

मजदूर को वाहन से कुचला, मौत

सड़क निर्माण एजेंसी की लापरवाही

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा
सिक्स लेन चौड़ीकरण निर्माण कार्य करा रही एजेंसी की लापरवाही से अबतक दर्जनों लोग मौत के मुंह में समा गए। राहगीरों का मुसीबतें तो बनी ही है, निर्माण कार्य करा रही एजेंसी राजकेसरी प्राइवेट लिमिटेड में कार्यरत मजदूर भी सुरक्षित नहीं हैं। सोमवार रात्रि कार्य कर रहे मजदूर डोमन साव उम्र 40 वर्ष पिता जानकी साव का कंपनी के मिलर वाहन द्वारा कुचल कर मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सूर्यकुंड के समीप जीटी रोड पर निर्माण कार्य चल रहा था इसी बीच रात्रि बारह बजे के लगभग उक्त वाहन ने मजदूर को

नियमों को ताक पर रखकर हो रहा है काम : सीके पांडेय

अपने चपेट में ले लिया। जिससे गंभीर रूप से वह घायल हो गया। कार्य में लगे लोगों ने उसे सीएचसी बरकट्ठा पहुंचाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे हजारीबाग रेफर किया गया। लेकिन रास्ते में ही मजदूर ने दम तोड दिया।खबर सुनते ही गांव में मातम पसर गया ।वहीं परिजनों की चित्कार से उपस्थित हर किसी की आंखें नम हो गई। वहीं कंपनी की लापरवाही से आक्रोशित ग्रामीणों ने मंगलवार सुबह से ही कोसमा स्थित राजकेसरी प्लांट के मुख्य द्वार पर शव को रखकर मुआवजे को मांग करने लगे। घंटों बाद प्रशासनिक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कंपनी के अधिकारी के बीच बैठक हुई। बैठक में तीन लाख मुआवजा राशि देने और इंश्योरेंस क्लेम दिलाने में सहयोग कंपनी द्वारा किए

जाने के बाद सहमति बनी और शव को उठाया गया। जी प्रतिनिधि पीके पांडेय ने कहा कि नियमों को ताक पर रखकर निर्माण एजेंसी कार्य कर रही है । बैठक में सीओ श्री कांतलाल मांझी,गोरहर थाना प्रभारी कृष्णा कुमार शाहा, बरकट्ठा थाना प्रभारी विक्रम कुमार, कंपनी के अधिकारी सोमेन बनर्जी उर्फ कानू , जिप सदस्य कुमकुम देवी, प्रमुख प्रतिनिधि उमेश कुमार,जिप प्रतिनिधि सीके पाण्डेय समेत आदि लोग मौजूद थे।

मुखिया ने विभिन्न स्कूलों में उपलब्ध कराया बेंच डेस्क

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के बरकट्ठा दक्षिणी पंचायत के मुखिया अब्बास अंसारी ने 15 वीं वित्त आयोग योजना से क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों में बेंच डेस्क उपलब्ध कराया।बताया गया कि कन्या मध्य विद्यालय बरकट्ठा, नवसृजित प्राथमिक विद्यालय कोनहाराकला और मदरसा कोनहाराकला में कुल 50 सेट बेंच डेस्क का वितरण किया गया।उन्होंने कहा कि स्कूलों में भौतिक संसाधनों की कमी नही होने दी जाएगी।पंचायत क्षेत्र के अन्य स्कूलों में भी जहां भी बेंच डेस्क जरूरत होगी उसे उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।शिक्षा के क्षेत्र में विकास करना हमारी प्राथमिकता है। कहा कि बेंच डेस्क मिलने से छात्र छात्राओं को बैठने में पढ़ाई सहूलियत होगी। इस अवसर पर प्रधान शिक्षक महेश चौधरी, प्रबंधन समिति के अध्यक्ष संजय कुमार, सांसद प्रतिनिधि केदार साव, सुंदर तुरी, तुलसी प्रजापति, शिक्षिका चंपा कुमारी आदि उपस्थित थे।

12 घंटे के अंदर आरोपी हुई गिरफ्तारी, जेल

बरही । पोक्सो एक्ट के तहत बरही डीह निवासी पृथ्वी कुमार पासवान पिता पिंटू पासवान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है । पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी ललित कुमार ने पीड़िता के पिता के आवेदन को गंभीरता से लेते हुए विशेष टीम गठित किया । जिस पर गंभीरता पूर्वक छापेमारी करते हुए अभियुक्त को 12 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर पीड़िता की बरामदगी किया है । वादी ने आरोप लगाया है कि गिरफ्तार युवक अपने पिंटू पासवान और अन्य के साथ उसके नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर भगाने का काम किया था। छापेमारी दल में पुअनी चंदन कुमार साव, अमित खाखा, महिला आरक्षी हेमंती कुमारी सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

रामगढ़। कुजू ओपी क्षेत्र में मंगलवार को एक पेड से एक व्यक्ति का लटका हुआ शव मिला। जिसकी की पहचान 32 वर्षीय मुकेश गंझू के रूप में की गई है। बताया जाता है कि कुजू महाप्रबंधक कार्यालय में कार्य करनेवाले 32 वर्षीय मुकेश गंझू 17 अप्रैल से लापता थे। उनके परिजनों ने उनकी काफी खोजबीन की पर पर उनका कुछ पता नही चला। इधर, 18 अप्रैल की सुबह नयामोड़ जंगल क्षेत्र में एक व्यक्ति का पेड से लटका शव होने की खबर आयी। जब लोग वहां पहुंचे तो शव की पहचान मुकेश गंझू के रूप में की गई। जिसके बाद लोगों की इसकी सूचना कुजू ओपी पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

प्रखंड कार्यालय में मुखिया संघ की बैठक

रामगढ़ । प्रखंड कार्यालय पतरातू में 18 अप्रैल को मुखिया संघ की बैठक आयोजित हुई। अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष अभय कुमार एवं संचालन किशोर महतो ने किया। मौके पर जन समस्याओं को लेकर प्रमुख बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। जन समस्याओं को लेकर विभागों द्वारा उदासीनता, जनहित के कार्य में स्थिरता, जन कल्याण योजनाओं में पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। साथ ही नव पदस्थापित प्रखंड विकास पदाधिकारी हरिनाथ महतो से औपचारिक मुलाकात कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर पतरातू प्रखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष अभय कुमार, उपाध्यक्ष किशोर महतो, राम नारायण कुमार, गिरजेश कुमार, व्यास पांडेय, विकास पांडेय, नूतन सिंह, कोमिला देवी, जगदीश साव, तिलेश्वर साहू, प्रेमनाथ बेदिया आदि उपस्थित थे ।

कोडरमा: अगवा, दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन मामले में युवक को 14 वर्ष की सजा

कोडरमा। नाबालिग लड़की को अगवा कर दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन के मामले में कोर्ट का फैसला आया है। कोर्ट ने धनबाद निवासी अभियुक्त रिंकू अंसारी को 14 वर्षों के सश्रम कारावास की सजा सुनायी है। साथ ही कोर्ट ने 25 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुर्माना नहीं भरने पर अतिरिक्त एक वर्ष की सजा भुगतनी पड़ेगी। घटना को लेकर नाबालिग के पिता ने सतगावां थाना में मामला दर्ज कराया था। आवेदन में उन्होंने कहा था कि पड़ोस के एक दुकान में काम करने वाले रिंकू अंसारी उनकी बच्ची का अपहरण कर शादी की नियत से भगा ले गया। बताते चलें कि नाबालिग को कार में डालकर आरोपी जबरन अपने साथ ले गया था।

48 घंटे के अंदर दूर करें जलसंकट : सचिव

हजारीबाग। पेयजल समस्या की शिकायत यदि आ रही हैं, तो 48 घंटे के अंदर समाधान करें। टोल फ्री नंबर जारी कर इलाके से शिकायत प्राप्त करें ताकि पेयजल की समस्या नहीं हो। 2024 के मार्च तक हर एक घर तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य है। इसे लेकर पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव मनीष रंजन ने मंगलवार को हजारीबाग में हाई लेवल मीटिंग करते हुए कई निर्देश दिए। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने किया है। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में आयोजित बैठक में गिरिडीह, धनबाद, हजारीबाग, चतरा और कोडरमा जिले के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के पदाधिकारी मौजूद थे। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव मनीष रंजन की अध्यक्षता में हजारीबाग में बैठक हुई।

दिव्यांगों के बीच ट्राई साईकिल का वितरण

नवीन मेल संवाददाता। बरही
समाज कल्याण विभाग के सौजन्य से प्रखंड के ग्यारह दिव्यंगो के बीच ट्राई साईकिल वितरित किया गया। जिसका वितरण जिप उपाध्यक्ष गणेश यादव, प्रमुख मनोज रजक, जिप सदस्या प्रीति गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि गणेश यादव, विस विधायक प्रतिनिधि छट्ठू यादव, विधायक प्रतिनिधि सुनील साहू आदि ने कर कमलों से बीडीओ सी आर इंदीवर और सीडीपीओ नीलू कुमारी की उपस्थिति में किया गया । इस अवसर पर एलएस निभा कुमारी, रंजीता कुमारी, सुनीता कुमारी, सीडीपीओ कार्यालय के राजीव कुमार, सेविका आदि मौजूद थे। सीडीपीओ ने बताया कि जिला कल्याण विभाग के द्वारा उक्त साइकिल उपलब्ध करवाए गए है। सीडीपीओ कार्यालय से विगत अक्टूबर नवंबर माह में लाभुकों के आवेदन को जिला कार्यालय भेजा गया था। उपायुक्त के बैठक में समीक्षा के बाद ग्यारह लाभुको के बीच ट्राई साईकिल उपलबध करवाए गए है। जो वितरित किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इसके अलावा क्षेत्र में और भी कोई दियांगजन हो तो वह सीडीपीओ कार्यालय में आवेदन दे सकते है, ताकि उन्हें भी लाभ दिलवाया जा सके । ट्राई साईकिल लेने वाले लाभुक में समुद्री देवी, सबिता देवी, पवन कुमार, रीना देवी, दीपक कुमार यादव, नारायण भुइयां, प्रमोद कुमार दास, रामेश्वर रमा, चमेली कुमार और और सकुंती कुमारी का नाम शामिल है। मौके पर आठ लाभुको के साइकिल प्रदान किए गए।

29 को बार एसो. का चुनाव, अधिसूचना जारी

नवीन मेल संवाददाता। बरही
आगामी 29 अप्रेल को बार एसोसिएशन बरही का चुनाव होगा। इसे लेकर सोमवार को चुनाव प्रमुख निवार्ची पदाधिकारी दीपक सत्य प्रकाश और सहायक निवार्ची पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से अधिसूचना जारी कर दिया है । जारी अधिसूचना के अनुसार 19 से 21 अप्रैल तक नामंकन, 25 अप्रैल को स्क्रूटनी और उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन, 26 अप्रैल को नाम वापसी, 27 अप्रैल को उम्मीदवारों के फाइनल और अंतिम सूची का प्रकाशन किया जायेगा । 29 अप्रैल को पूर्वाहन 11 बजे से अपराह्न 4 बजे तक

मतदान किए जायेंगे । विदित हो कि यह चुनाव बीते 15 अप्रैल को होना तय था। परंतु मतदाता सूची में छह नए अधिवक्ताओं का मतदाता सूची में शामिल होने से कुछ वकीलों ने बार एसोसिएशन बरही के निवर्तमान सचिव राजकुमार प्रसाद पर मनमानी का आरोप लगाते हुए चुनाव का विरोध किया था । इसे लेकर वरिष्ठ अधिवक्ता रवि कुमार ने लिखित शिकायत सचिव बार काउंसिल रांची से भी की थी। उनका आरोप था कि छह नए सदस्य बरही बार एसोसिएशन के सदस्य नही है, जो न तो कभी बैठक में शामिल हुए और न ही कभी बरही कोर्ट में प्रैक्टिस किए है। निवर्तमान सचिव ने व्यक्तिगत रूप से मत का लाभ लेने के लिए अपने सगे संबंधियों और परिचितों को मतदाता सूची में शामिल किया है। निवर्तमान सचिव ने कहा कि आरोप बेबुनियाद था, सर्वसम्मति से मतदाता सूची तैयार किए गए थे, इसमें उनका कोई निजी स्वार्थ नहीं है। दर असल उनकी लोकप्रियता से कुछ लोग घबरा गए है और अनर्गल बयानबाजी कर रहे है । मतदाता सूची को काउंसिल ने मान्यता देते हुए चुनाव की अधिसूचना जारी किया है । मतदाता सूची में शामिल सभी अधिवक्ता चुनाव में भाग लेंगे।

धोबघट मार्ग का निर्माण शुरू, ग्रामीणों में हर्ष

नवीन मेल संवाददाता। बरही
काफी जद्दोजहद के बाद स्थानीय विधायक उमाशंकर अकेला यादव का प्रयास सफल हुआ। वर्षो बाद वन विभाग ने धोबघट मार्ग का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया है । सोमवार को मार्ग में जेसीबी और ट्रैक्टर लगाकर मिट्टी मोरम भरने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है । इससे स्थानीय ग्रामीणों में हर्ष है और विधायक के प्रयास की सराहना कर रहे है । धोबघट के ग्रामीणों की माने तो रानीचुआ पंचायत के धोबघट, नरसिंह्वा, पिंडवा, परसातरी आदि क्षेत्रों में आजादी के बाद से ही आवागमन की घोर असुविधा थी । ग्रामीण किसी तरह जंगलो और पहाड़ो की पगडंडियों से गुजरकर प्रखंड मुख्यालय पहुंचते थे । रास्ते के अभाव में कई वृद्ध और लाचार अपना ईलाज नही करवा पाते थे । कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मनान अंसारी ने बताया कि विधायक अकेला पहली बार धोबघट पहुंचकर ग्रामीणों को सड़क निर्माण करवाने की बात कही थी । इसके लिए वह लगातार विधानसभा में आवाज बुलंद करते रहे । जिसमें विधायक को सफलता मिली और सरकार ने धोबघटवासियों की आवाज सुनी ।

जागरूक सेक्रेड हार्ट स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बच्चों को दी गयी आग से बचाव की जानकारी

नवीन मेल संवाददाता। कोडरमा
सेक्रेड हार्ट स्कूल में मंगलवार को आग से बचाव पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे अग्निशमन विभाग से जिला अग्निशमन पदाधिकारी शैलेंद्र किशोर, प्रधान अग्नि चालक रामचंद्र महतो और अग्नि चालक रजत कुमार मींज मुख्य रूप से मौजूद रहे। जिला अग्निशमन पदाधिकारी शैलेंद्र किशोर ने बच्चों को आग से बचाव के कई सुझाव दिये। उन्होंने गर्मी में खुले में आग जलाने, आग पर काबू पाने का तरीका बताया। उन्होंने कहा कि खुले में आग जलाने से आग तेजी से फैलती है और आसपास के इलाकों को अपनी चपेट में लेती है। उन्होंने घरेलू गैस सिलेंडर में लीकेज होने पर कैसे बचाव करें, सिलेंडर में आग लगने पर कैसे उसे बुझाएं, कमरे में धुआं भर जाने से कैसे सुरक्षित बाहर निकले आदि की जानकारी विस्तार से दी। उन्होंने अग्निशमन के सिलेंडर का डेमो कर बच्चों को समझाया। इस बीच बच्चों ने कई सवाल पूछे जिसका जवाब उन्होंने बहुत सरल तरीके से दिया। मौके पर स्कूल के एकेडमिक डायरेक्टर प्रमोद कुमार शर्मा, प्राचार्य नवीन कुमार, एकेडमिक कोऑर्डिनेटर प्रवीण कुमार,

संजय तिवारी, सतीश कुमार, रणजीत सिंह, शंकर कुमार, फैयाज कैसर, अभिलाषा सिंह, मनोज पांडेय आदि शिक्षक और सैकड़ों की संख्या में बच्चे मौजूद रहे।

उप डाकपाल का चितरपुर से प्रधान डाकघर रामगढ़ हुआ स्थानांतरण

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़
चितरपुर उप डाकघर के उप डाकपाल रामखेलावन चौधरी का स्थानांतरण रामगढ़ कैंट प्रधान डाकघर में ट्रेजरर के रूप में होने के बाद मंगलवार को चितरपुर उप डाकघर में कार्यक्रम का आयोजन कर उन्हें सम्मानित किया गया। सम्मानित करते हुए डाक सहायक रविशंकर राय ने कहा कि रामखेलावन चौधरी ने चितरपुर उप डाकघर में डाक विभाग की विभिन्न सेवाओं को जन जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। वे मिलनसार, शालीन तथा सभी कर्मचारियों के साथ ग्राहकों को सहयोग करते थे। इस अवसर पर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डाक

सहायक रविशंकर राय, प्रवीण कुमार नायक, पोस्टमैन सर्वेश कुमार, अखिल भारतीय डाक कर्मचारी संघ के सचिव सैलेंद्र कुमार सिंह, अरविंद कुमार, संजय कुमार, प्रकाश कुमार , विशेश्वर पासवान, सुनील कुमार, अभयराज सिंह, दीनबंधु सहित अन्य डाक विभाग के कर्मचारी उपस्थित हुए। सभी ने उनको सम्मानित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

NEWS इन ब्रीफ

मधुर मेडिकेयर में सैकड़ों मरीजों की मुफ्त जांच

लोहरदगा। मधुर मेडिकेयर पतरा टोली के द्वारा शिविर आयोजित कर कुल 105 मरीजों का निशुल्क इलाज किया गया। जांच शिविर में डॉक्टर विवेक मधुर हड्डी जोड़ एवं नस रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर नेहा ज्योति जेनरल सर्जन स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं डॉक्टर एस के गुप्ता द्वारा इलाज किया गया। इसके अतरिक्त ब्लड शुगर, हड्डी का बी एम डी एम मशीन द्वारा रांची से आए विशेषज्ञ चिकित्सक ने जांच की। सभी तरह के मरीजों को जरूरत के मुताबिक मुफ्त में दवा दी गई। शिविर को सफल बनाने में सावित्री मधुर, मुमताज अहमद, साहेब खलीफा, सुरेंद्र, प्रेमा, लीला, अचरज, सुशीला, ईशा, गुलाब, राहुल, अंगद, सूरज सुनीता आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

थाना प्रभारी ने ब्यूटी पार्लर व सिलाई सेंटर का उद्घाटन किया

कैरो। थाना मुख्यालय स्तिथ मोड़ पर मंगलवार को कैरो थाना प्रभारी हरिऔध करमाली ने अरिशफा ब्यूटी पार्लर व सिलाई सेंटर का उद्घाटन किया। मौके पर उन्होंने कहा की महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही हैं ब्यूटी पार्लर के साथ सिलाई सेंटर से आसपास रहने वाली लड़कियों व महिलावाओं को सिलाई सिखाकर उन्हें स्ववलंबी बनाकर बेरोजगारी की समस्या से कुछ हद तक दूर किया जा सकता हैं। उन्होंने कहा बहुत सी महिलाएं ऐसी हैं जो किसी अभाव के कारण शिक्षा पूर्ण नहीं कर पाते हैं वे सिलाई का काम कर काफी हद तक स्वयं को मजबूत कर सकती हैं।

ठगी पीड़ित व अभिकर्ता निवेशकों की हुई बैठक

सिमडेगा। सिमडेगा बाजारटांड में सुबोध महतो की अध्यक्षता में ठगी पीड़ित एवं अभिकर्ता निवेशकों की बैठक रखी गई। इसमें विभिन्न चिट फण्ड कंपनी के ठगी पीड़ित परिवार शामिल हुए। बैठक में कहा कि वड्स एक्ट 2019 अनियमित जमा पाबन्दी कानून 2019 के तहत हिंदुस्तान के पूरे राज्य के सभी जिलों में शील मोहर के साथ पावती दिया जा रहा है लेकिन सिमडेगा जिले में सिर्फ सही करके जा रहा है। पर ऐसे में कागज जमा करने पर पीड़ित लोगों को किसी प्रकार का कोई भी राशि वापस नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि सिमडेगा के उपायुक्त से कई बार मुलाकात करने की कोशिश की गई, लेकिन मुलाकात नहीं हो पा रही इस कारण हम परेशान हैं।

कांग्रेस की इफ्तार पार्टी में दिया गया सामाजिक समरसता का संदेश

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा
चालू पवित्र रमजान माह के मौके पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा मंगलवार को कांग्रेस कार्यालय में विशाल व भव्य इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इसमें रोजेदारों के साथ आम व खास समेत गणमान्य लोगों ने भाग लिया। इफ्तार पार्टी के माध्यम से समाज में सामाजिक समरसता व भाईचारे का संदेश दिया गया। इफ्तार पार्टी के बाद रोजेदारों ने सामूहिक नमाज अदा कर अमन, चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। इफ्तार पार्टी में स्थानीय विधायक सह झारखंड के वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर

उरांव, राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू, पूर्व विधायक सुखदेव भगत, मंत्री पुत्र रोहित प्रियदर्शी उरांव, जिला योजना पदाधिकारी अरुण सिंह, हिंडालको के अधिकारी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुखेर भगत कार्यकारी जिलाध्यक्ष हाजी शकील अहमद ,डॉ अजय सहदेव, सांसद प्रतिनिधि अशोक यादव, विधायक प्रतिनिधि निशित, जायसवाल, वारिस कुरैशी, नेसार अहमद, जगदीप भगत, विशाल डुंगडुंग समेत बड़ी संख्या में रोजेदार कांग्रेसजन मौजूद थे।

1 घंटे तक ओपीडी में नदारद रहे डॉक्टर

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा
जिले में एकमात्र बड़े हॉस्पिटल के रूप में सदर अस्पताल सिमडेगा जाना जाता है जहां पर लंबे समय से डॉक्टरों की कमी से अस्पताल जूझ रहा है। इसके बावजूद सरकार की ओर से किसी प्रकार की कोई भी ध्यान नहीं है। इसके कारण डॉक्टरों की समस्या आये दिन बनी रहती है मंगलवार को भी सुबह 9:00 बजे से लेकर 10:00 बजे तक ओपीडी शांतिपूर्ण तरीके से चली लेकिन 10:00 के बाद ओपीडी में बैठे डॉक्टर की ड्यूटी ठेठईटांगर में आयोजित हाइड्रोसील ऑपरेशन के लिए भेज दिया गया।

इसके बाद डॉक्टर वहां के लिए रवाना हो गये जिसके कारण सदर अस्पताल का ओपीडी प्रभावित हो गया और मरीज काफी परेशान होकर इधर-उधर भटकने पर मजबूर हो गए। मामले की जानकारी जब सिविल सर्जन को हुई तो उन्होंने स्वयं आकर मरीजों का इलाज

करते हुए नजर आए।साथ मे जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ पीपी साह भी मरीजों का इलाज करते हुए देखें गए। बाद में उपाधीक्षक डॉक्टर राजेश कुमार ने आकर ओपीडी संभाला जिसके बाद सुचारू रूप से ओपीडी चलती रही। इस मामले में सिविल सर्जन ने कहा कि बार-बार सरकार से डॉक्टरों की मांग की जाती है लेकिन सरकार की ओर से अब तक किसी प्रकार की पहल नहीं की गई है जिसके कारण सदर अस्पताल में परेशानी बनी रहती है।

सिमडेगा के पुलिस अधीक्षक ने मासिक क्राइम गोष्ठी में अफसरों को दी हिदायत

त्योहार पर विशेष निगरानी रखें

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा
पुलिस अधीक्षक सौरभ ने मंगलवार को एसपी कार्यालय सभागार में मासिक क्राइम गोष्ठी का आयोजन किया। बैठक में सर्वप्रथम प्रभारी लोक अभियोजक अमित श्रीवास्तव के द्वारा सभी थाना प्रभारियों को न्यायालय द्वारा सुनाए गए सजा एवं साक्षी अभाव पर जमानत हुए लोगों के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए केस डायरी को सही तरीके से मेंटेन करने एवं अपराधी ना बचे इस सभी चीजों को लेकर आवश्यक जानकारियां दी। इसके बाद एसपी ने बारी-बारी से सभी थाना प्रभारियों से थाना वार अप्रैल महीने में दिए गए टास्क एवं अब तक हुए कार्यों की पीपीटी के माध्यम से समीक्षा की एवं उन्होंने थाना प्रभारियों को बेहतर पुलिसिंग करते हुए क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने दो सब इंस्पेक्टर मैथ्यू एक्का एवं वीरेंद्र शर्मा को बेहतर पुलिसिंग के लिए सम्मानित किया।

इसके अलावा नेशनल क्राइम ब्यूरो की ओर से सिमडेगा के रोशन कुमार सब इंस्पेक्टर को प्रशस्ति पत्र दिया गया जिसके लिए एसपी ने उन्हें भी सम्मानित किया। इसके बाद उन्होंने बताया कि आगामी ईद पर्व को लेकर जिले में विशेष सतर्कता बरती जाएगी। नमाज अदा करने वाले क्षेत्रों में पुलिस की निगरानी रखी जाएगी ताकि शांतिपूर्ण तरीके से पर्व संपन्न हो सके। इसके अलावा जिले में अपराधिक गतिविधियों को अंकुश लगाने के लिए रणनीति बनाकर कार्य किए जाएंगे। वर्तमान में हुए जो भी घटनाएं हैं उनकी

समीक्षा करते हुए कार्य किए जाएंगे ताकि सिमडेगा को उग्रवाद मुक्त बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि जो भी अपराधिक तत्वों के लोग हैं उनके ऊपर नजर रखते हुए किस प्रकार अंकुश लगाया जाए इस पर भी समीक्षा की जाएगी। साथ ही जिले में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए उसे भी अपील की जाएगी। क्षेत्र में किसी प्रकार की कोई भी सूचना मिलती है तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को करें। जिले में विकास कार्य चल रहे हैं। ऐसे जगहों पर संवेदकों से किसी प्रकार का कोई भी फोन या धमकी मिलती है तो इसकी सूचना पुलिस को दें। पुलिस लगातार समन्वय स्थापित करते हुए उन्हें सुरक्षा मुहैया कराएगी ताकि कार्य शांतिपूर्ण तरीके से हो और किसी प्रकार की दिक्कत ना हो। उन्होंने थाना प्रभारियों को कई अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी दिशा निर्देश दिए।

ईद पर्व को लेकर सिमडेगा थाना में शांति समिति की बैठक आज : सिमडेगा थाना परिसर में बुधवार को होने वाली शांति समिति की बैठक की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रवि प्रकाश ने बताया है कि सिमडेगा में शांतिपूर्ण माहौल में ईद का पर्व संपन्न हो इसको ध्यान में रखते हुए शांति समिति की बैठक आयोजित की जा रही है। उन्होंने बैठक में शांति समिति के सभी सदस्यों, सभी जनप्रतिनिधियों एवं सभी समुदाय के प्रतिष्ठित एवं गणमान्य लोगों को बैठक में उपस्थित रहने की अपील की है।

कैरो थाना में शांति समिति की बैठक हुई : कैरो / लोहरदगा : थाना परिसर कैरो में मंगलवार को ईदुलफितर त्योहार को लेकर अंचलाधिकारी कमलेश उराँव, प्रखंड विकास पदाधिकारी पवन कुमार महतो, थाना प्रभार प्रभारी हरिऔध करमाली व पुलिस अवर निरीक्षक ऋषिकांत कुमार शर्मा की संयुक्त अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। मौके पर मिलजुलकर आपसी प्रेम भाईचारे के साथ शांति पूर्वक त्योहार मनाने पर विचार विमर्श किया गया। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी पवन कुमार महतो ने मिलजुलकर त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने क्षेत्र के लोगो को बधाई देते हुए मिलजुलकर त्योहार मनाने की बात कही।

युवती को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मामला

प्रेमी की मां को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा
युवती को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने के आरोप में क्षेत्र के ढोड़ा टोली बस स्टैंड निवासी कलावती देवी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। कलावती देवी के विरुद्ध महिला थाने में नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है।

वहीं गिरफ्तार महिला का पुत्र राजकुमार साहू महिला थाना कांड संख्या 28/ 22 में दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट के तहत जेल की हवा खा रहा है। कलावती देवी की गिरफ्तारी शहर में चर्चा का विषय है। कलावती देवी का पुत्र राजकुमार साहू(28) का सदर थाना क्षेत्र के जोरी आनंदपुर गांव निवासी एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। लंबे समय तक यौन शोषण के बाद युवती ने विवाह के लिए राजकुमार साहू पर दबाव बनाया। इस पर प्रेमी राजकुमार साहू विवाह करने से मुकर गया। युवती ने विवाह के लिए राजकुमार साहू के परिजन से संपर्क किया। प्रेमी के परिजन भी विवाह करने से मुकर गए। युवती द्वारा प्रेमी राजकुमार साहू से गहरा प्रेम करने का दावा किया गया। इस पर राजकुमार साहू की माता कलावती देवी ने प्यार को साबित करने के लिए युवती को कुएं में डूब कर आत्महत्या करने के लिए प्रेरित किया। कहा गया कि, कुएं में डूब कर अपना प्यार साबित करो तभी वह अपने पुत्र से विवाह कराएगी। इस पर युवती ने निकट के कुएं में छलांग लगा दी। हो हंगामा के बीच पहुंचे बस्ती वालों ने तत्काल उसे कुएं से बाहर निकाल कर युवती की जान बचा ली। बावजूद युवती से राजकुमार साहू का विवाह कराने से परिजनों ने मना कर दिया।

इस मामले को लेकर पीड़िता ने महिला थाना कांड संख्या 28 / 22 दर्ज कराई। महिला थाना की पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी प्रेमी राजकुमार साहू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

धर्मदेव बने कुडू विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक

कुडू। प्रखंड संसाधन केंद्र कुडू से जारी कार्यालय के आदेश ज्ञापांक 74 के द्वारा पारा शिक्षक धर्मदेव प्रसाद को राजकीय बुनियादी विद्यालय कुडू का प्रभारी प्रधानाध्यापक के पद पर कार्य करने के लिए अधिकृत किया गया है। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी जयमंगल लोहार ने धर्मदेव प्रसाद को उक्त विद्यालय कुडू के प्रभारी प्रधानाध्यापक के रूप में कार्य संचालन करने की जिम्मेवारी सौंपते हुए इसकी प्रतिलिपी जिला शिक्षा अधीक्षक को भी सूचनार्थ भेजी है।

अंचलाधिकारी ने हाथी पीड़ितों से की मुलाकात

नवीन मेल संवाददाता। बोलबा
बोलबा प्रखंड के समसेरा रामटोली गांव में जंगली हाथियों से पीड़ित परिवारों से अंचल अधिकारी बलिराम माँझी ने मंगलवार को मुलाकात की। इस मौके पर बताया गया कि लरंगु मांझी के घर को जंगली हाथियों ने पूरी तरह से उजाड़ दिया है जो वर्तमान में रहने लायक भी नहीं है। अंचल अधिकारी बलिराम माझी ने घटनास्थल पहुंचकर पीड़ित परिवार के लोगों से मुलाकात कर घटना की पूरी जानकारी ली। बताया गया कि पूर्व में लरंगु माँझी के घर को दो बार जंगली हाथियों ने उजाड़ दिया था, किन्तु उनका आधार कार्ड नहीं होने के कारण वह सरकारी

लाभ से वंचित हो रहा है। अंचल अधिकारी ने कहा कि सबसे पहले आवश्यक सभी कागजात तैयार किया जाएगा। इसके बाद प्रावधान के अनुसार सरकारी लाभ दिया जा सकेगा इस मौके पर वार्ड सदस्य विपिन किशोर खेस ने कहा कि लरंगु माझी को रहने के लिए आवास की अति आवश्यकता है इन्हें आवास के साथ मुवावजा मिलना चाहिए।

बोलबा में हुई मारपीट में एक व्यक्ति घायल

बोलबा। प्रखंड के आलिंगुड कटहल टोली गाँव में भाई-भाई के बीच मार-पीट में एक व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गया, जिसे बोलबा अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार आलिंगुड कटहल टोली गांव में प्रदीप सिंह एवं उनके भाई अजित सिंह एवं राजन सिंह के बीच राशन के चावल एवं रुपये की लेन-देन को लेकर आपसी झगड़ा हुआ। झगड़ा बढ़ता गया और दो भाईयों ने मिलकर प्रदीप सिंह को मारकर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। घायल सिमडेगा सदर अस्पताल भेज दिया गया इस संबंध में बोलबा थाना को सूचना दे दिया गया है। थाना प्रभारी ने कहा कि मामले की छानबीन की जा रही है जिसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

युवा कांग्रेस ने किया यंग इंडिया के बोल सीजन-3 का विमोचन

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा
जिला यूवा कांग्रेस द्वारा मंगलवार को प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें यंग इंडिया के बोल सीजन - 3 प्रतियोगिता का विमोचन किया गया। जिला प्रभारी रोहित उरांव ने कहा कि यंग इंडिया के बोल कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रिय अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा शुरू किया गया, जो कि भारतीय युवा कांग्रेस का महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। इसके तहत आम एवं सामान्य पृष्टभूमि वाले प्रतिभाशाली युवाओं को राजनैतिक मंच मुहैया कराया जाता है। इस मंच के जरिए युवाओं को युवा कांग्रेस का प्रवक्ता बनने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा

है। कार्यक्रम में सिमडेगा जिला से ज्यादा से ज्यादा संख्या में युवाओं को यह मंच दिया जाएगा। मौके पर झारखंड, युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव वारिस रजा ने भी कांग्रेस के नीति सिद्धांत से जुड़कर गांव, समाज और देश की प्रखर आवाज बनने हेतु आमंत्रित किया। उनके साथ युवा कांग्रेस सिमडेगा के सोशल मीडिया संयोजक, चंदन कुमार सिंह ने इस संबंध में अपनी बातें रखीं।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में गुमला जिला महासचिव जय सिंह, गौरव भारद्वाज, राहुल तिर्की, सूरज कुमार, रोहित सिंह, लखन मांझी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आचार्य कार्यशाला का किया गया आयोजन

लोहरदगा। मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर प्लस टू विद्यालय लोहरदगा में एक दिवसीय आचार्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य उत्तम मुखर्जी ने किया। कार्यशाला चार सत्रों में संपन्न हुई। प्रथम सत्र में प्राचार्य द्वारा अध्यापन कौशल को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन दिया गया। द्वितीय सत्र में पर्सनालिटी डेवलपमेंट और ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों माध्यमों से शिक्षण देने के महत्व को बताया गया। तृतीय सत्र में डायरी की उपयोगिता पर चर्चा की गई। चतुर्थ सत्र संगणक विशेषज्ञ कुणाल प्रसाद साहू द्वारा लिया गया। कार्यशाला में प्रीति गुप्ता, नीतू, रश्मि साहू, रेणु, यशोदा, चेतना प्रिया, कविता, स्नेहा शर्मा, ऋद्धि मिश्रा आदि ने भाग लिया।

आस्था यज्ञ स्थल की परिक्रमा करने के लिए उमड़ रही भीड़

महायज्ञ में शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा

नवीन मेल संवाददाता। भंडरा
भंडरा प्रखंड के भौरों गांव में सात दिवसीय श्री पंचकुंडत्मक शिवशक्ति रुद्र महायज्ञ सह शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठा के पांचवें दिन शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा नवनिर्मित मंदिर में आचार्यों के वैदिक मंत्रोचार के बीच ग्रामीणों द्वारा की गई। भौरों गांव में 15 वर्ष पूर्व शिव मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी गई थी। तब से भौरों गांव के लोगों के बीच शिव मंदिर निर्माण एवं शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा करने की सपना बना हुआ था। लंबे समय के बाद भौरों गांव के लोगों का यह स्वप्न पूरा हुआ। मंदिर निर्माण की पूर्ण होने पर शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरे उत्साह पूर्ण वातावरण में यज्ञ के आयोजन कर शिव लिंग की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस अवसर पर यज्ञ को लेकर आसपास के क्षेत्र में भक्ति पूर्ण वातावरण बना हुआ है। यज्ञ स्थल पर रोजाना श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है।

दिनभर यज्ञ स्थल की परिक्रमा एवं पूजा करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। संध्या समय विद्वानों का धर्म कथा प्रवचन सुनने के

लिए लोगों का भीड़ बना हुआ है। रात्रि 8 बजे से रासलीला का आयोजन यज्ञ स्थल पर किया जा रहा है। इस अवसर पर भौरों में लोगों का श्रद्धा भक्ति उमड़ रही है। शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व शिवलिंग की नगर भवन स्थानीय लोगों द्वारा जोश व उल्लास के साथ किया गया। नगर भ्रमण में सभी लोग शामिल हुए।

मौके पर यज्ञ स्थल पर प्रतिदिन भंडारा आयोजित किया जा रहा है। उनके साथ युवा कांग्रेस सिमडेगा के सोशल मीडिया संयोजक, चन्दन कुमार सिंह ने भी गाँव के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को कांग्रेस, से जुड़ने और उसके नीति सिद्धांत को साथ लेकर गांव समाज का सेवा करने हेतु अपील किया।

कैरियर परामर्श मार्गदर्शन केंद्र सिमडेगा में ताला तोड़कर चोरी

सिमडेगा। सिमडेगा नगर परिषद समीप बने कैरियर परामर्श मार्गदर्शन केंद्र में बीती रात अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर वहां रखे सामानों की चोरी कर ली। घटना की जानकारी मंगलवार की सुबह लगी। कार्यालय के कर्मचारियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई ।इस मामले में परामर्श केंद्र के संदीप कुमार ने थाना में आवेदन देते हुए कहा है कि की कैरियर परामर्श सह मार्गदर्शन केंद्र सिमडेगा में बीती रात अज्ञात व्यक्ति के द्वारा कार्यालय में ताला तोड़कर सामानों की चोरी कर ली है। इसमें पता चला है कि कार्यालय का सामान बिखरा हुआ है और वह ताला टूटा हुआ है बताया गया कि इसमें मॉनिटर, सीपीयू ,कीबोर्ड माउस सहित कई कागजात गायब है जिसकी कीमत करीब 49000 बताई गई है।

आजसू पार्टी के जिलाध्यक्ष का आरोप सरकार का जनता से सरोकार नहीं

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा
आजसू पार्टी सिमडेगा के ठाकुर टोली स्थित जिला कार्यालय में मंगलवार को जिला अध्यक्ष धुपेंद्र पांडे की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में सिमडेगा में होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम को लेकर रूपरेखा तैयार किया गया। इस दौरान जिला अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान समय में राज्य की जो हालत है वह किसी से छिपा हुआ नहीं, जिस तरह से सरकार जनता को गुमराह करके सत्ता में आई है कहीं ना कहीं जनादेश को बहुत बड़ा झटका लगा। आज सभी जगहों पर भ्रष्टाचार ही नजर आती है जिसे रोकने वाला कोई नहीं है। वर्तमान समय में सरकार आम जनता से किसी प्रकार का सरोकार ना रखते हुए सिर्फ जेब भरने में लगी हुई है और वर्तमान राजनीतिक हालात एवं जनमानस के

अंदर व्याप्त निराशा को ध्यान में रखते हुए आजसू पार्टी द्वारा 23 अप्रैल को राज्य स्तरीय सामाजिक न्याय मार्च नाची में आयोजित करेगी। इसमें सिमडेगा से भी कार्यकर्ता शामिल होंगे। इसके अलावा 25 अप्रैल को शहीद गंगा नारायण सिंह जयंती का आयोजन सिमडेगा जिला कार्यालय में किया जाएगा। वहीं 27 अप्रैल को अनुसूचित जनजाति महासभा का साहिबगंज भोगनाडीह में सम्मेलन होगा जिसमें जिला टीम शामिल होगी। 30 अप्रैल को अनुसूचित जाति महासभा का राज्य स्तरीय सम्मेलन चतरा में होगा। 7 मई को सिमडेगा में जिला सम्मेलन छात्र संगठन का किया जाएगा। 6, 7 एवं 8 अक्टूबर को केंद्रीय महाधिवेशन रांची में होगा। बैठक में जिला सचिव विकास बड़ाइक जिला, उपाध्यक्ष डेनिस बड़ा, जिला छात्रसंघ अध्यक्ष संतोष कुमार बड़ाइक, सिमडेगा प्रखंड सचिव देवेंद्र साहू, छात्रसंघ मीडिया प्रभारी विशाल बड़ाइक, सोनू साहू उपस्थित थे।

बेरमो : दिवंगत जगरनाथ महतो के श्राद्ध कर्म में पहुंचे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

नवीन मेल संवाददाता। बेरमो
मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंगलवार 18 अप्रैल को दिवंगत शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होने चंद्रपुरा के अलारगो पहुंचे। अलारगो स्थित बने अस्थायी हेलीपैड पर उतरने के बाद हेमंत सोरेन को पुलिस जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद वो सीधे स्व.महतो के पैतृक आवास पहुंचे और जगरनाथ महतो की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किया। इसके बाद दिवंगत महतो की पत्नी बेबी देवी और बेटा अखिलेश महतो उर्फ राजू से मिलकर हाल चाल पूछा. मुख्यमंत्री के पहुंचते ही स्व.महतो की पत्नी बेबी देवी फफक कर रो पड़ी। मुख्यमंत्री ने उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि ईश्वर सब कुछ ठीक करेंगे। डुमरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक सह राज्य के शिक्षा और मद्यनिषेध विभाग के मंत्री जगरनाथ महतो का निधन 6 अप्रैल को इलाज के दौरान चेन्नई में हो गई थी। जगरनाथ महतो की पहली बार 25 सितंबर 2020 को तबीयत बिगड़ी थी। जांच में वे कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। करीब एक माह तक रांची में इलाज के बाद जब स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ तब 19 अक्टूबर 20 को एयर एंबुलेस से चैन्नई के एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां 28 अक्टूबर 22 को लंग्स ट्रांसप्लांट किया गया। इसके बाद वे स्वस्थ होकर लौट आए थे। रांची सरकारी आवास में स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ काफी दिन तक रहे। इसके बाद पुनः विभाग के काम को धीरे-धीरे करने लगे। बजट सत्र के दौरान 14 मार्च को उन्हें पुनः तकलीफ महसूस हुई तो उन्हें विधानसभा से सीधे अस्पताल ले जाया गया।

इनामी माओवादी समर दा की तलाश में पहुंची एनआईए

नवीन मेल संवाददाता। बोकारो थर्मल
बेरमो अनुमंडल के पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र में एनआईए की टीम मंगलवार 18 अप्रैल को माओवादी समर दा की तलाश में उसके घर पहुंची और इश्तेहार चिपकाया. समर दा उडीसा एसडीएस (संबलपुर-देवनगर-सुंदरगढ़) डिवीजन का प्रभारी सह झारखंड, बिहार व उडीसा की संयुक्त कमेटी का शीर्ष माओवादी है। समर दा को कई नामों से जाना जाता है। जिसमें अनमोल दा उर्फ सुंशात उर्फ लालचंद हेम्ब्रम नाम शामिल है। उसकी तलाश में एनआईए रांची की टीम बेरमो अनुमंडल के पेंक-नारायणपुर थाना क्षेत्र स्थित उसके घर इटवाबेड़ा-जरवा गांव (बंशी) पहुंची। यहां माओवादी समर दा के बारें में कई लोगों से पूछताछ की। घर के अलावा आसपास चौक-चौराहों पर भी इश्तेहार चिपकाया। एनआईए की टीम के साथ पेंक-नारायणपुर थाना प्रभारी सुमन कुमार सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। इससे पहले भी चाईबासा पुलिस समर दा की तलाश में यहां पहुंच चुकी है। इश्तेहार भी चिपकाया है, लेकिन आज तक वह पुलिस के पकड़ से बाहर है। बता दें कि इस वर्ष के 5 जनवरी, 21 जनवरी और 13 फरवरी को पुलिस उसकी तलाश में यहां पहुंच चुकी है। इस बार एनआईए की टीम पहुंची है। 5 जनवरी 2022 को पश्चिमी सिंहभूम के झिलरूवा स्थित प्रोजेक्ट प्लस टू स्कूल परिसर में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व विधायक गुरूचरण नायक बतौर मुख्य अतिथि मौजूद थे। इसी दौरान माओवादियों ने हमला कर दिया। नायक वहां से जान बचाकर भाग गए थे लेकिन उनके दो अंगरक्षक ठाकुर हेम्ब्रम व शंकर नायक शहीद हो गए थे। माओवादियों ने दोनों अंगरक्षकों का हथियार भी लूट लिया था। इस मामले में माओवादी समर दा उर्फ अनमोल दा उर्फ सुंशात उर्फ लालचंद हेम्ब्रम गोइलकेइरा थाना कांड संख्या 01/2022 के तहत नामजद अभियुक्त है।

कार्यालय खुलवाने के लिए कांग्रेस का धरना जारी

नवीन मेल संवाददाता। धनबाद
धनबाद जिला कांग्रेस के नेता-कार्यकर्ता विगत छह दिनों से लुबी सर्कुलर रोड स्थित पुराना कार्यालय खुलवाने के लिए आंदोलन कर रहे हैं। इस भीषण गर्मी में एक टेंट के सहारे लू के थपेड़े सहते हुए धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। बावजूद उनके मंत्रियों पर कोई असर नहीं पड़ रहा है। मंगलवार 18 अप्रैल को जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष की उपस्थिति में लुबी सर्कुलर रोड स्थित पुराना कांग्रेस कार्यालय के गेट के सामने धनबाद प्रखंड के कांग्रेसियों ने दिया धरना। जिला अध्यक्ष संतोष सिंह ने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से धरना दिया जा रहा है. कांग्रेस कार्यालय खुलने तक जिला के तमाम कांग्रेस जन संकल्प लेते हुए धरना पर बैठने का काम करेंगे। जब तक राज्य सरकार की ओर से कार्यालय खोलने का आदेश निर्गत नहीं हो जाता, धरना प्रदर्शन और आंदोलन चलता रहेगा। सिंह ने कहा कि मोदी सरकार की गलत नीतियों एवं अलोकतांत्रिक व तानाशाही चरित्र का पदार्फाश करने को लेकर जय भारत सत्याग्रह के तहत 19 अप्रैल को डीसी कार्यालय का घेराव के साथ जनसभा की जाएगी। इस अवसर पर मदन महतो, अभिजीत राज, मनोज यादव, रामगोपाल भुवानिया, नवनीत नीरज, लक्ष्मण तिवारी, अक्षयवर प्रसाद, गुड्डू खान, रामचंद्र शर्मा, मंटू दास, दिनेश सिंह, राजू दास आदि मौजूद थे।

तंबाकू के खिलाफ जिला प्रशासन चलाएगा अभियान

नवीन मेल संवाददाता। गिरिडीह
18 अप्रैल को समाहरणालय सभागार में तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जिला तम्बाकू नियंत्रण कोषांग और सोशियो इकोनॉमिक एण्ड एजुकेशनल डेवलपमेंट सोसाईटी (सीड्स) के संयुक्त तत्वाधान में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए अपर समाहर्ता विल्सन भेंगरा ने कहा कि तम्बाकू के सेवन से सेहत पर दुष्प्रभाव पड़ने के साथ-साथ आर्थिक नुकसान भी होता है। तम्बाकू के सेवन से बचना चाहिए। उन्होंने कार्यशाला में मौजूद अधिकारियों को तत्काल अपने-अपने कार्यालयों में तम्बाकू मुक्त क्षेत्र होने की बोर्ड लगाने का निर्देश दिया। कहा कि अभियान को सफल बनाने के लिए मिल जुलकर कोशिश करनी होगी। आम लोगों के बीच जाकर तंबाकू सेवन नहीं करने के लिए जागरूक

करना होगा। सोशियो इकोनॉमिक एण्ड एजुकेशनल डेवलपमेंट सोसाईटी (सीड्स) के कार्यपालक निदेशक दीपक मिश्रा ने राज्य सरकार एवं सीड्स के द्वारा राज्य के सभी 24 जिलो में चलाए जा रहे तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत कोटपा-2003 की विभिन्न धाराओं के बारे में जानकारी दी। कहा कि तम्बाकू बुरी लत है। तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम को अभियान के रूप में चलाए जाने पर अच्छे परिणाम मिलेंगे। कार्यशाला में अपर समाहर्ता ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को नियमित रूप से जिले के शैक्षणिक संस्थानों का निरीक्षण करने तथा संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री नहीं होने देने के लिए प्रभावी उपाय करने का निर्देश दिया। विदित हो कि सार्वजनिक जगहों जैसे सिनेमा हॉल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, सड़क, शिक्षण संस्थानों, कार्यालयों समेत अन्य जगहों पर तम्बाकू सेवन दंडनीय अपराध है। कार्यशाला में जिले के सभी प्रशासनिक पदाधिकारियों समेत सिविल सर्जन और पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक कर रहे अधिकारी सुधरने की बजाय हर घंटे कट रही बिजली

धनबाद। गर्मी के मौसम में शटडाउन नहीं लेने के मुद्दे पर 18 अप्रैल को जेबीवीएनएल और डीवीसी के अधिकारियों की बैठक धनबाद में सुबह 11 बजे शुरू हुई। परंतु बैठक के पहले डीवीसी ने सुबह छह बजे से 10 बजे तक शट डाउन लिया। इस पर अधीक्षण अभियंता एसके कश्यप और डीवीसी के अधिकारियों के बीच झड़प भी हुई। डीवीसी ने आश्वासन दिया कि वह अब शटडाउन नहीं लेगा। लेकिन बैठक के बाद भी जिले में बिजली कटौती की स्थिति नहीं सुधरी। यही स्थिति गिरिडीह और बोकारो की भी है। धनबाद जिले के शहरी इलाकों में 8-10 घंटे बिजली गुल रहती है। ग्रामीण इलाकों में मुश्किल से 10 घंटे बिजली मिल रही है। यहां भी प्रतिदिन 14-15 घंटे बिजली कटौती हो रही है। अधिकारी जेबीवीएनएल और डीवीसी की बैठक के बाद 19 अप्रैल से स्थिति में सुधार होने की बात कह रहे हैं। गिरिडीह जिले के शहरी इलाकों में 12 से 13 घंटे बिजली मिल रही है। ग्रामीण इलाकों में मात्रा 10-12 घंटे बिजली मिल रही है। यहां भी बिजली की स्थिति काफी खराब है। बोकारो जिले के शहरी इलाकों में बिजली की स्थिति थोड़ी अच्छी है। बीएसएल के इलाकों में पावर कट न के बराबर है। बाकी शहरी इलाकों में 5-6 घंटे बिजली कट रही है।

बेरमो : शिक्षा से ही होगा समाज का सर्वांगीण विकास : एनके चौधरी

नवीन मेल संवाददाता। बेरमो
बोकारो थर्मल के अम्बेडकर नगर में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की पखवारा जयंती समारोह मनाई गई. अम्बेडकर बुद्धा सोसाइटी ऑफ इंडिया की ओर से सोमवार 17 अप्रैल की देर शाम आयोजित इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डीवीसी बोकारो ताप विद्युत केंद्र के परियोजना प्रधान सह मुख्य अभियंता एनके चौधरी मौजूद थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डीवीसी के उप महाप्रबंधक बीजी होलकर, भाजपा जिला अध्यक्ष भरत यादव, जिप सदस्य शहजादी बानो, सीसीएल गोविंदपुर के कार्मिक प्रबंधक एसडी रत्नाकर व मुख्य वक्ता के रूप में अर्जक संघ के मनोज कुमार शामिल थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एनके चौधरी ने कहा कि शिक्षा ही एक माध्यम है, जिससे अपना और समाज दोनों का विकास संभव है। आज के दौर में सभी क्षेत्रों में प्रतियोगिता बढ़ गई है, लेकिन जो बच्चे मेधावी हैं, वे हर मंजिल तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने कहा कि डीवीसी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ कर रही है। आसपास के क्षेत्रों में विकास कार्य भी निरंतर जारी है। मुख्य वक्ता मनोज कुमार ने कहा कि बाबा साहब अम्बेडकर की जीवन यात्रा काफी संघर्षमय रही है। इससे पहले बुद्ध वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इसके बाद संविधान की प्रस्तावना पढ़ी गयी। साथ ही मुख्य और विशिष्ट अतिथि को एक-एक संविधान की किताब भेंट की गई। अन्य अतिथियों को बाबा साहब के जीवन से संबंधित पुस्तकें दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता छोटन राम ने की। कार्यक्रम को रविन्द्र बौद्ध, कोलेश्वर बौद्ध, मानसी कुमारी, एसडी वर्मा, ने संबोधित किया। कार्यक्रम के आयोजक रामप्रसाद बौद्ध और विजय कुमार ने अतिथियों का स्वागत और धन्यवाद ज्ञापन किया।

कब्रिस्तान के पास झाड़ियों में लगी आग, अफरातफरी

झरिया। झरिया के हरलाडीह स्थित कब्रिस्तान की झाड़ियों में 18 अप्रैल को दिन के करीब 3 बजे आग लग गई। आग असामाजिक तत्वों ने लगाई. तेज लपटें देख वहां अफरा-तफरी का मौहल बन गया। स्थानीय लोग आग बुझाने में जुट गए। आग की भयावह स्थिति देख कब्रिस्तान में मौजूद जुमेराती मियां व एहसान ने झरिया थाना, बोरागढ़ ओपी व अग्निशमन विभाग को सूचना दी। सूचना पाते ही अग्निशमन विभाग की दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। एहसान ने बताया की कब्रिस्तान के झाड़ियों मे आग की तेज लपटे निकलता देख स्थानीय थाना आग से जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है।

कुड़मी समाज ने मनाया सरहुल

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड के मंजूरा गांव में 18 अप्रैल को आदिवासी कुड़मि समाज ने धूमधाम से सरहुल मनाया। गांव के नाया(पुजारी) जानकी महतो गुलिआर ने गांव के जाहेर थान में खीर का भोग चढ़ाकर पूजा अर्चना कर झागड़ हाड़ी से सर पर पानी डालते हुए घर तक आएं। इस दौरान अपने पुरखों के वासस्थल भुतपिढ़ा के समक्ष नाया को बैठा कर गांव की महिलाओं व बच्चियों ने शरीर पर तेल व हल्दी लगा सिर पर पानी डाल आशीर्वाद लिया। नाया ने ग्रामीणों के बीच सखुआ फूल बांटा। मंजूरा गांव में भोक्ता पूजा के बाद सरहुल मनाने की परंपरा चली आ रही है। परब के माध्यम से भूमिगत जलस्तर का अनुमान व होने वाली वर्षा का पूवार्नुमान लगातें हैं। इसके लिए नाया जाहेरथान में कांसा के लोटा में पानी भरकर उसे 5 दिनों तक घर में रखता है। इसके बाद लोटा का जल स्तर से अनुमान लगाया जाता है कि इस साल वर्षा का क्या स्तर रहेगा। मौके पर उमाचरण गुलिआर, हीरालाल केसरिआर, टुपकेश्वर केसरिआर, प्रवीण केसरिआर, सहदेव टिडुआर, पियूष बंसरिआर, जनक केसरिआर, गणेश केसरिआर, कमल जालबानुआर, दुर्गा पुनअरिआर, द्वारिका केसरिआर, कुलेश्वर केसरिआर, लालमोहन गुलिआर, निरंजन केसरिआर, रूपेश हिन्दइआर, अजीत टिडुआर, सुरेश हिन्दइआर, जंगबहादुर केसरिआर आदि मौजूद थे।

दो माह से लापता किशोर का नहीं मिला सुराग

गिरिडीह। बेंगाबाद थाना क्षेत्र के दिघरियाकला गांव से दो माह पूर्व लापता 12 वर्षीय किशोर अनीश कुमार रजक का अभी तक सुराग नहीं मिला है। किशोर की तलाश में उसके दिव्यांग पिता टिंकू रजक दर दर भटकने को मजबूर है। उन्होंने किशोर को तलाशने के लिए बाल संरक्षण समिति से मदद की गुहार लगाई है। पिता के गुहार लगाने पर समिति के सदस्य 18 अप्रैल को बेंगाबाद थाना पहुंचे और मामले की जानकारी ली। थाना प्रभारी शशि सिंह ने समिति के सदस्यों को किशोर के लापता होने से संबंधित जानकारी दी। बता दें कि छठी कक्षा का छात्र किशोर अचानक दो माह पूर्व अपने गांव से लापता हो गया. पिता ने अपने स्तर पर खोजबीन की। इसके बाद बेंगाबाद थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस भी काफी तलाश की लेकिन उसकी पता नहीं चला। किशोर की मां भी करीब दो वर्ष पूर्व पति और बेटे को छोड़कर फरार हो गई। उसका भी अब तक पता नहीं चल पाया है। बेंगाबाद पुलिस इस संबंध में किशोर के मामा एवं अन्य लोगों से पूछताछ की, लेकिन पता नहीं चला।

बांस लदा ट्रैक्टर पलटा, मजदूर घायल

गिरिडीह। बेंगाबाद थाना क्षेत्र के झलकडीहा मोड़ के समीप मंगलवार 18 अप्रैल को एक बांस लदा ट्रैक्टर गहरे गड्ढे में जा गिरा। दुर्घटना में ट्रैक्टर का चालक बाल-बाल बच गया, जबकि ट्रैक्टर पर बैठा एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद चालक ट्रैक्टर को छोड़ मौके पर से फरार हो गया। स्थानीय लोगों के सहयोग से घायल मजदूर को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। घायल मजदूर कहां का रहने वाला है, इस बात का पता नहीं चल पाया है। इधर दुर्घटना की सूचना मिलते ही बेंगाबाद पुलिस मौके पर पहुंची। तब तक मजदूर को इलाज के लिए भेजा जा चुका था। पुलिस स्थानीय लोगों से पूछताछ कर ट्रैक्टर मालिक व मजदूर के बारे में पता लगाने के प्रयास में जुट गई है। जानकारी के अनुसार एक ट्रैक्टर पर टेंट में काम आने वाला बांस लाद कर डाकबंगला की तरफ से लाया जा रहा था। इसी दौरान झलकडीहा मोड़ के समीप ओवरलोड होने के कारण ट्रैक्टर अनियनत्रित हो गया और सड़क किनारे गहरे गड्ढे में जा गिरा।

फंदे से लटककर विवाहिता ने दी जान

गढ़वा। चिनिया थाना क्षेत्र में रहने वाले करमू लोहरा की 20 वर्षीय पुत्री रीता देवी ने मंगलवार सुबह फंदे से लटककर जान दे दी। शव खुरी गांव स्थित पेड़ से लटका मिला। बताया जा रहा है कि रीता गांव में अपने मामा के यहां महुआ चुनने गई थी। जो सुबह में मामा के घर से सौ मीटर दूरी पर स्थित महुआ के पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी शादी चिनिया थाना क्षेत्र के रानीचेरी गांव में रामचंद्र लोहरा के पुत्र सुरेंद्र लोहरा से तीन साल पहले हुई थी। बताया जाता है कि उसका पति बाहर प्लांट में काम करने गया हुआ है। महिला का एक दो वर्ष का एक बच्चा भी है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी राज बल्लभ कुमार ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद की मौत की वजह स्पष्ट हो पाएगी। वहीं, पुलिस पूरे मामले की हर एंगल से जांच कर रही है।

धनबाद : नियोजन नीति के विरोध में निकाला गया मशाल जुलूस

नवीन मेल संवाददाता। धनबाद
झारखंड नियोजन नीति 60-40 के विरोध में मंगलवार 18 अप्रैल को छात्रों-युवाओं ने मशाल जुलूस निकाला। मशाल जुलूस में दर्जनों विधार्थियों ने भाग लिया। मशाल जुलूस तोपचांची प्रखंड के हटिया मैदान से निकला और तोपचांची सुभाष चौक तक गया। जुलूस में शामिल युवाओं ने झारखंड सरकार के विरोध में जमकर नारेबाजी की। बता दें कि झारखंड नियोजन नीति 60-40 के विरोध में छात्र संगठनों का 72 घंटे का आंदोलन शुरू हो गया है। आंदोलन से जुड़े विशाल महतो ने कहा कि सरकार सही ढंग से स्थानीय नीति, नियोजन नीति बनानी चाहिए। वैकेंसी निकालने की भी जरूरत है। क्योंकि छात्र-छात्राओं की उम्र बढ़ती जा रही हैं। अगर समय पर सरकार सही निर्णय ले लेती तो आंदोलन करने की जरूरत नहीं होती। सरकार पहले स्थानीय नीति को परिभाषित करे, फिर नियोजन नीति बनाए। सरकार को 90-10 की नियोजन नीति बनानी चाहिए। उन्होंने एक दिन पहले रांची में छात्र पर लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की और कल झारखंड बंद करने का आह्वान किया। साथ ही जरूरी सेवाओं को बंदी से मुक्त रखने को कहा गया।

आस्था **भक्तों के जयकारे से पूरा क्षेत्र हुआ भक्तिमय, विधायक ने किया झंडोत्तोलन**

कलश यात्रा के साथ गायत्री महायज्ञ शुरू

नवीन मेल संवाददाता। धनबाद
धनबाद अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा पूर्व बेकारबांध पोलटेक्निक रोड स्थित ब्लेसिंग बैंक्विट में चार दिवसीय 24 कुण्डीय नव चेतना जागरण गायत्री महायज्ञ व श्रीमद पावन प्रज्ञा पुराण कथा तथा विराट दीप यज्ञ का का शुभारंभ 18 अप्रैल मंगलवार को कलश शोभायात्रा से हुआ। कलश यात्रा में महिलाओं और पुरुष श्रद्धालुओं की भारी भीड़ थी। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के जयकारे से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया. मुख्य अतिथि विधायक राज सिन्हा ने झंडोत्तोलन किया. कलश यात्रा में नशा उन्मूलन, पर्यावरण संतुलन, साहित्य एवं अहिंसा परमोधर्म, राष्ट्र पिता महात्मा गांधी की झांकी भी शामिल थी। गुरु देव पंडित राम शर्मा आचार्य, माता भगवती देवी शर्मा एवं मां गायत्री की तस्वीर के साथ रथ चल भी रहा था। कलश यात्रा में शामिल लोग गायत्री मंत्र, संगीत एवं गायत्री माता की जय, परम पूज्य गुरुदेव की जय,परम वंदनीय माता की जय,अत्याचार का अंत हो, दहेज प्रथा बंद हो आदि नारे लगाते चल रहे थे। जगह-जगह श्रद्धालुओं के लिए शर्बत आदि की भी व्यवस्था की गई थी। कलश शोभायात्रा सिटी सेंटर, एसएसएलएनटी कॉलेज, कचहरी रोड होकर डीआरएम मोड होते हुए बेकारबांध तालाब पहुंची, जहां हरिद्वार से पधारे परमेश्वर साहू, टोली नायक विनोद कुमार (सहायक) सोमारु, हुकुमचंद के मंत्रोच्चारके साथ कलश में जल उठाया गया। इसके बाद कलश यात्रा पुनः यज्ञ स्थल पर पहुंची, जहां परिक्रमा के बाद कलश स्थापित किया गया। यज्ञ को लेकर लोगों में उत्साह देखा गया। कलश यात्रा व मंडप प्रवेश के साथ ही चार दिवसीय महायज्ञ प्रारंभ हो गया, जो 21 अप्रैल तक चलेगा. कार्यक्रम को सफल बनाने में विभूति शरण सिंह, अरविंद कुमार, सुमन धारी शर्मा, सतीश सिंह, कुमार विशु, उपेंद्र शर्मा, उपेंद्र लाल दास, संयुक्ता देवी, नरेश भाट, एके शर्मा आदि जुटे हैं।

फिर गर्मी व बिजली..

झारखंड में तापमान बढ़ने लगा है। इसके कुछ जिलों में अधिकतम तापमान 42 तक पहुंच गया है। अभी गर्मी और बढ़ने की संभावना है। ऐसे में पारा और चढ़ेगा। लू और गर्म हवा के चलने से आम लोग हलकान हैं। दोपहर में बाहर निकलना मुश्किल होने लगा है। अप्रैल में ही जब यह आलम है तो मई में क्या होगा? ऐसे में ये दो माह शादी विवाह के लिए अनुकूल माना जाता है। शादी के घरों में अभी से हाथ पांव फूलने लगे हैं। बहरहाल गर्मी और बढ़ने के पूरे आसार दिखने लगे हैं। राज्य का तापमान 42.0 के पार जा सकता है। पलामू का तापमान 43 डिग्री पहुंच गया है। जाहिर है आने वाले दिनों में गर्मी और परेशानी का सबब बनेगी। ऐसे में फिलहाल राहत की संभावना नहीं है। हांलाकि मौसम विभाग ने बुधवार से कुछ हिस्सों में पानी की संभावना जतायी है। ऐसे में पलामू देश के सबसे अधिक गर्म इलाकों में माना जाता है। इस स्थिति में सबसे अधिक परेशानी बिजली की है। जो अभी से ही यहां दिखने लगा है। पलामू प्रमंडल में खपत के अनुसार बिजली आधी मिल रही है। कई इलाकों को 8 से 10 घंटे तक लोड शेडिंग किया जा रहा है। इससे स्थानीय लोगों को रोजमर्रा के कामकाज में परेशानी आ रही है। बिजली नहीं रहने के कारण कई इलाके में पानी की सप्लाई भी बाधित हुई है। जिले में खपत के अनुसार बिजली नहीं मिलने के कारण लोगों में अभी से ही आक्रोश देखा जा रहा है। पलामू में अकेले 55 मेगावाट के करीब बिजली की खपत है, लेकिन पलामू को फिलहाल 30 से 40 मेगावाट ही बिजली मिल पा रही है। गढ़वा जिला में 30 मेगावाट के करीब बिजली की खपत है, लेकिन 20 मेगावाट की करीब बिजली मिल रही है। इससे सहज अंदाजा लगाया जा रहा है कि आने वाले दिनों में और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। गौरतलब है कि यह परेशानी हर साल होती है। लेकिन इससे निपटने के लिए अभी तक कोई कारगर कदम नहीं उठाये गये हैं। यही कारण है कि यह समस्या यथावत है। गर्मी की दस्तक देते ही प्रत्येक वर्ष बिजली की समस्या शुरू हो जाती है। इस समस्या पर कोई भी कुछ भी बोलने से परहेज करता है। उसके पीछे का सच यह है कि बिजली सप्लाई की कमी है। मुख्यालय से निर्देश मिलने के बाद कई इलाकों में लोडशेडिंग किया जाता है। वहीं, आवश्यकता अनुसार बिजली की उपलब्धतता नहीं हो पा रही है। राज्य के अलग-अलग हिस्सों में भी समय-समय पर लोड शेडिंग की जा रही है। हालांकि झारखण्ड बिजली वितरण निगम की मानें तो इसके लिये पहले से निर्देश जारी कर दिया गया है। जिसमें कहा गया है, कि बिजली की आपूर्ति सामान्य बनाये रखना है। वहीं, बगैर निर्देश के लोड शेडिंग नहीं की जाये। वहीं, सेंट्रल पुल से लगभग 750 मेगावाट बिजली दी जाती है। एनर्जी एक्सचेंज प्रति दिन 100 यूनिट खरीदता है। वहीं, राज्य के सात जिलों में डीवीसी की ओर से बिजली आपूर्ति की जाती है। पलामू सहित राज्य के ग्रामीण इलाकों में बिजली संकट अधिक है। जहां, चार से पांच घंटे बिजली कटौती की जा रही है। हालांकि शहरी इलाकों मे बिजली संकट कम है। झारखण्ड बिजली वितरण निगम की मानें तो राज्य में बढ़ती गर्मी के साथ बिजली की मांग बढ़ने की संभावना है। ऐसे में बगैर जागरूकता लाये खपत को कम नहीं किया जा सकता है। ऐसे में इस विकराल समस्या से निजात के लिए एक बड़े कदम की जरूरत है। आइये इस दिशा में आगे हम-सब आगे बढ़ें।

शादी के घरों में अभी से हाथ पांव फूलने लगे हैं। बहरहाल गर्मी और बढ़ने के पूरे आसार दिखने लगे हैं। राज्य का तापमान 42.0 के पार जा सकता है। पलामू का तापमान 43 डिग्री पहुंच गया है।

तोता नहीं, गरूड़ बन गई है सीबीआई

सियाराम पांडेय शांत

किसी भी संस्था की षष्टिपूर्ति मायने रखती है। भारत ही एक ऐसा देश है, जहां साठ साल के व्यक्ति को जवान माना जाता है। 'साठा पर पाठा' कहने की परंपरा रही है। संस्थाओं पर भी कमोवेश यही बात लागू होती है। किसी संस्था के साठ साल पूरे करना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की स्थापना के हाल ही में साठ साल पूरे हो गये हैं। उसकी स्थापना 01 अप्रैल, 1963 को केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से एक संकल्प के जरिये की गई थी। भ्रष्टाचार के उन्मूलन और सत्यनिष्ठा की स्थापना के लिए लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्प से दिल्ली स्पेशल पुलिस इस्टेब्लिशमेंट एक्ट, 1946 पारित हुआ था। सन 1962 में लाल बहादुर शास्त्री ने प्रशासन में भ्रष्टाचार की बढ़ती घटनाओं से निपटने और सुझाव देने के लिए संथानम कमेटी बनाई थी। कमेटी की संस्तुतियों पर अमल करते हुए भारत सरकार ने एक अप्रैल 1963 को प्रस्ताव द्वारा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो यानी सीबीआई की स्थापना की थी। 1963 से लेकर अब तक सीबीआई लोगों की सेवा कर रही है। श्रीनगर से तिरुअनंतपुरम और गांधीनगर से ईटानगर तक देश के 36 शहरों में इसके अपने कार्यालय हैं। सीबीआई ने वांछित भगोड़ों की भारत वापसी के लिए ऑपरेशन त्रिशूल , ड्रग्स संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए आपरेशन गरुड़ , साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए आपरेशन चक्र , बाल यौन शोषण को रोकने के लिए आपरेशन मेघ चक्र लॉन्च कर रखा है। देश के प्रथम सीबीआई निदेशक डी.पी.कोहली ने अपने अधिकारियों से कहा था कि जनता आपसे कार्यकुशलता और सत्य निष्ठा में उच्चतम स्तर की अपेक्षा करती है। इस विश्वास को बनाये रखना है। कहना न होगा कि सीबीआई आज भी उन अपेक्षाओं पर खुद को खरा साबित करने के लिए जी-तोड़ मेहनत करती है। चाहे एलएन मिश्रा हत्याकांड, राजीव गांधी हत्याकांड, मुंबई बम विस्फोट मामला रहा हो या फिर पुरुलिया में हथियार गिराने का मामला, उनका रहस्योद्घाटन सीबीआई ने जिस खूबी और पारदर्शिता से किया, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए, कम है। पश्चिम बंगाल के शारदा चिट फंड घोटाले, कोयला घोटाले, आईसी-813 हाइजैकिंग केस, बिहार के सृजन घोटाले, प्रियदर्शनी मट्टू मर्डर केस, बिहार के चारा घोटाले , कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाले, टेलीकॉम घोटाले, हर्षद मेहता केस, स्टांप पेपर घोटाले, सत्यम घोटाले, कैट स्कैम केस, को-आपरेटिव ग्रुप हाउसिंग स्कैम, शोपियां दुष्कर्म और हत्या मामला, बेंगलुरु हत्याकांड, असम सीरियल ब्लास्ट मामले, कोठखाई दुष्कर्म हत्या केस , यश बैंक-डीएचएफएल लोन धोखाधड़ी केस, एनएसई को-लोकेशन स्कैम की जांच और उसे अंजाम तक पहुंचाने की अनेक उपलब्धियां उसके नाम हैं। वह अपराधियों और राजनीतिज्ञों दोनों के आंखों की किरकिरी बनी रहती है लेकिन जनता का भरोसा जीतने में वह कभी पीछे नहीं रही। यह और बात है कि उस पर केंद्र सरकार के इशारे पर काम करने के भी आरोप लगे। डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्ववाली संप्रग सरकार में तो देश की शीर्ष अदालत ने उसे सरकारी तोता तक कह दिया था

भ्रष्टाचार की बढ़ती घटनाओं से निपटने व सुझाव देने के लिए संथानम कमेटी बनाई थी। भारत सरकार ने 1 अप्रैल 1963 को प्रस्ताव द्वारा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो यानी सीबीआई की स्थापना की थी।

इन दिनों

लेकिन इसके बावजूद सीबीआई ने अपने दायित्वों से समझौता नहीं किया। जब जहां, जैसा मौका मिला, उसने अपनी जांच प्रक्रिया को न केवल गति दी बल्कि अपराधियों को जेल के सलाखों के पीछे भेजने में भी बड़ी भूमिका का निर्वाह किया। जिस कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की सरकार पर सीबीआई को सोने के पिंजरे में बंद करके रखने का आरोप था, वही कांग्रेस और फिलहाल उसके समर्थन में खड़े भाजपा विरोधी दल भी सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की भूमिका को आए दिन कठघरे में खड़ा करते रहते हैं। इसकी अपनी बड़ी वजह भी है। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीबीआई से कहा कि भ्रष्ट व्यक्तियों को छोड़ा न जाए। मार्च 2016 में मंत्री जितेंद्र सिंह ने संसद को बताया था कि वर्ष 2013 में भ्रष्टाचार के लिए 1136 लोग दोषी करार दिये गये जबकि 2014 में 993, 2015 में 878, 2016 में 71 लोग दोषी करार दिये गये। इस लिहाज से देखें तो संप्रग सरकार में दोष सिद्धि की दर अधिक रही। बकौल सिब्बल, लोग झूठ बोल सकते हैं लेकिन तथ्य नहीं। भ्रष्टाचारी को कौन बचा रहा है? अब यह उनकी सुविधा का संतुलन है लेकिन जितेंद्र सिंह ने जब यह आंकड़ा पेश किया तो उनका मंतव्य था कि राजग सरकार में भ्रष्टाचार में कमी आई है। अब यह अपना-अपना नजरिया है कि हम चीजों को अपनी सुविधा के लिहाज से देखते हैं। सच तो यह है कि विपक्ष के कई नेताओं के खिलाफ सीबीआई और ईडी की जांच चल रही है। ज्यादातर जांच बहुत समय से चल रही है। शिवसेना, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, राजद, झारखंड मुक्ति मोर्चा , टीआरएस, आम आदमी पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी जैसे दलों के बहुत से नेता सीबीआई जांच के दायरे में हैं। जैसे-जैसे विपक्षी दलों के नेता जांच के शिकंजे में फंस रहे हैं, वैसे-वैसे मोदी सरकार पर सीबीआई और ईडी के दुरुपयोग के आरोप भी लग रहे हैं। ऐसा लगता है कि 2024 के आम चुनाव के मद्देनजर अगर विपक्षी दलों में एकता बनेगी तो इसके मूल में सीबीआई-ईडी की उन पर चल रही कार्रवाई ही प्रमुख होगी। यह और बात है कि विपक्ष मोदी सरकार के अब तक के नौ वर्षों के कार्यकाल में कोई ऐसा ठोस मुद्दा नहीं तलाश पाया है जिसे धार देकर वह चुनावी वैतरणी पार कर सके। सीबीआई, ईडी के दुरुपयोग, संवैधानिक संस्थाओं पर हमले, लोकतंत्र पर खतरे जैसे आभासी मुद्दे उछाल कर विपक्ष केंद्र की नरेंद्र सरकार को चुनौती देना चाहता है। विपक्ष भ्रष्टाचार के आरोपों को सियासी मुद्दा बनाकर जिस तरह सरकार को चुनौती देने में जुटा है, तो मोदी सरकार भी भ्रष्टाचार की ही पिच पर 2024 का सियासी मैच खेलने का मन बना चुकी है। सीबीआई के हीरक जयंती समारोह में एक भी भ्रष्ट व्यक्ति को न बख्शने की सीबीआई को नसीहत देकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष को सीधा संदेश दे दिया है। साथ ही, भ्रष्टाचार को न केवल लोकतंत्र और न्याय की राह में सबसे बड़ा रोड़ा करार दिया है बल्कि यह भी कहा है कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की प्रमुख जिम्मेदारी भारत को भ्रष्टाचार से मुक्त कराने की है। यह सुस्पष्ट करने में भी उन्होंने देर नहीं लगाई कि मौजूदा सरकार में भ्रष्टाचार से लड़ने की राजनीतिक इच्छाशक्ति कम नहीं है।

बोधि वृक्ष

आईए सुनें भगवान वेंकटेश्वर की कथा

लेकिन भगवान ब्रह्मा विष्णु के नाम का जाप करने में इतने तल्लीन थे कि उन्होंने ऋषि भृगु को नोटिस नहीं किया। इस व्यवहार से क्रोधित होकर ऋषि भृगु ने ब्रह्मा को शाप दिया कि कोई भी उनकी धरती पर पूजा नहीं करेगा। तब ऋषि भगवान शिव के पास गये। उस समय शिव देवी पार्वती से बात करने में तल्लीन थे और ऋषि को नोटिस करने में विफल रहे। तो, ऋषि ने भगवान को शाप दिया कि वह केवल पत्थर (लिंग) के रूप में पूजे जाएंगे। उस ऋषि के बाद भृगु भगवान विष्णु के पास गए, जिन्होंने उन्हें भी नहीं देखा। इससे क्रोधित होकर ऋषि ने भगवान विष्णु को अपने सीने से लगा लिया। ऐसा माना जाता है कि देवी महालक्ष्मी भगवान विष्णु की छाती में निवास करती हैं। ऋषि को शांत करने के प्रयास में, भगवान विष्णु ने ऋषि के पैर पकड़ लिए और उन्हें धीरे से दबाने लगे। ऐसा करते समय, प्रभु ने अपने पैर से ऋषि की अतिरिक्त आंख को निचोड़ लिया जिससे ऋषि का अहंकार समाप्त हो गया। ऋषि ने अपनी गलती के लिए माफी मांगी। हालांकि, देवी महालक्ष्मी ऋषि से माफी मांगने के अपने कार्य पर भगवान विष्णु से बहुत निराश थीं। वह बहुत क्रोधित हुई, वैकुंठ को छोड़ा और पृथ्वी पर उतरी। भगवान विष्णु भी देवी की तलाश करने के लिए पृथ्वी पर आए और वेंकट पहाड़ी के पास एक इमली के पेड़ के नीचे एक चींटी पहाड़ी में शरण ली। भगवान ने भोजन और नींद त्याग दी और देवी के वापस लौटने के लिए ध्यान करने लगे। भगवान विष्णु की पीड़ा देखकर भगवान ब्रह्मा और शिव ने गाय और बछड़े का रूप धारण कर लिया। चोल देश के राजा ने उन्हें खरीदा और उन्हें वेंकट पहाड़ी के खेतों में चरने भेजा। चींटी पहाड़ी पर भगवान विष्णु की खोज करने पर, गाय ने उन्हें दूध पिलाया।

(क्रमशः)

केंद्र की अच्छी पहल है भ्रष्टाचार मुक्त भारत

देश को अच्छा वातावरण देने के लिए भ्रष्टाचार मुक्त शासन प्रणाली की चाह हर किसी को है, क्योंकि भारत में भ्रष्टाचार की जड़ें बहुत गहरे तक घर कर चुकी हैं। यह भी एक बड़ा सच है कि जो भ्रष्टाचार का शिकार होता है, वह अनीति के मार्ग पर कदम बढ़ाने का दुस्साहसिक कार्य ही करता है। सैद्धांतिक तथ्य यह है कि जितना भ्रष्टाचार करने वाला दोषी है, उतना ही भ्रष्टाचार का शिकार होने वाला भी दोषी है, इसलिए दोनों का ही जीवन कुसंस्कार की बलि चढ़ जाता है। कहा जाता है कि जो परिश्रम करके खाता है, उसके जीवन में संतोष होता है, लेकिन जो भ्रष्टाचार करके खाता है, उसको कई लोगों के हृदय से उफनती हुई गालियों को झेलना होता है यानी उसको बद्दुआ ही मिलती है। कांग्रेस के शासनकाल में जिस प्रकार से भ्रष्टाचार के काले कारनामे उजागर हुए, उससे तो ऐसा ही लगता था कि अब देश से भ्रष्टाचार रूपी बुराई का अंत नहीं हो सकता। यह सामान्य अवधारणा स्थापित हो चुकी थी। लेकिन ध्यान देने वाली बात यह भी है कि जब से देश में नरेन्द्र मोदी की सरकार आई है, तब से केंद्र सरकार पर किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा है। इसका कारण स्पष्ट है कि केंद्र सरकार की इस मामले में स्पष्ट नीति है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने प्रथम कार्यकाल में ही यह कहकर भ्रष्टाचार मिटाने की संकल्प लिया था कि न खाऊंगा और न खाने दूंगा। कहा जाता है कि जब शासनकर्ताओं की नीयत साफ होती है तो नीचे भी संदेश अच्छा ही जाता है। अभी हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के एक कार्यक्रम में एक बार फिर से इस आशय को स्पष्ट करते हुए कहा है कि देश में कोई भी भ्रष्टाचारी बचना नहीं चाहिए। यानी केंद्र सरकार आज भी भ्रष्टाचार मिटाने के लिए संकल्पित है। वर्तमान में केंद्र सरकार के स्तर से भ्रष्टाचार मिटाने की ठोस पहल की जा रही है। इतना ही नहीं आज केंद्र सरकार ने देश में घर कर चुकी इस आम धारणा को बदला है कि भ्रष्टाचार पर रोक नहीं लगाई जा सकती। लेकिन क्या भ्रष्टाचार मुक्त भारत केवल केंद्र सरकार द्वारा उठाये गये कदमों से ही संभव हो सकेगा। ऐसा नहीं हो सकता। इसके लिए देश की राज्य सरकारों को भी भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने के लिए केंद्र सरकार का भरपूर सहयोग करना चाहिए। इसके लिए सरकार को जांच एजेंसियों का सहयोग लेना चाहिए। यह बात सही है कि देश में केंद्रीय जांच ब्यूरो एक ऐसी संस्था है, जिस पर हर कोई विश्वास करता है। देश में किसी भी घटना में न्याय की उम्मीद नहीं दिखने पर लोग सीबीआई जांच की मांग भी इसलिए ही करते हैं, क्योंकि सीबीआई जांच के मामले में एक विश्वसनीय संस्था है। पिछले कुछ सालों में ब्यूरो ने ऐसे लोगों पर हाथ डालने का साहस दिखाया है, जिस पर हाथ डालने की किसी ने हिम्मत नहीं की। ऐसे लोगों द्वारा देश के धन पर एक प्रकार से डाका ही डाला था। सरकारी खजाने की लूट करने वाले इन भ्रष्टाचारियों पर अगर सीबीआई ने कार्रवाई की है, तो इसे भ्रष्टाचार को समाप्त करने वाला ठोस कदम ही माना जाना चाहिए, लेकिन देश में विपक्षी दलों की ओर से जिस प्रकार से ब्यूरो की जांच को आधार बनाकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा गया, वह उनकी मानसिकता को उजागर करने के लिए काफी है। सवाल यह है कि अगर इन लोगों ने भ्रष्टाचार के रूप में कमाई नहीं की है तो इनको डर क्यों लग रहा है? डरता वही है, जो गलत होता है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर दोष सिद्ध होने के बाद भी उनकी ओर से सीबीआई पर आरोप लगाना किसी भी प्रकार से उचित नहीं माना जा सकता, क्योंकि वे स्वयं भ्रष्टाचार के आरोप में जेल की हवा खा चुके हैं।

सुरेश हिन्दूस्थानी

कांग्रेस के शासनकाल में जिस प्रकार से भ्रष्टाचार के काले कारनामे उजागर हुए, उससे तो ऐसा ही लगता था कि अब देश से भ्रष्टाचार रूपी बुराई का अंत नहीं हो सकता। यह सामान्य अवधारणा स्थापित हो चुकी थी।

भ्रष्टाचार के खिलाफ

फोटो की दुनिया

ट्वीट-ट्वीट

punya prasun bajpai
@ppbajpai

पद पर रहते हुए सच बोलना क्या बेईमानी है..
पद छोड़ने के बाद सच बताना क्या ईमानदारी है..

फेसबुक वॉल से

Kaushal Kishore Shukla
1 d ·

वक्त के साथ एक बड़ी प्राब्लम यह है कि वह लगातार, अनवरत बदलता रहता है!

वैश्विक खुशहाली सूचकांक में कई बुनियादी गलतियां

क्या केवल यूरोपीय देशों के नागरिक ही प्रसन्न रहते हैं, जबकि एशिया से चीन विश्व की दूसरी, जापान विश्व की तीसरी एवं भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अर्थात, विश्व की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में तीन एशिया के देश हैं, परंतु फिर भी एशिया के नागरिक प्रसन्न नहीं हैं? अभी हाल ही में वर्ष 2023 के लिए वैश्विक प्रसन्नता प्रतिवेदन (ग्लोबल हप्पीनेस रिपोर्ट 2023) जारी किया गया है। वैश्विक प्रसन्नता प्रतिवेदन को 150 से अधिक देशों का विभिन बिंदुओं पर सर्वे करने के उपरांत, संयुक्त राष्ट्र दीर्घकालिक विकास समाधान तंत्र द्वारा प्रकाशित किया जाता है। वैश्विक प्रसन्नता प्रतिवेदन को अंतिम रूप देने के पूर्व, स्वस्थ जीवन प्रत्याशा, प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद, सामाजिक सहयोग, भ्रष्टाचार का स्तर, समाज में नागरिकों के बीच आपसी सदस्यता एवं निर्णय लेने की स्वतंत्रता जैसे बिंदुओं पर विभिन्न देशों का आकलन किया जाता है। फिनलैंड, डेनमार्क, आइसलैंड, स्वीडन एवं नॉर्वे जैसे छोटे छोटे देश जिनकी जनसंख्या तुलनात्मक रूप से बहुत कम रहती है, इस सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त करने में सफल हो जाते हैं। उक्त सर्वे के अनुसार सबसे अधिक प्रसन्न देश, फिनलैंड में केवल 55 लाख नागरिक निवास करते हैं, डेनमार्क में 58.6 लाख लोग रहते हैं एवं आइसलैंड में तो महज 3.73 लाख नागरिक ही निवास करते हैं। इसके विपरीत भारत के अकेले मुम्बई, दिल्ली, कोलकता, चेन्नई, बैंगलोर, हैदराबाद जैसे शहरों की जनसंख्या इन देशों की उक्त वर्णित जनसंख्या से कई गुना अधिक है। वैसे विश्व के विभिन्न देशों के नागरिकों की प्रसन्नता को एक जैसे 6 अथवा 7 बिंदुओं पर सर्वे करते हुए नहीं आंका जा सकता है। क्योंकि, प्रत्येक देश के नागरिकों में खुशी अथवा गम की अवस्था अलग-अलग कारकों एवं कारणों के चलते भिन्न-भिन्न होती है। वैश्विक प्रसन्नता प्रतिवेदन के माध्यम से जारी सूची में भारत को 126वां स्थान दिया गया है। परंतु, आश्चर्य तो इस बात पर है कि लगातार आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक समस्याओं से जूझ रहा पाकिस्तान इस सूची में 103वें स्थान पर है। इस आकलन के अनुसार, क्या पाकिस्तान के नागरिक, भारत के नागरिकों की अपेक्षा अधिक प्रसन्न हैं? इसी प्रकार, इस सूची में चीन को 64वां, नेपाल को 78वां, बांग्लादेश को 118वां एवं श्रीलंका को 112वां स्थान दिया गया है। जबकि, श्रीलंका, बांग्लादेश एवं नेपाल भी लगातार आर्थिक समस्याओं से जूझते हुए दिखाई दे रहे हैं। वैश्विक प्रसन्नता प्रतिवेदन के माध्यम से जारी सूची में शीर्ष 20 देशों में एशिया का कोई भी देश शामिल नहीं है। अर्थात, केवल यूरोपीय देशों के नागरिक ही प्रसन्न रहते हैं, जबकि एशिया से चीन विश्व की दूसरी, जापान विश्व की तीसरी एवं भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अर्थात, विश्व की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में तीन एशिया के देश हैं, परंतु फिर भी एशिया के नागरिक प्रसन्न नहीं हैं? उक्त वैश्विक प्रसन्नता प्रतिवेदन को अंतिम रूप दिये जाते समय सम्भवतः कुछ बुनियादी गलतियां हुई होंगी, ऐसा आभास होता है। क्योंकि, उक्त सर्वे के साथ ही इसी संदर्भ में तीन अन्य सर्वे भी जारी हुए हैं, जिनके परिणामों में भारतीय नागरिकों को बहुत प्रसन्न बताया गया है। भारतीय स्टेट बैंक के आर्थिक अनुसंधान विभाग द्वारा भी अभी हाल ही में विभिन्न देशों में नागरिकों की प्रसन्नता को आंकने के संदर्भ में एक सर्वे किया गया है। यह सर्वे मुख्य रूप से वित्तीय क्षेत्र में प्रसन्नता, कार्य स्थल पर पहुंचने एवं उत्पादकता से सम्बंधित प्रसन्नता, मानसिक प्रसन्नता, जीवन एवं कार्य के बीच संतुलन, ऊर्जा की उपलब्धता, आदि जैसे बिंदुओं पर आधारित है।

प्रहलाद सबनानी

उक्त सर्वे के अनुसार सबसे अधिक प्रसन्न देश, फिनलैंड में केवल 55 लाख नागरिक निवास करते हैं, डेनमार्क में 58.6 लाख लोग रहते हैं व आइसलैंड में तो महज 3.73 लाख नागरिक ही निवास करते हैं।

अर्थ जगत

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, स्थानीय संपादक : आनंद सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 222539, फैक्स नंबर : 06562-241176/ 231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-2283384, फैक्स नंबर : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25, निचली मंजिल, तानसेन मार्ग, (बंगाली बाजार), नई दिल्ली-1, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com, (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)।

झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन में इन पदों पर निकली बंपर भर्ती

नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए बड़ा मौका आया है। झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन की नॉन टीचिंग स्पेशलिस्ट डॉक्टर पदों पर भर्ती निकली है। इन पदों पर आवेदन की लास्ट डेट 2 मई 2023 है। नौकरी की तलाश कर रहे उम्मीदवारों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। बता दें कि झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन की नॉन टीचिंग स्पेशलिस्ट डॉक्टर पदों भर्ती निकाली है। ऐसे में जो भी उम्मीदवार इन पदों पर आवेदन करना चाहते हैं। वह ऑफिशियल वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं। झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन ने कई पदों पर नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के जरिए 771 नॉन टीचिंग स्पेशलिस्ट डॉक्टर पदों को भरा जाएगा। ऐसे में जो भी कैंडिडेट इन पदों पर आवेदन करना चाहते हैं वह ऑफिशियल वेबसाइट jpsc.gov.in पर विजिट कर अपना एप्लीकेशन फॉर्म भर सकते हैं। आपको बता दें कि इन पदों पर 31 मार्च से आवेदन शुरू हो गए हैं। इन पदों पर आवेदन करने की लास्ट डेट 2 मई 2023 है।

वैकेंसी की डिटेल

इस भर्ती के माध्यम से नॉन टीचिंग स्पेशलिस्ट डॉक्टर के कुल 771 पदों को भरा जाएगा।

महत्वपूर्ण तारीख

ऑनलाइन आवेदन की डेट- 31 मार्च 2023
आवेदन की लास्ट डेट- 2 मई 2023

क्वालिफिकेशन

जो भी कैंडिडेट इन पदों पर आवेदन करना चाहते हैं। उनके पास किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान से संबंधित एमडी, एमएस आदि की डिग्री होनी चाहिए। इस भर्ती के लिए योग्यता के विषय में अधिक जानकारी लेने के लिए ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर चेक कर सकते हैं।

आयु सीमा

इन पदों पर आवेदन करने वाले कैंडिडेट की न्यूनतम आयु सीमा 25 वर्ष और अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष होनी चाहिए। वहीं आरक्षित वर्ग के कैंडिडेट उम्र सीमा में छूट दी जाएगी।

फीस

जनरल, ईडब्ल्यूएस कैटेगरी के कैंडिडेट को 600 रुपए एप्लीकेशन फीस देना होगा। वहीं एससी और एसटी कैटेगरी के कैंडिडेट को 150 रुपए एप्लीकेशन फीस देनी होगी।

मादा टिड्डों के शिकार बनने का खतरा ज्यादा होता है

चमगादड़ों का नर टिड्डों की तुलना में मादा कैटिडिड्स टिड्डों का अधिक शिकार करने से जुड़ी जानकारी अप्रत्याशित थी, क्योंकि; नर टिड्डे, जो मादा को आकर्षित करने के लिए उन्हें बुलाकर विशिष्ट दिखने का प्रयास करते हैं, के विपरीत कैटिडिड मादा आमतौर पर चुप रहती है। इन्सानों की तरह जंतु भी भोजन, आश्रय और जोड़ीदार खोजने के लिए इधर-उधर घूमते हैं। हालांकि, वन्यक्षेत्र में बेखौफ होकर घूमने-फिरने का जोखिम अधिक होता है, क्योंकि वहां शिकारी जीवों का खतरा हर समय बना रहता है।

एक नये अध्ययन में, बेंगलुरु स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के सेंटर फॉर इकोलॉजिकल साइंसेज (सीईएस) में प्रोफेसर रोहिणी बालकृष्णन के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने यह समझने का प्रयास किया है कि टिड्डों (katydids) का उनके शिकारी 'लेसर फॉल्स वैम्पायर चमगादड़' द्वारा शिकार कैसे किया जाता है।

टिड्डों की गतिविधियों की निगरानी के लिए इन कीटों पर रेडियो ट्रैकिंग टैग लगाए गए और उनकी हलचल को ट्रैक किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि नर टिड्डों की तुलना में मादा टिड्डों के शिकारियों के चंगुल में फँसने का खतरा अधिक होता है, क्योंकि वे लगातार उड़ान भरने वाले होते हैं और लंबी यात्रा करते हैं।

लेसर फॉल्स वैम्पायर चमगादड़ दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के मूल निवासी हैं, जो अपने शिकार को खाने के लिए अपने बसेरे में लेकर आते हैं। चमगादड़ के आहार के एक बड़े हिस्से में कैटीडिड्स जैसे कीड़े शामिल होते हैं। पूर्व अध्ययनों में, बालाकृष्णन और अन्य शोधकर्ताओं ने पाया कि नर टिड्डों की तुलना में मादा टिड्डों के पंखों के अवशेष बहुत अधिक थे, जिससे यह पता चलता है कि चमगादड़ मादा कैटिडिड्स का शिकार करना अधिक पसंद करते हैं।

सीईएस में पोस्ट डॉक्टोरल शोधार्थी और इस अध्ययन से जुड़े शोधकर्ता हरीश प्रकाश बताते हैं कि यह भारत में अपनी तरह का पहला कीट रेडियो ट्रैकिंग अध्ययन है। वह बताते हैं कि शिकारी और शिकार के परस्पर संपर्क पर केंद्रित प्रमुख शोध प्रश्नों के उत्तर खोजने के लिए फील्ड ऑब्जर्वेशन के साथ-साथ इस अध्ययन के दौरान नियंत्रित वातावरण में प्रयोग किए गए हैं।

चमगादड़ों का नर टिड्डों की तुलना में मादा कैटिडिड्स टिड्डों का अधिक शिकार करने से जुड़ी जानकारी अप्रत्याशित थी, क्योंकि; नर टिड्डे, जो मादा को आकर्षित करने के लिए उन्हें बुलाकर विशिष्ट दिखने का प्रयास करते हैं, के विपरीत कैटिडिड मादा आमतौर पर चुप रहती है। इसने शोधकर्ताओं को यह पता लगाने के लिए प्रेरित किया कि ऐसा

क्या है, जिससे चमगादड़ कैटिडिड मादाओं का शिकार करने के लिए अधिक आकर्षित होते हैं?

एक संभावना यह है कि चमगादड़ मादाओं को अधिक आसानी से पहचान सकते हैं, क्योंकि वे आमतौर पर नर से बड़ी होती हैं। दूसरा, मादा कैटिडिड्स नर की तुलना में अधिक पौष्टिक हो सकती हैं, और इसीलिए चमगादड़ों द्वारा पसंद की जाती हैं। इन संभावनाओं का परीक्षण करने के लिए, शोधकर्ताओं ने टिड्डों के एक समूह पर ध्यान केंद्रित किया, जिसे 'व्हिस्लर' कहा जाता है, जिसमें नर टिड्डों की तुलना में मादा का आकार और वजन लगभग दोगुना होता है। शोधकर्ताओं ने एक बड़े आउटडोर पिंजरे में स्वतंत्र रूप से उड़ने वाली व्हिस्लर मादाओं के साथ-साथ नर टिड्डों को चमगादड़ों के समक्ष प्रस्तुत किया। आश्चर्यजनक रूप से, चमगादड़ समान आवृत्ति के साथ नर और मादा दोनों के पास पहुंचे। वास्तव में, इस प्रायोगिक सेटअप में, नर कीटों की तुलना में मादा अधिक बार शिकारी चमगादड़ का शिकार बनने से बच निकलीं। इसलिए, शोधकर्ताओं का कहना है कि मादा टिड्डों के आकार या फिर पोषक मूल्य को उनके शिकार बनने के जोखिम को बढ़ाने वाला कारक माना जाना सही नहीं होगा।

फिर शोधकर्ताओं ने तीसरी संभावना पर की पड़ताल की, जिसमें मादा कीटों के बाहर अधिक उड़ने की पड़ताल की बात निहित थी। शोधकर्ताओं ने छोटे रेडियो ट्रांसमीटरों को नर और मादा कैटिडिड्स की पीठ पर चिपका दिया और उन्हें पेड़ों पर उड़ते हुए ट्रैक किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि मादा कीट नर कीटों की तुलना में 1.5 गुना अधिक और 1.8 गुना ज्यादा आगे बढ़ती हैं। इसने उन्हें यह निष्कर्ष निकालने के लिए प्रेरित किया कि अधिक बार उड़ान भरने और पेड़ों के बीच लंबी दूरी की यात्रा करने से मादाओं को नर की तुलना में चमगादड़ों द्वारा शिकार किए जाने का अधिक खतरा हो सकता है।

सीईएस में पीएचडी शोधार्थी और इस अध्ययन से जुड़े शोधकर्ता कस्तूरी साहा इन कीटों के लगातार लंबी उड़ानों के संभावित कारण के बारे में कहते हैं - इसके पीछे मादा कीटों का अपने जोड़ीदार की खोज के साथ-साथ अंडे देने के लिए उपयुक्त जगहों की तलाश एक कारण हो सकता है। शिकारी और शिकार के परस्पर संपर्क के बारे में अभी भी कई अनुत्तरित प्रश्न हैं।

उदाहरण के लिए, साहा बताते हैं कि गैर-प्रजनन वाले मौसम में चमगादड़ अधिक मादा कैटिडिड्स का शिकार करते हैं। यह एक और रहस्य है, जिसे हम सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं।

यह अध्ययन शोध पत्रिका बिहेवियरल इकोलॉजी ऐंड सोशियोबायोलॉजी में प्रकाशित किया गया है।

एक दुनिया वह भी...

एक दुनिया धरती के ऊपर है तो एक दुनिया पानी के भीतर भी है। जैसी अपनी दुनिया है ठीक उनकी दुनिया है। अपनी दुनिया में लोग एक-दूसरे को पानी पिलाने के चक्कर में रहते हैं। उनकी दुनिया में ऐसी मारा-मारी नहीं है। जो खुद पानी में डूबे हो उन्हें भला पानी पिलाने का क्या मतलब। उसी तालाब में एक बड़ी मछली है। लिग बदलने की सुविधा होती तो मछली की जगह मछला कहना बेहतर होता। बड़ी मछली दिन-ब-दिन और बड़ी होती जा रही है। छोटी मछलियाँ दिन-ब-दिन घटती जा रही हैं। बड़ी मछलियों के पेट में अजीब सी मराड़ मची है, लेकिन पचाने की शक्ति में उसका कोई सानी नहीं है। हिसाब से देखा जाए तो जो पचा सकता है, उसे खाने का पूरा हक है। बड़े छोटों को खा सकते हैं, क्योंकि वे बड़े हैं। छोटे बड़ों को नहीं खा सकते, क्योंकि वे छोटे हैं। वैसे भी कुत्ता दुम हिलाता है न कि दुम कुत्ते को। अगर दुम कुत्तों को हिलाने लगें तो भला कुत्ते अपनी दुम क्यों बक्शने लगे? भूख लगने पर सांप अपने संपोलों तक को नहीं छोड़ते फिर भी यह तो कुत्ते की दुम है। दुनिया भर के लोग जिसे महामारी कह रहे हैं, उसे ही ये बड़ी मछलियाँ महावसर की तरह भुनाती हैं। एक बार के लिए गिद्ध शवों को खाना छोड़ सकते हैं, किंतु ये बड़ी मछलियाँ कोरोना महामारी से मरने वालों के नाम पर धंधा करना नहीं छोड़ सकतीं। छोटी-छोटी मछलियाँ जैसे-तैसे अपनी जिंदगियाँ बचते-बचाते गुजर-बसर करते हैं और ये बड़ी मछलियाँ एक झटके में उन्हें डकार जाती हैं। ये छोटी-छोटी मछलियाँ बड़ी मेहनत करके अपने दाना-पानी का इंतजाम करती हैं। उसी मेहनत को ये बड़ी मछलियाँ टॉनिक की तरह पी जाती हैं। मेहनत, लगन, आत्मनिर्भरता आदि शब्द सुनने में इतने मधुर लगते हैं कि छोटी मछलियाँ इन्हें सुन-सुन कर ऐसी बड़ी होती हैं जैसे कसाई के यहाँ मिमियाती नन्हीं बकरियाँ। कहते हैं एक गंदी मछली पूरे तालाब को गंदा कर देती है। जबकि एक बड़ी मछली पूरे तालाब को खा जाती है। छोटी मछलियाँ जिंदगी भर जिंदगी बचाने के चक्कर में जिंदगी खो बैठती हैं, जबकि बड़ी मछलियाँ उन्हीं जिंदगियों को लीलकर अपनी और अपनी आने वाली पीढ़ियों की जिंदगियाँ बनाती हैं। जिंदगी लीलने के खेल में छोटी मछलियों को हमेशा जात-पात, धर्म, भाषा तो कभी महंगाई, भ्रष्टाचार, अत्याचार और बेरोजगार में उलझा दिया जाता है। चाहकर भी वे बाहर नहीं निकल सकतीं। इसी में वे अपना दम तोड़ देती हैं। बड़ी मछलियों पर मारने का आरोप भी नहीं लगता। इन मछलियों को सेलफोन से बांधकर पुस्तकों की दुनिया से कहीं दूर छोड़ दिया जाता है। सोशल मीडिया का दाना जैसे-जैसे इनकी भूख को नचाता है वे वैसे-वैसे नाचती हैं। मछली कहलाने वाली अपने ही जात की मछली के हाथों छलती ही जाती हैं। यह सब बातें मैं रिलायंस फ्रेश मार्केट के सामने बैठे बेरोजगार गरीब को सुना रहा था। वह मुझसे उल्टे पूछ बैठा झ भैया यह सब मुझे क्यों सुना रहे हो? मेरे पास छोटी-बड़ी मछलियों का खेला समझने का टाइम नहीं है। आप यहाँ से जाइए मुझे मेरे हाल पर छोड़ दीजिए।

– डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त,
प्रसिद्ध नवयुवा व्यंग्यकार

10वीं-12वीं के बाद करें ये टॉप वेब डेवलपमेंट कोर्स

आजकल 10वीं-12वीं के छात्रों के लिए कई तरह के ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स होते हैं। ऐसे में छात्र इन कोर्स को कर अपनी स्किल को डेवलप कर सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी वेब डिजाइनिंग का कोर्स करना चाहते हैं तो हम आपको यहां पर ऐसे ही कुछ कोर्स के बारे में बताने जा रहे हैं। आजकल के दौर में 10वीं कक्षा से लेकर 12वीं कक्षा तक के स्टूडेंट्स कई तरह के ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स में रुचि दिखाते हैं।

ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स में छात्र मुख्य तौर पर उस कोर्स का चुनाव करते हैं, जिनसे उनकी स्किल में और इंप्रूवमेंट हो सके। जिससे कि उनका रिज्यूम स्ट्रांग हो सके। छात्र भी आजकल बढ़ते कॉम्पटीशन के दौर में ज्यादा से ज्यादा सर्टिफिकेट कोर्स करने की इच्छा रखते हैं। इससे न सिर्फ छात्रों को उस क्षेत्र में ज्ञान मिलता है। बल्कि वह कई अन्य क्षेत्रों का भी नॉलेज पाते हैं। जिसका फायदा उनको करियर में होता है।

ये स्टूडेंट्स कर सकते हैं कोर्स

इस समय में बढ़ती डिमांड की बात करें तो सबसे अधिक वेब डिजाइनिंग के कोर्स को छात्रों द्वारा पसंद किया जा रहा है। वेब डिजाइनिंग में शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्र ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। हालांकि कई कोर्स छात्र फ्री में कर सकते हैं। वहीं कुछ कोर्स ऐसे भी हैं, जिसके लिए छात्रों को फीस का भुगतान करना पड़ता है। करियर के लिहाज से वेब डेवलपमेंट एक बेस्ट करियर ऑप्शन है। इस कोर्स को 10वीं-12वीं के अलावा बैचलर के छात्र भी कर सकते हैं।

कोर्स की अवधि

ऑनलाइन में वेब डेवलपमेंट सर्टिफिकेट कोर्स की अवधि कुछ घंटो से लेकर कुछ महीनों तक का हो सकता है। हालांकि ये कोर्स कुछ संस्थानों द्वारा कुछ घंटों की अवधि के लिए ऑफर किया जाता है। वहीं कुछ संस्थानों द्वारा इस कोर्स की अवधि 6 महीने तक जा सकती है। बता दें कि अगर आप भी इन कोर्सों को करना चाहते हैं तो यह कोर्स बिलकुल फ्री हैं। बस आपको संस्थान का सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए स्टूडेंट्स को फीस का भुगतान करना पड़ता है।

वेब डेवलपमेंट

वेब डेवलपमेंट कोर्स के माध्यम से स्टूडेंट्स को वेब के विकास और उसके निर्माण के बारे में सिखाया जाता है। साथ ही इस कोर्स में वेबसाइट के रखरखाव को भी शामिल किया गया है। इस कोर्स में वेबसाइट को स्क्रैच से बनाया जाता है। छात्रों को वेब डेवलपमेंट कोर्स में एचटीएमएल, ब्राउजर, फ्रेमवर्क, प्रोग्रामिंग लैंग्वेज, सीएसएस, डाटाबेस, सर्वर, फ्रंटएंड, बैकएंड और लाइब्रेरी आदि विषयों को भी शामिल किया गया है।

टॉप ऑनलाइन वेब डेवलपमेंट सर्टिफिकेट

वेब डेवलपर बेसिक्स
संस्थान का नाम - उडेमी
कोर्स की फीस - फ्री

सर्टिफाइड वेब डेवलपर फ्रॉम स्क्रैच
संस्थान का नाम - एडुओनिक्स
कोर्स की फस - फ्री

इंट्रोडक्शन टू कंप्यूटर साइंस और प्रोग्रामिंग

संस्थान का नाम - मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी)
कोर्स की फीस - फ्री

वेब डिजाइनिंग फॉर एवरीवनः बेसिक्स ऑफ वेब डेवलपमेंट
संस्थान का नाम - कौसेरा
कोर्स की अवधि - फ्री

इंट्रोडक्शन टू एचटीएमएल/सीएसएसः मेकिंग वेबपेज एंट इंट्रो टू एसक्यूएल : क्वेरी - मैनेजिंग डाटा
संस्थान का नाम - खान अकेडमी
कोर्स की फीर - फ्री

फुल-स्टैक सॉफ्टवेयर इंजीनियर

संस्थान का नाम - कोडेक अकादमी
कोर्स की फीस - फ्री

फुल-स्टैक वेब डेवलपमेंट
संस्थान का नाम - मसाई स्कूल
कोर्स की अवधि - 3 सप्ताह
कोर्स की फीस - फ्री

वेब डेवलपर्स के लिए वेब डिजाइनः सुंदर वेबसाइटें बनाएँ
संस्थान का नाम - वीट८
कोर्स की अवधि - 2.5 घंटे
कोर्स की फीस - फ्री

बिकम ए फुल स्टैक वेब डेवलपर
संस्थान का नाम - लिंकडइन लर्निंग
कोर्स की फीस - उपलब्ध नहीं है

रिएक्ट जेएस ट्यूटोरियल
संस्थान का नाम - माइ ग्रेट लर्निंग
कोर्स की अवधि - 2 घंटे
कोर्स की फीस - फ्री

एंगुलर के साथ फुल स्टैक वेब डेवलपमेंट

संस्थान का नाम - कोसेरा
कोर्स की अवधि - 3 से 4 महीने
कोर्स की फीस - फ्री

फ्रंट एंड डेवलपमेंट- सीएसएस
संस्थान का नाम - माइ ग्रेट लर्निंग
कोर्स की अवधि - 2 घंटे
कोर्स की फीस - फ्री

ऑनलाइन वेब डेवलपमेंट सर्टिफिकेट कोर्स और फीस
द कंपलिट 2023 वेबस डेवपमेंट बूटकैंप
संस्थान का नाम - Udemy
कोर्स की फीस - 455

अल्टीमेट वेब डेवलपर एंड वेब डिजाइनिंग कोर्स

संस्थान का नाम - Udemy
कोर्स की फीस - 455

रनिंग ए वेब डेवपमेंट बिजनेसः द कंपलिट गाइड
संस्थान का नाम - Udemy
कोर्स की फीस - 455

10 मेगा रिस्पॉन्सिव वेबसाइट विद एचटीएमएल, सीएसएस, जावा स्क्रिप्ट
संस्थान का नाम - Udemy
कोर्स की फीस - 455

प्रोफेशनल सर्टिफिकेट इन फ्रंट-एंड वेब डेवलपर
संस्थान का नाम - edX
कोर्स की फीस 68,286

बिगिनर फुल स्टैक वेब डेवलपमेंटः HTML, उरर, रिएक्ट और नोड
संस्थान का नाम - Udemy
कोर्स की फीस - 3,499

वेब डेवलपर सर्टिफिकेशन ट्रेनिंग
संस्थान का नाम - एडुरेका
कोर्स की फीस - 17,995

❖ **अनन्या मिश्रा**

मेघालय में मिली मेंढक की नई प्रजाति

शोधकर्ता बताते हैं कि मेंढक का रूप-रंग, गुफा के अनूठे पारिस्थितिक तंत्र के अनुरूप विशिष्ट प्रकृति का है। कैस्केड अमोलॉप्स मेंढकों की अन्य ज्ञात प्रजातियों से अमोलॉप्स सिजू की विशिष्ट पहचान का पता लगाने के लिए मेंढक के ऊतक नमूनों का आणविक अध्ययन किया गया है। जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जेडएसआई) के शोधकर्ताओं ने मेघालय के दक्षिण गारो हिल्स जिले में स्थित सिजू गुफा के भीतर गहराई से मेंढक की एक नई प्रजाति की खोज की है। सिजू गुफा चार किलोमीटर लंबी चूना पत्थर की प्राकृतिक गुफा है। मेंढक की नई प्रजाति को यहाँ जनवरी 2020 में लगभग 60-100 मीटर की गहराई से खोजा गया था।

जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जेडएसआई), पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग के शोधकर्ता भास्कर सैकिया बताते हैं- इस अध्ययन में मेघालय के दक्षिण गारो हिल्स जिले में सिजू गुफा के भीतर गहरे क्षेत्रों से कैस्केड रेनिड मेंढक की एक नई प्रजाति का पता चला है। यह अध्ययन पुणे स्थित जेडएसआई के पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र के शोधकर्ताओं के साथ मिलकर किया गया है। मेंढक की नई प्रजाति का नाम प्राप्ति-स्थान सिजू गुफा के आधार पर अमोलॉप्स सिजू रखा गया है। इस नई प्रजाति का विवरण शोध पत्रिका जर्नल ऑफ एनिमल डायवर्सिटी में प्रकाशित किया गया है।

शोधकर्ता बताते हैं कि मेंढक का रूप-रंग, गुफा के अनूठे पारिस्थितिक तंत्र के अनुरूप विशिष्ट प्रकृति का है। कैस्केड अमोलॉप्स मेंढकों की अन्य ज्ञात प्रजातियों से अमोलॉप्स सिजू की विशिष्ट पहचान का पता लगाने के लिए मेंढक के ऊतक नमूनों का आणविक अध्ययन किया गया है। इसके लिए, जेडएसआई, पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केंद्र की टीम ने जेडएसआई, पुणे में अपने सहयोगियों की मदद ली, जिसकी एक स्थापित आणविक प्रयोगशाला है। गुफा पारिस्थितिकी तंत्र में निरंतर आर्द्रता और तापमान के कारण मेंढक गुफाओं के छिपे हुए स्थानों में रहने के लिए जाने जाते हैं।

जेडएसआई के शोधकर्ताओं की टीम द्वारा सिजू गुफा का लम्बी अवधि तक सर्वेक्षण किया गया है। उनका उद्देश्य गुफा की जंतु विविधता का दस्तावेजीकरण करना था, जिसकी वैज्ञानिक रूप से खोजबीन इससे पहले 1922 में की गई थी। 03 जनवरी, 2020 को शोधकर्ताओं ने गुफा के अंदर से अमोलॉप्स वंश के रेनिड मेंढकों के चार नमूनों का संग्रह किया। गुफा के प्रवेश द्वार के कुछ ही मीटर के दायरे में मेंढकों का मिलना सामान्य बात है।

हालांकि, सिजू में, शोधकर्ताओं ने प्रवेश द्वार से लगभग 100 मीटर की दूरी पर नमूनों का संग्रह किया। ऐसा करके शोधकर्ता रोमांचित थे, क्योंकि गुफा के अधिक भीतर किसी नई प्रजाति की संभावना अधिक थी।

सैकिया बताते हैं, 'गुफा में मेंढकों के नमूने हल्की रोशनी वाले (प्रवेश द्वार से 60-100 मीटर) क्षेत्रों और गुफा के अंधेरे क्षेत्रों (प्रवेश द्वार से 100 मीटर से अधिक) से एकत्र किए गए थे। लेकिन, कोई ट्रोग्लोबिटिक (गुफा-अनुकूलित) संशोधन नहीं देखा गया है, जिससे यह संकेत मिलता हो कि मेंढक की यह प्रजाति गुफा की स्थायी निवासी नहीं है।'

शोधकर्ताओं कहना है कि यह दूसरी बार है जब देश में किसी गुफा के अंदर मेंढक की प्रजाति खोजी गई है। इससे पहले 2014 में तमिलनाडु की एक गुफा से माइक्रोक्सालिडे परिवार के मिक्रिक्सालस स्पेलुंका नामक मेंढकों की प्रजाति मिली थी। मिक्रिक्सालस स्पेलुंका भारत के पश्चिमी घाट में पाये जाते हैं। इनका प्राकृतिक आवास उपोष्ण कटिबंधीय या उष्ण कटिबंधीय नम तराई के जंगल और नदियां होते हैं।

सैकिया कहते हैं, 'यह दिलचस्प है कि जब 1922 में जेडएसआई ने गुफा का पहला जैव-स्पेलेलॉजिकल अन्वेषण किया, तभी से सिजू गुफा में मेंढकों की आबादी (गुफा के प्रवेश द्वार से 400 मीटर तक) की उपस्थिति की रिपोर्ट्स मिलती है। संसाधनों की कमी वाली अंधेरी गुफा में एक सदी से मेंढकों की आबादी की रिपोर्ट पर पर्यावरणविद या जीवविज्ञानी गौर कर सकते हैं।' इस अध्ययन के शोधकर्ताओं में भास्कर सैकिया के अलावा बिक्रमजीत सिन्हा, ए. शबनम, और के.पी. दिनेश शामिल हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक मामलों में बेहतर बने रहेंगे। मित्रों से भेंट होगी। कला कौशल को बल मिलेगा। किसी धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

वृष राशि : आज का दिन कुछ सकारात्मक परिवर्तन लेकर आ सकता है। आकस्मिक खर्च बढ़ने से आप तनाव महसूस करेंगे, अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

मिथुन राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में कामयाब होंगे, नौकरी में तरक्की और व्यवसाय में अच्छा मुनाफा होने की संभावना है।

कर्क राशि : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। काफी प्रसन्न रहेंगे और भव्यता व सभ्यता पर जोर रहेगा। खर्च और निवेश बढ़ा हुआ रहेगा।

सिंह राशि : आज का दिन अच्छा नहीं रहेगा। गुस्से पर काबू रखें, अन्यथा परिवार वालों के साथ विवाद हो सकता है। कड़वी बातों को नजरअंदाज करने की कोशिश करें।

कन्या राशि : आज का दिन सामान्य रहेगा। अपने परिवार को लेकर चिंतित रहेंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। आर्थिक कोशिशें बेहतर बनीं रहेंगी।

तुला राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ रहेगा। धनप्राप्ति के योग बनेंगे। जो भी करेंगे उसमें बेहतर रहेंगे। मित्रों का भरपूर सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक राशि : आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कानूनी कार्यों में सफलता मिल सकती है। नई परियोजना को अमल में ला सकते हैं।

धनु राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में मुनाफा रहेगा। सभी कार्य आसानी से पूरे होंगे, जिससे खुद पर भरोसा बढ़ेगा। साझा प्रयासों में अधिक सफलता के संकेत हैं।

मकर राशि : आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्य स्थल पर काफी मेहनत करेंगे, जिसका लाभ आगे चलकर मिलेगा। मेहनत और लगन से आगे बढ़ते रहें। घर परिवार में हर्ष आनंद बना रहेगा।

कुंभ राशि : आज के दिन काफी अच्छा महसूस करेंगे। मानसिक रूप से खुशी की अनुभूति होगी। नई जगहों पर भ्रमण पर जाएंगे। मित्रों का साथ उत्साहित रखेगा।

मीन राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। घर में सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी। इच्छित वस्तु प्राप्ति की संभावना है। शुभ कार्यों में रुचि बनी रहेगी। परिजनों के साथ आनंदमय समय बिताएंगे।

जियो-सिनेमा पर टूटे व्यूअरशिप के रिकॉर्ड, सर्वाधिक 2.4 करोड़ ने देखा मैच

एजेंसी। नई दिल्ली

जियो-सिनेमा ने व्यूअरशिप का अपना ही रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया है। जियो-सिनेमा पर चेन्नई सुपर किंग्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) मैच के दौरान दर्शकों की संख्या 2 करोड़ 40 लाख के आंकड़े को पार कर गई। ऑनलाइन लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जियो-सिनेमा पर मौजूदा आईपीएल 2023 सीजन में, यह अब तक की सबसे ज्यादा व्यूअरशिप है। इससे पहले 12 अप्रैल को दर्शकों की संख्या 2.2 करोड़ पहुंची थी। मैच की दूसरी पारी के आखिरी ओवर में जियो-सिनेमा पर दर्शकों की तादाद 2.4 करोड़ तक पहुंच गई। चेन्नई ने यह रोमांचक मैच 8 रन से जीत लिया। बीसीसीआई ने इस टाटा आईपीएल सीजन 2023 के टीवी और डिजिटल प्रसारण अधिकार, अलग अलग कंपनियों को दिए हैं। इसका सीधा फायदा डिजिटल को मिलता दिखाई दे रहा है। जियो-सिनेमा आईपीएल मैचों की स्ट्रीमिंग मुफ्त कर रहा है। इससे भी आईपीएल दर्शकों के बीच उसकी पैठ बनी है। 2.4 करोड़ दर्शकों की संख्या कितनी बड़ी है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 2019 सीजन के फाइनल मैच के दौरान डिज्नी

हॉटस्टार पर सबसे ज्यादा व्यूअरशिप 1.86 करोड़ दर्ज की गई थी। 2.4 करोड़ दर्शकों से 600 बार भरा जा सकता है चिन्नास्वामी स्टेडियम। आईपीएल अभी अपने लीग मैचों के चरण में हैं और अभी से जियो-सिनेमा ने पिछले सारे रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। जैसे जैसे आईपीएल फाइनल की ओर बढ़ेगा जियो-सिनेमा पर दर्शकों की संख्या में और इजाफा देखने को मिल सकता है।

चुनाव की वजह से 4 मई को नहीं होगा चेन्नई-लखनऊ का मैच

मुंबई। लखनऊ सुपरजायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 46वें मैच की तारीख चार मई से बदलकर तीन मई कर दी गई है। आईपीएल ने सोमवार रात जारी बयान में कहा कि चार मई को लखनऊ में होने वाले नगर निगम चुनाव के कारण तारीख बदली गई है। मैच के समय में कोई बदलाव नहीं हुआ है और मुकाबला दोपहर साढ़े तीन बजे से ही शुरू होगा। बीसीसीआई की तरफ से कहा गया लखनऊ सुपर जाएंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच आईपीएल 2023 का 46वां मैच, मूल रूप से गुरुवार चार मई 2023 को लखनऊ में निर्धारित किया गया था, अब इसे बुधवार तीन मई 2023 के लिए पुनर्निर्धारित किया गया है। चार मई को लखनऊ नगर निगम चुनाव के कारण शेड्यूल में बदलाव किया गया है। मैच के समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है और खेल भारतीय समयानुसार दोपहर 3:30 बजे से शुरू होगा। केएल राहुल की कप्तानी में लखनऊ की टीम पांच मैचों में छह अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है। चेन्नई का मुकाबला करने से पहले लखनऊ राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटन्स का मुकाबला करेगी।

NEWS इन ब्रीफ

मैनचेस्टर यूनाइटेड के डिफेंडर लिसेंड्रो मार्टिनेज की सर्जरी

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर यूनाइटेड के डिफेंडर लिसेंड्रो मार्टिनेज के पैर की सफलता पूर्वक सर्जरी हुई है। यूरोपा लीग क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में सेविला के खिलाफ मैच के दौरान मार्टिनेज के पैर में एक मेटाटार्सल हड्डी फ्रैक्चर हुआ था, जिसके बाद वह शेष सत्र से बाहर हो गए थे।

केरल ब्लास्टर्स ने सहायक कोच इश्फाक अहमद से नाता तोड़ा

नई दिल्ली। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम केरला ब्लास्टर्स एफसी ने अपनी टीम के सहायक कोच इश्फाक अहमद से नाता तोड़ने की मंगलवार को घोषणा की। इश्फाक चार वर्षों तक केरला ब्लास्टर्स के साथ सहायक कोच रहे। क्लब ने ट्वीट किया, इश्फाक अहमद आपके प्रयासों और जूनून के लिए आपको धन्यवाद जिस तरह आपने टीम के प्रति अपना योगदान दिया। आपको केरला ब्लास्टर्स एफसी परिवार हमेशा याद रखेगा। आपको भविष्य के लिए शुभकामनायें।

अर्जेंटीना फीफा अंडर-20 विश्व कप की मेजबानी करेगा

जेनेवा। अर्जेंटीना 2023 अंडर-20 फुटबॉल विश्व कप की मेजबानी करेगा। इसने इंडोनेशिया की जगह ली है, जिसे फीफा ने मेजबानी करने से हटा दिया है। विश्व फुटबॉल गवर्निंग बॉडी ने इसकी घोषणा की। फीफा परिषद के ब्यूरो ने सोमवार को अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) के बोली प्राप्त होने के बाद इस निर्णय की पुष्टि की। फीफा प्रतिनिधिमंडल ने पिछले सप्ताह दक्षिण अमेरिकी देश का दौरा किया था। फीफा अंडर-20 विश्व कप 20 मई से 11 जून तक चलेगा और यह पहली बार होगा जब अर्जेंटीना 2001 के बाद टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा।

अंतरराष्ट्रीय सर्फ ओपन मामल्लापुरम में 14 अगस्त से

चेन्नई। विश्व सर्फिंग लीग (डब्यूएसएल) का हिस्सा अंतरराष्ट्रीय सर्फ ओपन का आयोजन भारत में पहली बार मामल्लापुरम में 14 से 20 अगस्त तक किया जाएगा। प्रतियोगिता के आयोजन की घोषणा करते हुए मंगलवार को यहां तमिलनाडु के खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि यह खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में राज्य सरकार का एक और कदम है और इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता से भारतीय खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने का मौका मिलेगा।

हरभजन सिंह ने बताई हैरी ब्रूक की समस्या, कहा

सिंगल-डबल लेकर कमजोरी छिपाता है

एजेंसी। हैदराबाद

सनराइजर्स हैदराबाद पिछले दो मैचों में प्रभावशाली जीत के बाद मुंबई इंडियंस का सामना करने के लिए तैयार है। आईपीएल 2023 का पहला शतक लगाने वाले सनराइजर्स के बल्लेबाज हैरी ब्रूक एक बार फिर सभी की निगाहों में होंगे। भारत के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने केकेआर के खिलाफ शानदार पारी और प्रदर्शन में शॉट्स की विस्तृत श्रृंखला के लिए इस अंग्रेज खिलाड़ी की सराहना की।

हरभजन ने कहा, 'ब्रूक तेज गेंदबाजी अच्छी तरह से खेलता है। उसके पास तेज गेंदबाजों के खिलाफ बल्लेबाजी प्रदर्शनों की सूची में शॉट्स की लिस्ट है। हालांकि वह स्पिन के खिलाफ बहुत मजबूत नहीं है वह सिंगल और डबल लेकर अपनी कमजोरी को छुपाता है। जब भी उसे मौका मिलता है, वह तेज गेंदबाजों की कमजोर गेंदों को बाउंड्री के लिए हिट करता है। साथ ही उसे सनराइजर्स के अन्य बल्लेबाजों से अच्छा समर्थन मिल रहा है। इससे उसे आगे बढ़ने में काफी आत्मविश्वास मिलेगा।'

मुंबई इंडियंस ने भी आईपीएल 2023 में बैक-टू-बैक जीत दर्ज की और कप्तान रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इस गति को

आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखेगी।

भारत के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने अपने पिछले दो मैचों में प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ दावा किया कि एमआई ने दिखाया है कि वे पांच बार के चैंपियन क्यों हैं। कैफ ने कहा, 'उम्मीद है कि हम सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुंबई इंडियंस की उस पुरानी टीम को देखेंगे।

एमआई अपने आक्रामक बल्लेबाजी प्रदर्शन के लिए जाना जाता था और पिछले दो गेम इसका प्रमाण थे।'

कोहली पर जुर्माना

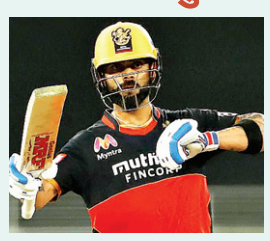

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पर एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। डेवोन कॉनवे (45 रन पर 83) और शिवम दूबे (27 रन पर 52 रन) की अर्धशतकीय पारी ने सीएसके को 226/6 पर पहुंचा दिया। सीएसके के गेंदबाजों ने ग्लेन मैक्सवेल (36 रन पर 76 रन) और फाफ डु प्लेसिस (33 रन पर 62) की तूफानी पारी के बावजूद आरसीबी को लक्ष्य तक नहीं पहुंचने दिया और अपनी टीम को आठ रन से जीत दिला दी। आईपीएल की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि कोहली ने आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया है।

श्रीलंका ने पहले टेस्ट मैच में आयरलैंड को एक पारी और 280 रन से हराया

एजेंसी। गाले

श्रीलंका ने पहले टेस्ट मैच में आयरलैंड को एक पारी और 280 रन से हराकर दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 1-0 की अपराजेय बढ़त हासिल कर ली है। मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने आयरलैंड के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और चार बल्लेबाजों ने शतक जड़ दिये। कप्तान दिमुथ करुणारत्ने ने 179 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली।

करुणारत्ने के अलावा कुशल मेंडिस (140 रन), दिनेश चांदीमल (नाबाद 102) और सदीरा समरविक्रमा (नाबाद 104) ने शतक लगाया। श्रीलंका ने 131 ओवर खेले और अपनी पहली पारी 6 विकेट पर 591 रन बनाकर घोषित कर दी। आयरलैंड के लिए कर्टिस कैम्फर ने 2, मार्क एडायर,एंडी मैकब्रिन, बेंजामिन व्हाइट और जॉर्ज डॉकरेल ने 1-

1 विकेट लिया। जवाब में आयरलैंड की टीम अपनी पहली पारी में केवल 143 रनों पर सिमट गई। आयरलैंड के लिए जेम्स मैकलम ने (35), हेरी ट्रेक्टर (34) और लोरकन टकर (45) ही कुछ संघर्ष कर सके। श्रीलंका के लिए प्रभात जयसूर्या ने 7, विश्वा फर्नांडो ने 2 और रमेश मेंडिस ने 1 विकेट लिया। दूसरी पारी में फॉलोआन खेलने उतरी आयरलैंड की बल्लेबाजी पहली पारी के जैसे ही रही। आयरलैंड की टीम दूसरी पारी में मात्र 168 रनों पर सिमट गई और श्रीलंका ने मैच एक पारी व 280 रनों से जीत लिया। दूसरी पारी में आयरलैंड के लिए हेरी ट्रेक्टर (42), कर्टिस कैम्फर (30), जॉर्ज डॉकरेल (32) और मार्क एडायर (नाबाद 23) ही कुछ संघर्ष कर सके।

श्रीलंका के लिए दूसरी पारी में रमेश मेंडिस ने 4, प्रभात जयसूर्या ने 3 और विश्वा फर्नांडो ने 2 विकेट लिए। प्रभात जयसूर्या ने मैच में 10 विकेट लिए, जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

डु प्लेसी की आत्मकथा अगले महीने होगी जारी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसी की आत्मकथा अगले महीने जारी होगी जिसमें खेल को लेकर उनके संघर्ष और लगाव के साथ इसके बाहर की यात्रा का जिक्र होगा। 'पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया' की 'ईबरी प्रेस' द्वारा प्रकाशित होने वाली इस किताब का नाम 'फाफ थ्रू फायर' है। इसमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के कप्तान पाठकों को क्रिकेट के साथ साथ इस खेल से बाहर की अपनी जिंदगी की कहानी से रूबरू करवायेंगे। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के 38 साल के पूर्व कप्तान ने इस किताब में महेंद्र सिंह धोनी, गैरी कर्स्टन, स्टीफन फ्लेमिंग, ग्रीम स्मिथ और एबी डिविलियर्स सहित कुछ प्रमुख अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों के साथ अपने अनुभवों के बारे में बात की। यहां जारी विज्ञप्ति में डु प्लेसी ने कहा, 'मैं अपनी किताब ह्यफाफ थ्रू फायर' के भारत में लॉन्च होने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैंने हमेशा यहां घर जैसा महसूस किया है और वर्षों से भारत में खेलने के दौरान मुझे अपार समर्थन मिला है।

मुंबई ने हैदराबाद को दिया 193 का टारगेट

एजेंसी। हैदराबाद

इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मैच जारी है। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में एसआरएच ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। मुंबई ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 192 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद के ओपनर मयंक अग्रवाल और ऐडन मार्करम क्रीज पर हैं। 4 ओवर के बाद टीम ने 2 विकेट के नुकसान पर 26 रन बना लिए हैं।मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन ने 33 बॉल में अपनी फिफ्टी पूरी की। क्द्दछ के डेब्यू सीजन में ग्रीन का यह पहला ही अर्धशतक है। वह 5वें ओवर में रोहित शर्मा का विकेट गिरने के बाद क्रीज पर आए थे। ग्रीन 64 के स्कोर पर नॉटआउट रहे। मुंबई से ग्रीन के अलावा ईशान किशन ने 38, तिलक वर्मा ने 37, रोहित शर्मा ने 28, टिम डेविड 16 और सूर्यकुमार यादव ने 7 रन बनाए। रफ्ल से भुवनेश्वर कुमार और थंगारसु नटराजन को एक-एक विकेट मिला। एक बैटर रन आउट हुआ।

मोंटे कार्लो में तीसरे दौर की हार से जल्दी आगे बढ़ना चाहता हूं : जोकोविच

एजेंसी। बांजा लूका

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने कहा है कि वह पिछले सप्ताह मोंटे कार्लो मास्टर्स में तीसरे दौर में लोरेंजो मुसेटी से मिली हार को पीछे छोड़कर आगे बढ़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वह बांजा लूका में ऐसा कर सकते हैं और वह इस टूर्नामेंट के लिए रोमांचित हैं।

सर्बिया के सुपरस्टार को बांजा लूका ओपन में शीर्ष वरीयता मिली है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उन्हें बोस्निया एन्ड हजेगोविना का माहौल पसंद है। उन्होंने एक दशक से अधिक समय पहले इस देश का दौरा किया था।

जोकोविच ने कहा, यहा आना अच्छा लगता है। मैं बांजा लूका में पहले भी कई बार आ चुका हूं।

एक बार राष्ट्रपति से मिलने और मैडल ऑफ ऑनर प्राप्त करने तथा दूसरी बार 2009 में, मैंने तब विक्टर ट्रोइकी के साथ एक इंडोर केंद्र में प्रदर्शनी मैच खेला था। उन्होंने कहा, इसलिए मुझे ये यात्राएं अच्छी तरह याद हैं।

सोमवार को अभ्यास के दौरान यह स्पष्ट था कि उन्होंने स्थानीय दर्शकों को रोमांचित कर दिया है जो उन्हें देखने आये थे। भारी संख्या में प्रशंसक सर्बियाई खिलाड़ी को देखने आये थे।

जोकोविच ने कहा, यहा लोगों ने मेरा जबरदस्त स्वागत किया और ढेर सारा प्यार और समर्थन दिया। मैं यहाँ आने से काफी रोमांचित हूं। यह हम सर्बियाई खिलाड़ियों के लिए शानदार जगह है जहाँ स्थानीय लोगों से इतना प्यार और समर्थन मिलता है।

बार्सा अध्यक्ष ने रेफरियों को प्रभावित करने के लिए 70 लाख यूरो देने से किया इंकार

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना के अध्यक्ष जोआन लापोर्टा ने स्पेनिश रेफरी महासंघ के पूर्व उपाध्यक्ष एनरिकेज नेग्रेरा को 70 लाख यूरो के भुगतान को लेकर उठे स्कैंडल पर सफाई देने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। बार्सिलोना ने यह भुगतान 18 वर्षों की अवधि में अनुकूल रेफरी फैसलों को सुनिश्चित करने के लिए किया था। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार अब क्लब को स्पेन में कानूनी कार्यवाहियों का सामना करना पड़ सकता है और मामले की यूएफा द्वारा जांच की जा सकती है। कैम्प नोउ स्टेडियम में बात करते हुए लापोर्टा ने कहा कि धनराशि मैच अधिकारियों पर रिपोर्ट के लिए दी गयी थी. लापोर्टा ने सोमवार को अपनी ब्रीफिंग में कहा,"हमें नेग्रेरा से 629 रिपोर्ट और 43 सीडी मिली हैं लेकिन रेफरियों को प्रभावित करने का कोई प्रयास नहीं किया गया है।"

फुटबॉल टूर्नामेंट — आईडब्ल्यूएल 2023 सीजन के कार्यक्रम की घोषणा

26 अप्रैल से होगी लीग की शुरूआत

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय महिला फुटबॉल लीग (आईडब्ल्यूएल) 2023 सीजन के कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। लीग की शुरूआत 26 अप्रैल से होगी। सभी मैच अहमदाबाद के दो स्टेडियमों - ट्रांसस्टेडिया और शाहीबाग पुलिस स्टेडियम में सुबह 8 बजे और शाम 4.30 बजे से आयोजित किए जाएंगे। अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) ने सोमवार को लीग चरण के कार्यक्रम जारी किए। लीग के पहले दो मैच ट्रांसस्टेडिया में मिसाका यूनाइटेड एफसी और माता रुक्मणी व शाहीबाग में होप्स एफ सी और स्पोर्ट्स ओडिशा के बीच खेले जाएंगे। दोनों मैच एक ही समय सुबह 8 बजे खेले जाएंगे। लीग चरण का अंतिम मैच 13 मई को खेला जाएगा।

नॉकआउट चरणों का कार्यक्रम

अभी घोषित नहीं किया गया है। आईडब्ल्यूएल 2023 में 16 टीमें लीग में भाग लेंगी, जो आठ के दो समूहों में प्रतिस्पर्धा करेंगी। ग्रुप ए में दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन गोकुलम केरल, ईस्ट बंगाल, एचओपीएस, कहानी, माता रुक्मणी, मिसाका यूनाइटेड, मुंबई नाइट्स और स्पोर्ट्स ओडिशा शामिल हैं। ग्रुप बी में सेल्टिक क्वींस, सीआरपीएफ, चर्चिल ब्रदर्स, ईस्टर्न स्पोर्टिंग यूनियन, किकस्टार्ट, लॉर्ड्स एफए, ओडिशा एफसी और हैवीवेट्स सेतु की टीमें हैं। 16 क्लबों में से चार ईस्ट बंगाल, ओडिशा गोकुलम केरल और चर्चिल ब्रदर्स हैं, जो क्रमशःदो शीर्ष पुरुष डिवीजनों इंडियन सुपर लीग और आई-लीग में हिस्सा लेती हैं।

टेक्सटाइल पार्क की स्थापना को लेकर एमओयू हुआ साइन

लखनऊ-हरदोई में 1000 एकड़ में बनेगा पार्क

यूपी के कामगारों में जो हुनर है वह कहीं और नहीं : गोयल

एजेंसी। लखनऊ
केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि उत्तर प्रदेश के कामगारों के हुनर में जो शक्ति है, वह कहीं और नहीं है। पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र एवं परिधान(पीएम मित्र) योजना के तहत मंगलवार को यहां लोकभवन में वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता कार्य एवं कपड़ा केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में लखनऊ एवं हरदोई जिले में एक हजार एकड़ में विस्तृत टेक्सटाइल पार्क की स्थापना के लिए एमओयू साइन हुआ है। इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि उत्तर प्रदेश के कामगार स्किल्ड हैं। उनकी स्किल में जो शक्ति है, वह किसी और राज्य में नहीं है। उत्तर प्रदेश अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में तेजी से कार्य हो रहा है। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था ठीक होने से माहौल बदला है। उत्तर प्रदेश में तेज गति से एक्सप्रेस-वे बन रहे हैं। कॉरिडोर स्थापित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 24 घंटे प्रदेश के विकास कार्य को बढ़ाने में लगे हुए हैं। जो एयरवेज, हाईवेज, एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश में हैं, वह अद्भुत हैं। आपने सुना होगा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन चीजों पर जोर देते स्पीड, स्केल और स्किल यानी की गुणवत्ता के आधार पर कार्य, देश और उत्तर प्रदेश में अब हो रहा है। पीयूष गोयल ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर इकोनामी का सपना देख रहा है। उस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मैंने उप्र के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को देखा था। बहुत सारे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट मैंने देखे हैं, लेकिन जो उत्साह उत्तर प्रदेश में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में देखने को मिला, वह कहीं और नहीं देखने को पाया। यहां निवेशक भी उत्साहित थे। यह सिलसिला प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री रहते हुए गुजरात में वाइब्रेंट गुजरात के रूप में शुरू किया था। वहां देश-विदेश के निवेशकों को जुटाया गया था। गुजरात से शुरू हुआ सिलसिला आज अन्य प्रदेशों में अपनाया जा रहा है। आज प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संयुक्त प्रयास से जो विकास उत्तर प्रदेश में देखने को मिल रहा है, वह अपने आप में अभूतपूर्व है।

शेयर बाजार में आई गिरावट

एजेंसी। मुंबई
आज यानी मंगलवार (18 अप्रैल) को लगातार दूसरे दिन भारतीय शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 183 अंक की गिरावट के साथ 59,727 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 46 अंक फिसलकर 17,660 के स्तर पर आ गया। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 15 शेयरों में तेजी और 15 में गिरावट देखने को मिली। इससे पहले सोमवार को भी शेयर बाजार में गिरावट रही थी। आज के ट्रेड में क्ळ, फार्मा, मेटल्स, हेल्थकेयर सेक्टर के शेयरों में तेजी रही। एनर्जी, एफएमसीजी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस जैसे सेक्टर के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में अच्छी तेजी देखने को मिली है। आज अडाणी ग्रुप के 10 शेयरों में से 9 में गिरावट और सिर्फ 1 में तेजी देखने को मिली है। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर में 1.80% की गिरावट रही। अंबुजा सीमेंट का शेयर 2.18% लुढ़का। वहीं अडाणी टोटल गैस के शेयर में 0.22% की तेजी रही। एवालॉन टेक्नोलॉजीज के शेयरों की लिस्टिंग हो गई है। एवलॉन टेक्नोलॉजीज का शेयर 431 रुपए पर लिस्ट हुआ है। इसका इश्यू प्राइस 415-436 रुपए प्रति शेयर था। यह आइपीओ 2.21 गुना सब्सक्राइब हुआ था। सोमवार को लगातार 10 दिनों की खरीदारी के बाद विदेशी संस्थागत निवेशकों ने कैश मार्केट में 533 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

वित्त वर्ष में भारतीय टेलीकॉम के लिए पोस्टपेड ग्राहकों की बढ़ेगी हिस्सेदारी

एजेंसी। चेन्नई
मोबाइल फोन उद्योग को वित्त वर्ष 2023 में पोस्टपेड ग्राहकों की संख्या लगभग 12 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है, जो टैरिफ के पुनर्मूल्यांकन,असीमित 5जी डेटा, ओवर-द-टॉप (ओटीटी) कंटेंट की व्यापक रेंज और पोस्टपेड और प्रीपेड औसत राजस्व प्रति उपयोगकर्ता (एआरपीयू) के बीच अंतर कम हो रहा है। सीआरआईएसआईएल रेटिंग की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। सीआरआईएसआईएल ने कहा कि कुल वायरलेस मोबाइल ग्राहकों में पोस्टपेड ग्राहकों की हिस्सेदारी इस वित्तीय वर्ष में लगभग 12 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है, दूरसंचार कंपनियों (टेल्कोस) द्वारा पोस्टपेड टैरिफ के हालिया पुनर्मूल्यांकन से सहायता प्राप्त होगी। रिपोर्ट में कहा गया कि असीमित 5जी डेटा और पोस्टपेड और प्रीपेड मासिक औसत राजस्व प्रति उपयोगकर्ता (एआरपीयू) के बीच अंतर को कम करने के साथ-साथ नए टैरिफ के तहत चुनिंदा योजनाओं द्वारा पेश की जाने वाली ओवर-द-टॉप (ओटीटी) कंटेंट की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुंच प्रमुख समर्थक होंगे। रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023 में सेक्टर का पोस्टपेड एआरपीयू घटकर लगभग 245 रुपये रहने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 2021 में लगभग 275 रुपये था। इस बीच, प्रीपेड एआरपीयू लगभग 130 रुपये से बढ़कर लगभग 170 रुपये हो गया, जिससे वित्त वर्ष 2021-2023 के दौरान पोस्टपेड और प्रीपेड एआरपीयू के बीच का अंतर लगभग 50 प्रतिशत कम हो गया। वित्त वर्ष 2017-2021 में सपाट रहने के बाद, पिछले दो वित्तीय वर्षों में पोस्टपेड ग्राहकों की हिस्सेदारी में लगभग 300 आधार अंकों की वृद्धि हुई है।

टाटा अल्ट्रोज सीएनजी कार का लॉन्च आज

एजेंसी। नई दिल्ली
टाटा मोटर्स ने अल्ट्रोज का सीएनजी वर्जन लॉन्च करने की घोषणा कर दी है। कंपनी ने अल्ट्रोज सीएनजी का पहला टीजर जारी किया है। इसमें कार को 19 अप्रैल को लॉन्च करने की जानकारी दी है। टाटा अल्ट्रोज सीएनजी की सबसे खास बात ये है कि ये देश की पहली कार होगी, जो ट्विन-सिलेंडर टेक्नोलॉजी के साथ आएगी। इस टेक्नोलॉजी में 60-लीटर की क्षमता वाला एक ट्विन-सिलेंडर टैंक सेटअप (30-30 लीटर के दो सिलेंडर) मिलेगा। इससे कार के बूट स्पेस में कोई कमी नहीं होगी। हालांकि कंपनी की ओर से अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन अल्ट्रोज के पेट्रोल वर्जन में 345 लीटर का बूट स्पेस मिलता है। कंपनी ने कार को ऑटो एक्सपो 2023 में शोकेस किया था। टाटा ने फरवरी 2022 में टियागो सीएनजी और टिगोर सीएनजी लॉन्च कर इस सेगमेंट में एंट्री की थी। कार में 1.2 लीटर का पेट्रोल इंजन दिया गया है जो 84बीएचपी की पावर और 113ठे का टॉर्क जनरेट करता है। वहीं सीएनजी मोड पर ये इंजन 76बीएचपी और 97एनएम का टॉर्क जनरेट करने में सक्षम है। इंजन के साथ 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स दिया जाएगा, जबकि रेगुलर पेट्रोल वेरिएंट के साथ 5-स्पीड एएमटी गियरबॉक्स का ऑप्शन भी मिलता है। अल्ट्रोज के सीएनजी वर्जन में टियागो आई सीएनजी के बराबर ही 26-27 किमी/किलोग्राम की माइलेज का दावा किया जा सकता है। कार के फीचर की बात करें तो इसमें पेट्रोल वर्जन के समान ही एपल कार प्ले और एंड्रॉयड ऑटो कनेक्टिविटी, ऑटोमेटिक एसी, रिवर्स पार्किंग कैमरा, 7-इंच टीएफटी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, पुश बटन स्टार्ट/स्टॉप के साथ 7-इंच हर्मन इंफोटेनमेंट सिस्टम मिल सकता है।

रेजरपे ने सलाहकार बोर्ड का किया गठन

एजेंसी। नई दिल्ली
फुल-स्टैक भुगतान और बैंकिंग प्लेटफॉर्म रेजरपे ने मंगलवार को घोषणा की कि उसने कॉर्पोरेट गवर्नेंस को मजबूत करने के लिए एक सलाहकार बोर्ड का गठन किया है, इसमें आरबीआई के पूर्व डिप्टी गवर्नर एन.एस. विश्वनाथन अध्यक्ष बने। कंपनी ने भारतीय स्टेट बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक अरिजीत बसु, पूर्व दूरसंचार सचिव अरुणा सुंदरराजन, और पूर्व सचिव, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय सलाहकार बोर्ड के के.पी. कृष्णन को सदस्य के रूप में नियुक्त किया है। रेजरपे के सीईओ और सह-संस्थापक हर्षिल माथुर ने कहा,अब हमारे विकास के अगले चरण में व्यवसायों के लिए भारत के अग्रणी एंड-टू-एंड मनी मूवमेंट प्लेटफॉर्म के रूप में, हम ग्राहक-अनुभव और शासन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए आगे की व्यवस्था करने के लिए एक मजबूत इरादा रखते हैं। उन्होंने कहा, यह उचित है कि हमारी जैसी कंपनियां भविष्य के लिए तैयार हैं और हमेशा बदलते फिनटेक वातावरण के अनुकूल होने के लिए चुस्त हैं। रेजरपे वर्तमान में देश भर में 10 मिलियन से अधिक व्यवसायों को सेवा प्रदान कर रहा है। नवगठित सलाहकार बोर्ड लंबी अवधि की रणनीति विकसित करने, चुनौतियों का अनुमान लगाने और शमन उपायों का सुझाव देने में रेजरपे की सहायता करेगा।

विश्वनाथन ने कहा, जिम्मेदार नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है, जो सभी के लिए एक अधिक टिकाऊ और समावेशी वित्तीय प्रणाली के विकास के लिए अनिवार्य है।

डेटॉल लिक्विड हैंडवॉश मॉइश्चर सील फॉर्मूले के साथ लॉन्च

रांची। जर्म प्रोटेक्शन ब्रांड डेटॉल ने 99.99 प्रतिशत जर्म प्रोटेक्शन के साथ मॉइश्चर सील लाभ प्रदान करने के लिए अपने ऑरिजनल लिक्विड हैंडवॉश के फॉर्मूले को फिर से तैयार किया है। अतिरिक्त तत्वों के साथ तैयार किया गया, नया डर्मटॉलॉजिकली टेस्टेड डेटॉल लिक्विड हैंडवॉश प्रत्येक उपयोग के बाद हाथों को नरमी और कोमलता का अहसास कराता है।

मारुति सुजुकी का लाइट कमर्शियल व्हीकल लॉन्च

एजेंसी। नई दिल्ली
मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने अपने अपग्रेडेड लाइट कमर्शियल व्हीकल सुपर कैरी मिनी ट्रक को लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इंजन इमोबिलाइजर सिस्टम के साथ मिनी ट्रक की सेफ्टी को बेहतर किया है। इसकी शुरूआती कीमत 5.15 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) है। मिनी ट्रक पेट्रोल और सीएनजी वैरिएंट में अवेलेबल है। नई सुपर कैरी के लॉन्च के साथ कंपनी एक नया उठाॠ कैब चेसिस वैरिएंट भी लेकर आई है। मिनी ट्रक सीएनजी डेक, गैसोलीन डेक और गैसोलीन कैब चेसिस वैरिएंट में भी उपलब्ध है।

विदेश

ताइवान 400 अमेरिकी एंटी शिप मिसाइल खरीदेगा

एजेंसी। वॉशिंगटन
ताइवान अमेरिका से 400 एंटी-शिप हारपून मिसाइल खरीदेगा। जमीन से मार करने वाली इन मिसाइल का इस्तेमाल वो चीन का मुकाबला करने के लिए करेगा। अमेरिका ने 7 अप्रैल को 400 एंटी-शिप मिसाइलों के लिए 1.17 बिलियन डॉलर (96 हजार करोड़ रुपए) के कॉन्ट्रैक्ट की घोषणा की थी। हालांकि, इस दौरान पेंटागन ने ये नहीं बताया था कि कॉन्ट्रैक्ट किस देश के साथ साइन किया गया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, इन मिसाइलों का खरीददार ताइवान ही है। कॉन्ट्रैक्ट की घोषणा के साथ पेंटागन ने बताया कि मिसाइलों का प्रोडक्शन 2029 तक पूरा हो जाएगा। इससे पहले ताइवान शिप से लॉन्च होने वाली हारपून मिसाइलें भी खरीद चुका है। इन्हें अमेरिका की बोइंग कंपनी ने बनाया था। ब्लूमबर्ग ने वर-ताइवान बिजनेस काउंसिल के अध्यक्ष रूपर्ट हैमंड-चैम्बर्स का हवाला देते हुए बताया कि एंटी-शिप मिसाइल के लिए भी बोइंग के साथ डील की गई है। वहीं इस कॉन्ट्रैक्ट से पहले कंपनी को हारपून कोस्टल डिफेंस सिस्टम से जुड़े लॉन्च इक्विपमेंट बनाने का भी 498 मिलियन डॉलर (4 हजार करोड़) का कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है। इसमें मोबाइल ट्रांसपोर्टर, रडार और ट्रेनिंग उपकरण शामिल हैं। पेंटागन ने इस मामले में कोई भी बयान देने से इनकार कर दिया। हालांकि उन्होंने कहा कि अमेरिका ताइवान को उसकी रक्षा के लिए जरूरी डिफेंस सर्विसेज देता रहेगा। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सुन ली-फांग ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- मंत्रालय ने पहले ही इस खरीद को लेकर जानकारी दी थी। हमें पूरा भरोसा है कि डील तय कार्यक्रम के मुताबिक पूरी होगी। ताइवान 2020 में भी अमेरिका से हारपून मिसाइल खरीदने की इच्छा जाहिर कर चुका है। चीन ने 8 अप्रैल को ताइवान के फुजियान प्रांत के पिंगटन आईलैंड के पास 4 इलाकों में मिलिट्री ड्रिल शुरू की थी।

ईद की छुट्टियों के दौरान मुझ पर हो सकता है एक और घातक हमला : इमरान खान

एजेंसी। इस्लामाबाद
पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने खुलासा किया है कि उनके पास आगामी ईद की छुट्टियों के दौरान जमां पार्क, लाहौर में अपने आवास पर हत्या के एक और संभावित प्रयास के बारे में ठोस जानकारी है। उन्होंने दावा किया कि लाहौर से इस्लामाबाद तक सरकार विरोधी लंबे मार्च के दौरान पिछले साल वजीराबाद हमले के बाद से हत्या का यह दूसरा प्रयास होगा। खान ने ये दावे लाहौर हाई कोर्ट (एलएचसी) में दायर अपनी याचिका पर सुनवाई के दौरान किए, जिसमें उनके खिलाफ दर्ज लगभग 121 प्राथमिकियों के संबंध में कोई कार्रवाई नहीं करने और उन्हें गिरफ्तार करने के निर्देश मांगे गए थे। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख ने आरोप लगाया कि वजीराबाद में 'सुनियोजित' हमले के समान, 'वे' एक और हत्या के प्रयास की योजना बना रहे हैं। खान द्वारा इस्तेमाल किया गया शब्द 'उनके' वह है जो वह सरकार, सुरक्षा और सैन्य प्रतिष्ठान के लिए है, जिस पर वह पहले अपनी सरकार को हटाने और फिर उसे खत्म करने के लिए उनके खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाते रहे हैं। पूर्व पीएम ने लाहौर हाई कोर्ट से मामले में हस्तक्षेप करने और संबंधित अधिकारियों को उन्हें गिरफ्तार करने से परहेज करने का निर्देश देने का अनुरोध किया ताकि वह 'ब्लडशेड' से बचा जा सके, जिसे 'उनके' द्वारा नियोजित किया गया है। खान ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के तहत मौजूदा गठबंधन सरकार की योजना उन्हें कैद करने की नहीं है, बल्कि उन्हें खत्म करने की है। उन्होंने कहा, अगर मेरे जमां पार्क आवास पर पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों ने फिर से हमला किया तो स्थिति बिगड़ जाएगी। जो लोग मुझे मारना चाहते हैं, वे सरकार में बैठे हैं और खून खराबा चाहते हैं। खान के वकील सलमान सफदर ने अदालत को बताया कि जब भारत और पाकिस्तान मुहर्रम के दौरान युद्धविराम की घोषणा कर सकते हैं, तो 'वे पुलिस अधिकारियों को ईद की छुट्टियों के दौरान इमरान खान को गिरफ्तार करने से क्यों नहीं रोक सकते?' वकील ने कहा, इमरान खान और शाहबाज गिल के दोनों मामलों में, पुलिस अधिकारियों को कोई भी कठोर उपाय करने से रोका गया था, लेकिन अधिकारियों ने अदालत के किसी भी आदेश का पालन करने की जहमत नहीं उठाई।

पेज एक के शेष

अतीक-अशरफ की ...

एक गंभीर खतरा हैं और पुलिस राज्य की ओर ले जाती हैं। याचिका में कहा गया है कि एक लोकतांत्रिक समाज में पुलिस को अंतिम न्याय देने का एक तरीका बनने की अनुमति नहीं दी जा सकती है, क्योंकि सजा की शक्ति केवल न्यायपालिका में निहित है।

अतीक की चिट्ठी कौन...

के बीच एक और चिट्ठी वायरल हो रही है, जिसके बारे में दावा किया जा रहा है कि यह चिट्ठी अतीक की पत्नी शाइस्ता ने सीएम योगी को भेजी थी। लेटर में दर्ज तारीख के मुताबिक, यह 27 फरवरी को लिखी गई थी। बता दें कि 24 फरवरी को प्रयागराज के धूमनगंज इलाके में उमेश पाल की हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड की साजिश रचने का आरोप अतीक अहमद पर लगा था और सीसीटीवी के आधार पर दावा किया गया था कि अतीक का बेटा भी इस वारदात को अंजाम देने में शामिल है। उमेश पाल की हत्या के मामले में नाम आने के बाद से ही शाइस्ता परवीन फरार है और अभी तक पुलिस की पकड़ से बाहर है। वहीं असद को यूपी एसटीएफ ने झांसी में एक एनकाउंटर में मार गिराया था। इस एनकाउंटर में असद का साथी गुलाम भी मारा गया था। बता दें कि शनिवार की रात शाहगंज थानाक्षेत्र में मोतीलाल नेहरू मंडलीय चिकित्सालय के भीतर अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की तीन हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। यह हत्या उस समय की गई जब अतीक और अशरफ को लेकर पुलिस मेडिकल के लिए अस्पताल के भीतर दाखिल हो रही थी।

अब होती है तरबूज ...

करना किसानों के लिए काफी लाभदायक साबित हो रहा है। सिजेंटा फाउडेशन के सहयोग और प्रेरणा से तोरपा के किसानों ने पहली बार मचान विधि से खीरा की खेती की है। आधुनिक तरीके से इंग्लिश खीरा और परवल की जैविक खेती करने से किसानों को काफी लाभ हुआ है। तोरपा प्रखंड के डांड़टोली गांव की महिला किसान शबनम टोपनो ने पहली बार छह डिसमिल खेत में इंग्लिश कुकुम्बर की खेती की है। उन्होंने बताया कि अंग्रेजी खीरा की बाजार में काफी मांग है। एक पौधे से पांच से सात किलो खीरा का उत्पादन होता है। सिजेंटा फाउंडेशन के रंजीत वर्मा बताते हैं कि पहली बार प्रायोगिक तौर पर किसानों ने इंग्लिश कुकुम्बर की खेती की है और इससे उन्हें काफी लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया सामान्य खीरा तोड़ने के दो तीन दिनों के अंदर खराब हो जाते हैं, पर अंग्रेजी खीरा आठ-दस दिनों तक खराब नहीं होता। इसके कारण बाजार में इसकी काफी मांग है।

जंगली इलाकों में ...

पुलिसकर्मियों के साथ भी नहीं है, लेकिन वे लोग शोषक-शासक वर्गों के पक्ष में लड़कर अपनी जान गंवा रहे हैं, जिसका हमें खेद है। उधर, गढ़वा से मिली खबर के अनुसार, एक सूचना के आधार पर गढ़वा इलाके में पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने सर्च ऑपरेशन चलाया। इस अभियान के दौरान ही टीम ने विस्फोटक व अन्य सामान बरामद किए। बरामद सामानों में दो हार्ड डिस्क, एक यूएसबी केबल, एक एक्सप्लोडर-ब्लास्टिंग मशीन, एक मल्टीमीटर, एक मोटोरोला वॉकी टॉकी, दो कैप के साथ 9 वोल्ट बटी, 21 नग इलेक्ट्रिक डेटोनेटर लेग वायर, करीब 30 मीटर लचीले तार, 1 l5 मीटर कमर्शियल कॉर्डेक्स, एक किग्रा, टिफिन आईईडी, दो नग इलेक्ट्रिक कमर्शियल डेटोनेटर, एक नॉन इलेक्ट्रिकल कमर्शियल डेटोनेटर, 21 नग सिरिंज प्रेशर मैकेनिज्म, एक बेड स्विच, ट्रिप वायर, 48 नग अप्रयुक्त सिरिंज, नक्सल साहित्य और एक बाइक शामिल है। बरामद विस्फोटक सामान को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया जबकि अन्य सामान को पुलिस ने जब्त कर लिया।

घटना

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में भूस्खलन

20 ट्रक जमींदोज, दो की मौत, आठ घायल

एजेंसी। पेशावर
पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तोरखम सीमा क्षेत्र में भारी भूस्खलन में कम से कम दो अफगान नागरिकों की मौत हो गई और आठ लोग घायल हो गए। इसके अलावा कई लोगों के लापता होने की खबर है। बचाव सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी है। पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तोरखम सीमा क्षेत्र में भारी भूस्खलन में कम से कम दो अफगान नागरिकों की मौत हो गई और आठ लोग घायल हो गए। इसके अलावा कई लोगों के लापता होने की खबर है। बचाव सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी है। अफगानिस्तान सीमा के पास खैबर पख्तूनख्वा के खैबर दर्रे से होकर जाने वाली मुख्य सड़क पर मंगलवार तड़के तेज आंधी के बाद भूस्खलन हुआ, जिससे माल ले जा रहे ट्रक दब गए। रेस्क्यू 1122 के सूत्रों ने समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि यह घटना अफगानिस्तान के पास सीमा क्षेत्र में तड़के लगभग 3:50 बजे हुई। भीषण भूस्खलन में कम से कम दो अफगान नागरिकों की मौत हो गई। आठ अन्य घायल हो गए और करीब 20 ट्रक जमीन में दब गए हैं। खैबर जिले के उपायुक्त अब्दुल नासिर खान के हवाले से कहा गया है कि भूस्खलन में दो अफगान नागरिक मारे गए हैं और अधिकारी शवों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं। इसके अलावा कम से कम आठ लोग घायल हो गए हैं और उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया है। अन्य अधिकारियों ने कहा कि भूस्खलन का मलबा काफी ज्यादा है और भारी मशीनरी के साथ हमारा बचाव अभियान जारी है। बता दें कि जिस जगह भूस्खलन हुआ है, वे सड़क पाकिस्तान को लैंड-लॉक्ड अफगानिस्तान से जोड़ती है। जो दक्षिण एशियाई देशों और मध्य एशिया के बीच व्यापार के लिए एक प्रमुख सड़क मार्ग है। इस बीच, अधिकारियों ने यह भी कहा कि भूस्खलन के तुरंत बाद आग लग गई थी, क्योंकि चालक सहरी के लिए गैस चूल्हे पर खाना बना रहे थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि आग पर अब काबू पा लिया गया है।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

NEWS इन ब्रीफ

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया ट्यूलिप गार्डन का उद्घाटन

शिमला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति निवास में ट्यूलिप गार्डन के उद्घाटन की शोभा बढ़ाई, जो शिमला के पास मशोबरा के सुरम्य परिवेश में स्थित 173 साल पुरानी विरासत संपत्ति है। राष्ट्रपति निवास, जिसे पहले प्रेसिडेंशियल रिट्रीट के रूप में जाना जाता था, 23 अप्रैल से जनता के लिए खोल दिया जाएगा, जब आगंतुक स्ट्रॉन्ग गोल्ड, डेनमार्क, वेलेमार्क, जंबोपिंक और लैपटॉप जैसे विभिन्न प्रकार के ट्यूलिप की एक झलक पाने में सक्षम होंगे। मुर्मू ने राष्ट्रपति निवास परिसर का भ्रमण किया और पौधों की अन्य किस्मों के बारे में पूछताछ की। राष्ट्रपति के साथ हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला और मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू भी थे। राष्ट्रपति निवास में नेचर ट्रेल्स और बाग भी 23 अप्रैल से आगंतुकों के लिए खुले रहेंगे।

दिल्ली एयरपोर्ट पर शख्स ने दी बम की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सिक्योरिटी चेक के दौरान एक शख्स अक्रामक हो गया और उसने एयरलाइन कर्मचारियों को बताया कि उसके बैग में बम है। यह घटना 11 अप्रैल को हुई, जब शिव के रूप में पहचाने जाने वाले व्यक्ति को पश्चिम बंगाल के बागडोगरा के लिए गो फर्स्ट फ्लाइट (जी8-157) लेनी थी। एयरलाइन कर्मचारियों द्वारा दर्ज कराई गई एक शिकायत के अनुसार, जब उसे सेकेंडरी लेडर प्वाइंट पर जांच के लिए अपना बैग खोलने के लिए कहा गया, तो वह अक्रामक हो गया और उसने बताया कि उसके बैग के अंदर बम है।

मोमबत्ती फैक्ट्री में लगी आग, 4 की मौत

धुले। महाराष्ट्र के निजामपुर इलाके में मोमबत्ती बनाने वाली फैक्ट्री में अचानक आग लगने से तीन महिलाओं और एक नाबालिग लड़की की झुलसकर मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए, अधिकारियों ने मंगलवार को यहां यह जानकारी दी। यह त्रासदी दोपहर उस समय हुई जब पीड़ित फैक्ट्री में काम कर रहे थे।

अतीक-अशरफ की मौत के बाद यूपी के सीएम का बड़ा बयान

उत्तर प्रदेश में अब कोई माफिया किसी को धमका नहीं सकता

नवीन मेल नेटवर्क। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश पर लगे दंगे के राज्य के कलंक को हम मिटा चुके हैं। 2017 से पहले यूपी दंगे के लिए जाना जाता था। हर दूसरे दिन दंगा होता था। 2012 से 17 के बीच 700 से ज्यादा दंगे हुए थे। 2017 के बाद दंगे की नौबत ही नहीं आई। आज किसी जनपद के नाम से यूपी में डरने की आवश्यकता नहीं है। यूपी की पहचान के जो लोग संकट हुआ करते थे आज वह स्वयं संकट में हैं। आज कोई भी अपराधी व्यापारी को धमका नहीं सकता। उत्तर प्रदेश सरकार आप सभी निवेशकों की पूंजी को सुरक्षित रखने में सक्षम है।

सीएम योगी ने मंगलवार को पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र एवं परिधान (पीएम मित्र) योजना के अंतर्गत लखनऊ-हरदोई में एक हजार एकड़ में विस्तृत टेक्सटाइल पार्क की स्थापना को लेकर लोकभवन में आयोजित एमओयू के कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान केंद्रीय वाणिज्य, उद्योग एवं कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल और केंद्रीय कपड़ा राज्य मंत्री विक्रम जरदोश मौजूद थीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पहले कहा जाता था, जहां से अंधेरा शुरू हो, वहां से उत्तर प्रदेश शुरू हो जाता है। 75 में से 71 जनपद अंधेरे में होते थे। आज ये दूर हो चुका है। आज यूपी के गांवों में स्ट्रीट लाइट्स जगमगा रही हैं।

योगी ने कहा कि यूपी जैसा कृषि प्रधान राज्य जहां पर एक बड़ी आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर करती है। रोजगार के दृश्य से अगर हम देखें तो वस्त्र उद्योग ही सर्वाधिक रोजगार सृजन करने वाला क्षेत्र है। यूपी में वस्त्र उद्योग की एक समृद्ध परम्परा रही है। यहां का हैंडलूम, पावरलूम, वाराणसी और आजमगढ़ की सिल्क साड़ियां, भदोही का कारपेट, लखनऊ की चिकनकारी और सहारनपुर का क्राफ्ट यह सब विश्वविख्यात रहा है। उन्होंने कहा कि कानपुर कभी वस्त्र उद्योग का केंद्र रहा है उसकी गिनती 4-5 महानगरों में होती थी। यूपी न केवल अपने औद्योगीकरण के लिए बल्कि नगरीय व्यवस्था की दृष्टि से भी देश का एक महत्वपूर्ण प्रदेश माना जाता था। लेकिन एक कालखंड ऐसा भी आया जिसमें यूपी की इस पहचान को पूरी तरह समाप्त सा कर दिया था। हैंडलूम और पावरलूम को उचित प्रोत्साहन ना मिलने के कारण वह भी दम तोड़ने लगे थे। विगत 9 वर्षों के अंदर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने जो प्रगति की है उसका लाभ लगभग 6 वर्ष के अंदर यूपी को सर्वाधिक मिला है।

सीएम योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश की प्रगति किसी से छुपी नहीं है। उन्होंने कहा कि पीएम मित्र योजना के तहत स्थापित होने वाले टेक्सटाइल पार्क को लेकर हस्ताक्षरित हुआ यह एमओयू का कार्यक्रम भारत सरकार और राज्य सरकार के बीच पहला कार्यक्रम है। बेहतरीन कनेक्टिविटी के बीच जिन निवेशकों ने यहां रुचि दिखाई है उन्होंने देखा होगा की एयरपोर्ट से मात्रा आधे घंटे में अपने गंतव्य तक पहुंच सकते हैं। फोर लेन की कनेक्टिविटी यहां पहले से है, जहां कनेक्टिविटी नहीं है वहां हम जल्द उपलब्ध कराएंगे।

शिक्षक घोटाला

तृणमूल के गिरफ्तार विधायक के परिजनों को कार्रवाई पर शिकायत नहीं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के शिक्षक भर्ती घोटाले के सिलसिले में केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा सोमवार को गिरफ्तार तृणमूल कांग्रेस के विधायक जीबन कृष्ण साहा का कोई हमदर्द नहीं दिख रहा है। साहा के परिवार के सभी तीन सदस्यों ने दावा किया कि उन्हें सीबीआई कार्रवाई से कोई शिकायत नहीं है। मीडियाकर्मियों ने दावा किया था कि जीबन के पिता बिश्वनाथ साहा ने उनकी गिरफ्तारी पर राहत की सांस ली है। विश्वनाथ साहा ने मीडियाकर्मियों से कहा, उनका बेटा अक्सर उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता था। वह बेकार और खतरनाक व्यक्ति है। उसने अपने प्रभाव का उपयोग करके मेरे पड़ोसियों के माध्यम से मुझ पर दबाव बनाकर बीरभूम में सैंथिया में घर बेचने के लिए मजबूर किया। उसने रिश्वत के बदले किसी को मेरा सरकारी अनुबंध दिलाने की व्यवस्था की थी। मुझे उसकी गिरफ्तारी पर कोई आश्चर्य नहीं हुआ।

फिर डरा रहा कोरोना

बंगाल में पॉजिटिविटी रेट 10 फीसदी के पार

एजेंसी। कोलकाता

पूरे देश के साथ पश्चिम बंगाल में भी कोरोना की तेज रफ्तार स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा रहा है। राजस्व विभाग के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि राजधानी कोलकाता समेत राज्य के कई जिलों में पॉजिटिविटी रेट 10 फीसदी से अधिक हो गई है, जिसके कारण चिंता बढ़ रही है। एक बार फिर राज्य में मास्क और सैनेचाइजर के साथ ही कोरोना प्रोटोकॉल का पालन अनिवार्य करने के बारे में विचार किया जा रहा है।

राज्य स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों के मुताबिक राजधानी कोलकाता में सप्ताहिक पॉजिटिविटी दर 12 फीसदी है, जबकि पहाड़ी क्षेत्र कलिंगपोंग और दार्जिलिंग में 12.5 फीसदी और 10.1 फीसदी है। सोमवार को राज्य सचिवालय में जब बैठक हुई थी, तब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इसे लेकर चिंता जाहिर की थी और मुख्य सचिव को हालात से निपटने के लिए तैयारियां करने का निर्देश दिया था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक पश्चिम बंगाल में पिछले 24 घंटे में 90 लोगों के संक्रमित होने के आंकड़े पेश किए गए हैं।

पिछले छह महीनों में यह सबसे अधिक है। वहीं राज्य में कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 641 हो गई है। हालांकि राज्य स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोरोना संक्रमित लोगों का आंकड़ा जारी नहीं किया जा रहा।

जदयू ने जातीय जनगणना पर राहुल के रुख का समर्थन किया

एजेंसी। पटना

बिहार में जब एनडीए की सरकार थी तब राज्य में जाति आधारित जनगणना कराने का निर्णय लिया गया था। राज्य में दूसरे चरण की जातीय जनगणना का कार्य चल भी रहा है। इस बीच, कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने भी राष्ट्रीय स्तर पर जाति आधारित जनगणना कराने की बात रखी है। राहुल की मांग का जदयू ने भी समर्थन किया है। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ने जाति आधारित जनगणना का समर्थन किया है, जो सामाजिक न्याय की दिशा में एक सही कदम है और इसका स्वागत है। जनता दल (यूनाइटेड) और हमारे नेता नीतीश कुमार की तरफ से इसकी मांग वर्षों से होती रही है। इसबार भी गृहमंत्री अमित शाह से मिलकर ऐसी मांग की। जनता दल (यूनाइटेड) के 11 सांसदों का प्रतिनिधिमंडल गृहमंत्री से मिलकर जातिगत जनगणना करवाने की मांग की, लेकिन वे नहीं माने।

उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार में जातीय गणना कराने का निर्णय लिया, जिसमें भाजपा जानबूझ कर देर करती रही, लेकिन मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्णय के सामने भाजपा को झुकना पड़ा और गणना हो रही है। प्रधानमंत्री बिहार की कई जनहितकारी योजनाओं को अपने राष्ट्रीय योजनाओं में शामिल किया है।

राजस्थान के मंत्री समेत अन्य पर मामला दर्ज

एजेंसी। जयपुर

राजस्थान के मंत्री महेश जोशी और सात अन्य के खिलाफ एक युवक को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सोमवार देर रात मृतक राम प्रसाद मीणा (43) के भाई महावीर मीणा की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गयी। पीड़ित परिवार का आरोप है कि मंत्री ने उन्हें अपनी जमीन पर घर नहीं बनाने दिया। अपनी शिकायत में, महावीर मीणा ने कहा कि उनके भाई राम प्रसाद मीणा ने उन्हें बताया था कि मंदिर के निदेशक और हवामहल विधायक और कैबिनेट मंत्री महेश जोशी उन पर जमीन खाली करने का दबाव बना रहे थे और उत्पीड़न कर रहे थे। ये लोग मेरे परिवार पर जातिसूचक गालियां देते थे और हमें मंदिर के पास नहीं रहने के लिए कहते थे। हमने 2017 में नगर निगम से इस जमीन का पट्टा लिया था। मृतक के परिजनों ने 24 घंटे से शव को घर पर ही रखा है। उन्होंने उस कमरे को बंद कर दिया है, जिसमें राम प्रसाद ने आत्महत्या की थी और आरोपियों के खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं। राम प्रसाद ने मरने से पहले एक वीडियो भी बनाया था, इसमें वह कहते सुने जा सकते हैं कि जमीन के तमाम कागजात होने के बावजूद उन्हें घर नहीं बनाने दिया जा रहा है।

भारत में बढ़ रहे हैं महिलाओं में संतानोत्पत्ति की अक्षमता के मामले

एजेंसी। नई दिल्ली

महिलाओं में संतानोत्पत्ति की अक्षमता लाखों लोगों पर असर डालती है और उनके परिवारों एवं समुदायों को प्रभावित करती है। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के अनुसार निसंतान दंपतियों में से 37 प्रतिशत मामलों में महिलाओं में संतानोत्पत्ति की अक्षमता इसका कारण है। केंद्रीय आयुष मंत्रालय के मुताबिक भारत में महिलाओं में संतानोत्पत्ति की अक्षमता के मामले बढ़ रहे हैं और लगभग 15 प्रतिशत दंपति इससे प्रभावित हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जीवनशैली में बड़ा बदलाव आया है जो महिलाओं में संतानोत्पत्ति की अक्षमता का कारण बन रहा है। आयुर्वेद उनकी इस अक्षमता को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आयुष मंत्रालय के अंतर्गत अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) महिलाओं में संतानोत्पत्ति की अक्षमता पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'सृजना' का आयोजन दिल्ली में किया है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान से जुड़े कई स्त्री रोग विशेषज्ञों को भी इस विषय पर नवीनतम जानकारी साझा करने के लिए यहां आमंत्रित किया गया है। इस समस्या को दूर करने के लिए एआईआईए इस राष्ट्रीय सम्मेलन के माध्यम से क्लिनिकल रिसर्च और जानकारियां साझा कर रहा है, जिसके बाद पैनल चर्चा की जा रही है। इसमें शामिल होने के लिए 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने पंजीकरण कराया है।

प्रोफेसर अभिमन्यु कुमार, पूर्व कुलपति, डीएसआरआरएयू जोधपुर, राजस्थान, पूर्व डीजी आयुष प्रोफेसर (डॉ.) पूजा भारद्वाज, प्रोफेसर तनुजा नेसारी, डायरेक्टर एआईआईए, डीन और आईआईए के अन्य वरिष्ठ संकाय सदस्यों की मौजूदगी में यह शुरूआत की जा रही है।

FILMY हलचल

बिना शादी के मां बनेगी इलियाना डिक्रूज

इलियाना डिक्रूज बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक हैं। उनका फैन बेस बहुत बड़ा है। अपने काम के अलावा वह अपनी पर्सनल लाइफ के लिए भी जानी जाती हैं। अब उनकी एक पोस्ट ने सबका ध्यान खींचा है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस बात का ऐलान किया है कि वह मां बनने वाली हैं। कुछ दिनों पहले अफवाह थी कि इलियाना, कैटरीना कैफ के भाई सेबेस्टियन को डेट कर रही हैं। करण ने 'कॉफी विद करण सीजन 7' में इस पर कमेंट किया था। लेकिन इलियाना ने अब तक उनसे शादी नहीं की है। इसके बाद जब इलियाना ने अपनी प्रेग्नेंसी का ऐलान किया तो उनके फैंस हैरान रह गए। इलियाना ने हाल ही अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दो तस्वीरें पोस्ट कीं। पहली फोटो में बच्चे के कपड़े नजर आ रहे हैं, जबकि दूसरी फोटो में 'मामा' शब्द के साथ एक चेन नजर आ रही है।

माधुरी के साथ टिम कुक की खास डेट

आईफोन बनाने वाली कंपनी एपल के सीईओ टिम कुक फिलहाल भारत में हैं। वह भारत में पहले एप्पल स्टोर का उद्घाटन करने आए हैं। अपने दौरे के पहले दिन उन्होंने उद्योगपति मुकेश अंबानी से उनके मुंबई स्थित एंटीलिया आवास पर मुलाकात की। इसके साथ ही उन्होंने मुंबई के मशहूर स्ट्रीट फूड वड़ा पाव की भी जमकर तारीफ की है। बॉलीवुड की हॉट गर्ल माधुरी दीक्षित के साथ वडापाव खाते टिम कुक की फोटो वायरल हो गई है। टिम कुक ने इस फोटो को शेयर कर ट्विटर पर माधुरी का शुक्रिया अदा किया है। टिम ने कहा, मेरा पहला वड़ा पाव से परिचय कराने के लिए माधुरी दीक्षित का बहुत-बहुत धन्यवाद। यह बहुत स्वादिष्ट था। माधुरी ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फोटो शेयर की और लिखा, "मुंबई का स्वागत करने के लिए वड़ा पाव खाने से बेहतर कोई तरीका नहीं है! इसके साथ ही सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें आकाश अंबानी और ईशा अंबानी टिम कुक के साथ एंटीलिया गेट के पास नजर आ रहे हैं।

चलता रहेगा 'द कपिल शर्मा शो'

'द कपिल शर्मा शो' ने कई एक्टर्स को नई पहचान दी। शो में हल्के-फुल्के जोक्स दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान ला देते हैं। आज भी इस शो के दर्शकों की तादाद बहुत ज्यादा है, लेकिन अब पिछले कुछ समय से ऐसी बातें चल रही हैं कि यह शो जल्द ही कुछ समय के लिए दर्शकों से विदाई लेगा। इन चर्चाओं को लेकर कपिल शर्मा ने आखिरकार चुप्पी तोड़ी है। इस शो का आखिरी एपिसोड जून के महीने में प्रसारित होगा। इसके बाद अनिश्चितकाल के लिए कार्यक्रम बंद कर दिया जाएगा। कॉमेडी बनाना कठिन काम है। इसलिए कार्यक्रम के कलाकारों को थोड़ा आराम दिया जाएगा जिससे वे नए जोश के साथ दोबारा काम कर सकते हैं।

'पवित्र रिश्ते' की शूटिंग समाप्त, तस्वीरें वायरल

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में यूनिक एक्शन स्टार की पहचान रखने वाले अभिनेता यश कुमार और खूबसूरत अभिनेत्री तनुश्री की अपकमिंग फिल्म 'पवित्र रिश्ते' की शूटिंग खत्म हो चुकी है। फिल्म अब पोस्ट प्रोडक्शन के लिए तैयार है। फिल्म को जल्द रिलीज किए जाने की योजना भी है। इससे पहले फिल्म के सेट से कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में यश कुमार की तनुश्री और रक्षा गुप्ता के साथ केमिस्ट्री वाली तस्वीर खूब पसंद आ रही है। हर बार की तरह यह फिल्म भी पारिवारिक और सामाजिक है। ऋद्धि फिल्म्स के एसोसिएशन से एक्कुअल मूवीज और मदज मूवीज निर्मित फिल्म ह्यपवित्र रिश्तेह्न को लेकर यश कुमार ने कहा कि लंबे समय बाद हम एक बेहतरीन पारिवारिक फिल्म लेकर आ रहे हैं। इसकी शूटिंग हमने पूरी कर ली है और हम इसे बड़े पैमाने पर लेकर आ रहे हैं।

संगोष्ठी

अयोध्या रेडियो की वैश्विक सेवा का शुभारंभ, बोले प्रो. द्विवेदी

अयोध्या को मिलेगी वैश्विक पहचान

'अयोध्या की संस्कृति के बारे में आज जानना चाहता है पूरा विश्व'

नवीन मेल नेटवर्क। अयोध्या

हम अपनी संस्कृति, ज्ञान और शोध को रेडियो के माध्यम से आम लोगों तक रोचक ढंग से पहुंचा सकते हैं। अयोध्या आज वैश्विक फलक पर है, पूरा विश्व इसके बारे में जानना चाहता है। जहां भी भारतवंशी हैं, उनकी अयोध्या को लेकर जिज्ञासा है। हम रेडियो के माध्यम से अयोध्या की वैश्विक पहुंच को नए स्तर पर पहुंचा सकते हैं। यह विचार भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी ने

अयोध्या रेडियो की वैश्विक सेवा ayodhyaradio.com के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी के दौरान व्यक्त किए। इस अवसर पर आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजेंद्र सिंह, श्रीरामजन्मभूमि के ट्रस्टी डॉ.अनिल मिश्र, फिल्म सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दुर्गेश पाठक एवं दैनिक जागरण के पत्रकारिता एवं प्रबंधन संस्थान, कानपुर के निदेशक प्रो. उपेंद्र पांडेय भी उपस्थित रहे।

'वर्ल्ड वाइड रेडियो : चुनौतियां एवं संभावनाएं' विषय पर प्रेस क्लब, अयोध्या में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रो. द्विवेदी ने कहा कि रेडियो एक ऐसा माध्यम है, जिसकी पहुंच किसी भी भौगोलिक परिस्थिति में दूर दराज तक होती है। यह एक ऐसा माध्यम है, जो ना तो अपने उपयोगकर्ता से साक्षरता की मांग करता है, और ना ही भाषा ज्ञान की। इसलिए इसकी व्यापकता है।

आईआईएमसी के महानिदेशक के अनुसार रेडियो का संचालन सुलभ और सहज है। इंटरनेट ने इसकी पहुंच को और आसान कर दिया है। इसमें संभावनाएं अपार हैं और केवल कंटेंट की चुनौती है। रेडियो में हम यह ध्यान रखने की आवश्यकता है कि कंटेंट रुचिकर और ज्ञानवर्द्धक, दोनों होना चाहिए।